हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, मंगलवार | 16 जुलाई 2024 | वर्ष : 02 अंक : 65 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

तेलंगाना सरकार ने दो लाख रुपये तक के फसल ऋण की माफी के लिए दिशा निर्देश जारी किये

एजेंसी

हैदराबाद । तेलंगाना सरकार ने सोमवार को कहा कि उसके द्वारा घोषित की गयी एक नीति के मुताबिक दो लाख रुपये तक का फसल ऋण माफ कर दिया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा घोषित ऋण माफी योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार 12 दिसंबर, 2018 को या उसके बाद दिये गये या नवीनीकृत किये गये ऐसे फसल ऋण को माफ कर दिया जाएगा जिसे नौ दिसंबर, 2023 तक चुकाना था। सरकार ने ऋणमाफी के दिशानिर्देशों पर सोमवार को तेलुगु में आदेश जारी किया। सरकार ने कहा कि किसान परिवारों की पहचान के लिए नागरिक आपूर्ति विभाग के पीडीएस कार्ड के डेटाबेस का इस्तेमाल किया जाएगा। परिवार में उसके मुखिया, उनकी जीवन संगिनी, बच्चे एवं अन्य शामिल होंगे। हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) इस योजना में आईटी साझेदार के रूप में काम करेगा। दिशानिर्देशों के अनुसार ऋण माफी योजना के क्रियान्वयन के

सीएम नीतीश ने मुकेश सहनी से फोन पर की बात, जताया दुख, डीजीपी को दिया सख्त कार्रवाई का निर्देश

मंगलवार की सुबह उनका शव बिरौल इलाके में उनके घर के कमरे के अंदर पाया गया, जिस पर चाकू से कई वार किए गए थे और उनके सीने और पेट पर कट के निशान थे।

एजेंसी

पटनाःबिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी को फोन कर उनके पिता की जघन्य हत्या पर संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने जीतन सहनी की हत्या को अत्यंत दुखद घटना बताया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने परिवार को दुःख की इस घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करने की भी कामना की। जीतन साहनी की कथित तौर पर बिहार के दरभंगा जिले में उनके पैतृक घर पर हत्या कर दी गई थी। मंगलवार की सुबह उनका शव बिरौल इलाके में उनके घर के कमरे के अंदर पाया गया, जिस पर चाकू से कई वार किए गए थे और उनके सीने और पेट पर कट के निशान थे। बिहार सीएमओ ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को मामले की जांच करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। आधिकारिक बयान में कहा गया है, "मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व मंत्री श्री मुकेश सहनी के

पिता जीतन सहनी के असामयिक निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीतन सहनी की हत्या बहुत दुखद घटना है इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने पूर्व मंत्री श्री मुकेश सहनी से फोन पर बात की और उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति तथा उनके परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मामले की गहन और त्वरित जांच सुनिश्चित करने के लिए बिहार की दरभंगा पुलिस द्वारा एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। पुलिस के मुताबिक, जांच प्रक्रिया की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारी फिलहाल घटनास्थल पर डेरा डाले हुए हैं। इसके अतिरिक्त, महत्वपूर्ण सबूत इकट्ठा करने के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की एक टीम को स्थान पर बुलाया गया है। इस बीच, बिहार पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले को सुलझाने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए हर जरूरी कदम उठाया जा रहा है। पूरे मामले पर बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि हमने तुरंत कार्रवाई की है और सीएम ने इस मामले की जल्द से जल्द जांच करने के लिए एसआईटी के गठन का आदेश दिया है और आरोपियों को सलाखों के पीछे डाला जाएगा। बिहार के पास देश में सबसे तेज काम करने वाली पुलिस है। उचित जांच की जाएगी और आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मंगलवार की सुबह उनका शव बिरौल इलाके में उनके घर के कमरे के अंदर पाया गया, जिस पर चाकू से कई वार किए गए थे और उनके सीने और पेट पर कट के निशान थे। बिहार सीएमओ ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को मामले की जांच करने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र को कर सकते हैं संबोधित

एजेंसी

न्यूयॉर्कःप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जिन्होंने हाल ही में रूस और ऑस्ट्रिया की अपनी हाई-प्रोफाइल द्विपक्षीय यात्राएं पूरी की हैं, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी वक्ताओं की अनंतिम सूची के अनुसार 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र को संबोधित कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस 24 से 30 सितंबर तक होगी।संयुक्त राष्ट्र द्वारा सोमवार को जारी आम बहस के लिए वक्ताओं की अनंतिम सूची के अनुसार, भारत के सरकार प्रमुख 26 सितंबर की दोपहर में उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित करेंगे। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह सूची अंतिम नहीं है और संयुक्त राष्ट्र उच्च स्तरीय सत्र से पहले के हफ्तों में वक्ताओं की अद्यतन अनंतिम सूची जारी करता है ताकि नेताओं, मंत्रियों और राजदूतों की उपस्थिति, कार्यक्रम और बोलने के स्लॉट में किसी भी संशोधन को दर्शाया जा सके।परंपरागत रूप से बहस में पहला वक्ता ब्राजील 24 सितंबर को उच्च स्तरीय सत्र की शुरूआत करेगा, उसके बाद अमेरिका में राष्ट्रपति जो बिडेन नवंबर में अपने देश में राष्ट्रपति चुनाव से पहले प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र मंच से वैश्विक नेताओं को अपने वर्तमान कार्यकाल का अंतिम संबोधन देंगे।प्रधानमंत्री मोदी, जिन्होंने पिछले महीने ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी, ने पिछली बार सितंबर 2021 में वार्षिक उच्च स्तरीय यूएनजीए सत्र को संबोधित किया था। उन्होंने पिछले साल 21 जून को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय का दौरा किया था, जो बिडेन द्वारा आयोजित एक राजकीय यात्रा के लिए वाशिंगटन डीसी जाने से पहले विश्व निकाय के मुख्यालय के उत्तरी लॉन में ऐतिहासिक योग दिवस समारोह का नेतृत्व किया था।संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस आम बहस की शुरूआत से पहले अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे, उसके बाद महासभा के 79वें सत्र के अध्यक्ष द्वारा संबोधन होगा। गुटेरेस उच्च स्तरीय सप्ताह के दौरान संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भविष्य के महत्वाकांक्षी शिखर सम्मेलन का भी आयोजन कर रहे हैं, जिसमें 20-21 सितंबर को कार्रवाई के दिन और 22-23 सितंबर को शिखर सम्मेलन निर्धारित है।

योगी सरकार बैकफुट पर, शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी का आदेश लिया वापस

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शिक्षकों के भारी विरोध और विपक्ष के नेताओं द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति को बड़ा मुद्दा बनाए जाने के के चलते प्रदेश के परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था को स्थगित कर दिया है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के साथ शिक्षक संगठनों की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। अब एक कमेटी का गठन होगा जिसमें अधिकारियों के साथ-साथ शिक्षाविद भी होंगे और फिर इसे लागू किया जाएगा।गौरतलब है कि बीती आठ जुलाई को यह व्यवस्था

लागू की गई थी और तब से शिक्षक लगातार इसका विरोध कर रहे थे। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा और उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने सरकार के इस निर्णय पर खुशी जताई है। परिषदीय स्कूलों के शिक्षक पिछले एक हफ्ते से लगातार इसके विरोध में आंदोलनरत थे। योगी सरकार को अपना फैसला इसलिए भी बदलना पड़ा क्योंकि विपक्षी दल भी शिक्षकों का पक्ष में खड़े हो गए थे। पहले सपा और कांग्रेस ने उनकी आवाज उठाई थी। आज बसपा प्रमुख मायावती ने भी ऑनलाइन अटेंडेंस के खिलाफ बयान दिया था। मायावती ने अपनी पोस्ट में लिखा, बिना तैयारी शिक्षकों पर ऑनलाइन हाजिरी को थोपा जाना ठीक नहीं है। परिषदीय स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की काफी कमी है। शिक्षकों के भी बड़ी संख्या में पद खाली हैं।

मनीष सिसौदिया की जमानत याचिका पर ईडी, सीबीआई को SC का नोटिस,

नई दिल्लीःमंगलवार को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा दायर जमानत याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जवाब मांगा और मामले की सुनवाई 29 जुलाई को तय की। सिसोदिया ने कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े अपने खिलाफ भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में जमानत मांगी है। न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 2021-22 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में अनियमितताओं के संबंध में ईडी और सीबीआई द्वारा

जांच किए गए अलग-अलग मामलों में जमानत की मांग करने वाली सिसोदिया की याचिका पर नोटिस जारी किया।

योगी सरकार के मंत्री संजय निषाद ने बाबा की बुलडोजर नीति पर उठाये सवाल, हो गया बवाल

एजेंसी

उत्तर प्रदेशःलोकसभा चुनावों के दौरान उत्तर प्रदेश में भाजपा और उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का प्रदर्शन खराब रहा तो सारा ठीकरा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर फोड़ा जाने लगा। चुनावों में वोट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर मांगे गये थे लेकिन यूपी में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को वोट कम मिलने का सारा भार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर डालने का प्रयास हो रहा है। रविवार को संपन्न यूपी भाजपा कार्यसमिति की बैठक में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सरकार से बड़ा संगठन है, इसके

जरिये उन्होंने यह संकेत देने का प्रयास किया कि संगठन पर इस समय सरकार हावी है। इसके अलावा, भाजपा के एक विधायक भी पार्टी आलाकमान से यूपी पर तत्काल ध्यान देने का आग्रह कर चुके हैं।अब भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी के मुखिया और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने भी एक तरह से मुख्यमंत्री की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कह दिया है कि अगर बुलडोजर चलेगा तो लोग वोट कैसे देंगे। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर हम गरीबों के घर उजाड़ेंगे तो वह हमें उजाड़ देगा। उन्होंने कहा कि यूपी में बुलडोजर की कार्रवाई से जनता नाराज है। संजय निषाद ने प्रशासनिक अधिकारियों पर भी निशाना साधते हुए कहा है कि आज भी अंदर से कई अधिकारी हाथी, पंजा और साइकिल हैं और जब भी मौका मिलता है वह हमें नीचा दिखा देते हैं। उन्होंने कहा कि इनसे सावधान रहना होगा तथा कार्यकर्ताओं का सम्मान करके ही आगे बढ़ा जा सकता है।

रिकॉर्ड में नहीं मिली कोई गलती, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की हिंडनबर्ग मामले पर पुर्नविचार याचिका

एजेंसी

नई दिल्लीःसुप्रीम कोर्ट ने अपने 3 जनवरी के फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने अडानी समूह द्वारा स्टॉक मूल्य में हेरफेर के आरोपों की जांच विशेष जांच दल या सीबीआई को स्थानांतरित करने से इनकार कर दिया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 3 जनवरी के फैसले के खिलाफ जनहित याचिका याचिकाकर्ताओं में से

एक अनामिका जायसवाल द्वारा दायर समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया। पीठ ने 5 मई के अपने आदेश में कहा था कि समीक्षा याचिका का अध्ययन करने के बाद, रिकॉर्ड पर कोई त्रुटि स्पष्ट नहीं है। सुप्रीम कोर्ट नियम 2013 के आदेश ग्ग्स्ग्ग्नियम 1 के तहत समीक्षा का कोई मामला नहीं है। इसलिए, समीक्षा याचिका खारिज कर दी जाती है।समीक्षा याचिका पर न्यायाधीशों ने चैंबर में विचार किया। अडानी समूह के लिए एक महत्वपूर्ण जीत में शीर्ष अदालत ने 3 जनवरी को सीबीआई या एसआईटी जांच का आदेश देने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि बाजार नियामक सेबी आरोपों की व्यापक जांच कर रहा है और उसका आचरण विश्वास को प्रेरित करता है।

डोडा में शहीद हुए जवानों का बदला लेने के लिए आर्मी को मिली खुली छूट,

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान एक कैप्टन रैंक के सेना अधिकारी सहित चार सैनिक ड्यूटी पर शहीद हो गए। अधिकारियों के अनुसार, मुठभेड़ तब शुरू हुई जब राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह के साथ मिलकर सोमवार शाम को संयुक्त घेराबंदी और तलाशी

अभियान शुरू किया। यह अभियान देसा वन क्षेत्र में स्थित धारी गोटे उरारबागी में हुआ। तलाशी 15 जुलाई को शाम करीब 7:45 बजे शुरू हुई, क्योंकि सुरक्षा बलों का लक्ष्य क्षेत्र में संदिग्ध आतंकवादियों को ट्रैक करना और उन्हें पकड़ना था।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को भारतीय सेना प्रमुख से बात की, जिन्होंने उन्हें जम्मू-कश्मीर के डोडा में जमीनी हालात और चल रहे ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार राजनाथ सिंह ने कार्रवाई की खुली छूट दी है।

नगालैंड में घात लगाकर हमला: कर्मियों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी न देने पर केंद्र से जवाब मांगा गया

एजेंसी

नगालैंडःसुप्रीम कोर्ट ने नगालैंड सरकार की उस याचिका पर केंद्र और रक्षा मंत्रालय से जवाब मांगा है, जिसमें 30 सैन्यकर्मियों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी न देने को चुनौती दी गई है। इन सैन्यकर्मियों पर 2021 में राज्य में उग्रवादियों पर घात लगाकर हमला करने के असफल अभियान में 13 नागरिकों की हत्या करने का आरोप है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सोमवार को राज्य सरकार की दलीलों पर गौर किया और रक्षा मंत्रालय को नोटिस जारी किए। पीठ ने अब नगालैंड की याचिका पर 3 सितंबर को सुनवाई तय की है। पिछले साल अप्रैल में केंद्र सरकार ने राज्य के मोन जिले के ओटिंग में घात लगाकर किए गए असफल हमले में कथित रूप से शामिल सैन्यकर्मियों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया था।राज्य सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर की है। इस अनुच्छेद के तहत मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की जा सकती है।राज्य सरकार ने एफआईआर दर्ज कर दावा किया था कि उसके पास मेजर समेत सेना के जवानों के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं, लेकिन फिर भी केंद्र ने मनमाने तरीके से उन पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया।केंद्र सरकार में सक्षम प्राधिकारी ने बिना सोचे-समझे और जांच के दौरान राज्य पुलिस की विशेष जांच टीम द्वारा एकत्र की गई पूरी सामग्री को देखे बिना ही उन पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया।जुलाई 2022 में, शीर्ष अदालत ने आरोपियों की पत्नियों की याचिकाओं पर विशेष बलों से संबंधित सेना के जवानों के खिलाफ मुकदमा चलाने पर रोक लगा दी थी,

'पिछड़ा वर्ग की विरोधी रही कांग्रेस', जातिवाद और भ्रष्टाचार के सिवाय उसने कुछ नहीं दिया:अमित शाह

संवाददाता

हरियाणा फिलहाल राजनीति के केंद्र में है। इसका बड़ा कारण ये है कि आने वाले महीनों में वहां विधानसभा के चुनाव होने हैं। यही कारण है कि लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद सत्तारूढ़ भाजपा राज्य में अपनी चुनावी तैयारियों में जुट गई है। इसी कड़ी में आज दिग्गज भाजपा नेता तथा केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के महेंद्रगढ़ में 'पिछड़ा वर्ग सम्मान' सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने भाजपा सरकार के कामकाज को गिनवाया और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन के शुरूआत में साह ने कहा कि हरियाणा के पिछड़ा वर्ग ने हमेशा भाजपा को आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि अब भाजपा का कर्तव्य बनता है कि जितना आपने किया है, उससे ज्यादा कार्य करके हम आपके पास आएं। शाह ने कहा कि नायब सिंह जी की कैबिनेट ने तीन निर्णय लिए हैं -क्रीमी लेयर की लेयर की सीमा 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख कर दी गई है। इन 8 लाख में

तनख्वाह और कृषि की आय भी नहीं गिनी जाएगी। अब हर बच्चे को डइउ का फायदा मिलेगा।उन्होंने कहा कि अब तक पंचायतों में जो रिजर्वेशन था, उसको भी बदलने का फैसला लिया गया है। पंचायतों में अब तक 8% रिजर्वेशन ग्रुप अ के लिए था, उसके साथ 5% रिजर्वेशन ग्रुप इ के लिए भी आज से शुरू हो जाएगा। इससे हरियाणा की जनता के एक बहुत बड़े हिस्से को आरक्षण का फायदा मिलेगा। इसके साथ ही शाह ने कहा कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में 8 प्रतिशत आरक्षण जस का तस रहेगा और ग्रुप इ को 5% आरक्षण ज्यादा मिलेगा। ये तीनों निर्णय प्रधानमंत्री मोदी जी की नीतियों को लागू करने वाले हैं। भाजपा नेता ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद पूरे देश को कहा था कि मेरी ये सरकार दलितों, गरीबों और पिछड़ों की सरकार है। देश को पहला सशक्त पिछड़े वर्ग का प्रधानमंत्री देने का काम भाजपा ने किया है। 71 में से 27 मंत्री पिछड़े वर्ग से देकर नरेन्द्र मोदी जी ने हरियाणा और देश के डइउ का सम्मान करने का काम किया है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से पिछड़ा वर्ग की विरोधी रही है।उन्होंने कहा कि 1957 में डइउ रिजर्वेशन के लिए काका कालेलकर कमीशन बना, लेकिन कांग्रेस ने सालों तक इसे लागू नहीं किया। 1980 में इंदिरा गांधी जी ने मंडल कमीशन को ठंडे बस्ते में डाल दिया। 1990 में जब लाया गया, तब राजीव गांधी ने 2 घंटे 43 मिनट तक भाषण करके डइउ के रिजर्वेशन का विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने डइउ कमीशन को संवैधानिक मान्यता देकर आपको संवैधानिक अधिकार देने का काम मोदी के नेतृत्व में किया। केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल और नीट की परीक्षाओं में 27% आरक्षण देने का

मुहर्रम पर्व को लेकर प्रशासन अलर्ट

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण मोहर्रम के आयोजन के मद्देनजर डीएम रिची पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार तिवारी के द्वारा सभी पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि विगत त्योहारों के अवसर पर उत्पन्न हुई समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सभी बिंदुओं, संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों/ स्थलों पर सतत निगरानी रखते हुए समुचित करवाई पूर्व से ही करना सुनिश्चित करेंगे ताकि असामाजिक तत्वों के द्वारा कोई व्यवधान अथवा घटना को अंजाम नहीं दिया जा सके।

निर्देशित किया गया कि मुहर्रम त्योहार के अवसर पर विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु पिछली घटनाओं को देखते हुए और असमाजिक तत्व एवं संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध पूर्व से ही धारा 107, 110 के तहत कार्रवाई करते हुए अधिक से अधिक संख्या में बंध पत्र निर्गत करते हुए विधि सम्मत कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे कि किस थाना के द्वारा कितने असामाजिक तत्व एवं संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 107 धारा 110 के तहत कार्रवाई की गई। सांप्रदायिक सद्भावना बनाए रखने के लिए सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि उक्त त्योहार के अवसर पर शांति एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु विभागीय निर्देश के आलोक में अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर पर शांति समिति का बैठक कराना सुनिश्चित करेंगे सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सी० ओ एवं थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि मुहर्रम पर्व के पूर्व ही अपने-अपने क्षेत्रों के डीजे संचालकों को नोटिस भेजकर उनके साथ बैठक करते हुए समुचित निर्देश देते हुए डीजे बजाने पर पूर्णतया प्रतिबंध की जानकारी देना सुनिश्चित करें ।निर्देश दिया गया कि किसी भी सूरत में डीजे ""ड्ढद्द नहीं होग ।निर्देश का अनुपालन नहीं करने वाले डीजे संचालको पर कड़ी कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज की जाएगी ।निर्देश दिया गया कि मोहर्रम पर्व के अवसर पर निकाले जाने वाले जुलूस को पुराने रूट के अनुसार ही वर्तमान रूट निर्धारित करते हुए उसका भौतिक सत्यापन कर अनुज्ञप्ति निर्गत करना सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उक्त अनुज्ञप्ति में जुलूस में सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों के फोटो ,मोबाइल नंबर एवं पूर्ण सूचनाएं अंकित करना सुनिश्चित करेंगे ।साथ ही जुलूस के दौरान कोई भी घातक हथियार,शस्त्र के प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध लगाया जाना सुनिश्चित करेंगे।

सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि मुहर्रम पर्व के अवसर पर ताजिया रखने वाले स्थानों के संवेदनशीलता एवं अति संवेदनशीलता को पहचान करते हुए उसके अनुसार संबंधित स्थलों पर मोहर्रम कमेटी के साथ शांति समिति की बैठक करना सुनिश्चित करेंगे नगर आयुक्त नगर निगम को निर्देश दिया गया कि उक्त त्योहार के अवसर पर शहर के सफाई एवं जुलूस के मार्ग में पड़ने वाले गड्ढों को अविलम्ब ठीक करवाना सुनिश्चित करेंगे।

कार्यपालक अभियंता विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि उक्त त्योहार के अवसर पर जुलूस के मार्ग में पड़ने वाले लटकते हुए विद्युत तारों को ठीक करवाना सुनिश्चित करेंगे।

सभी अनुमंडल पदाधिकारीयों को निर्देश दिया गया कि मुहर्रम के अवसर पर निकलने वाले जुलूस एवं अन्य प्रकार के अवसरों पर वीडियोग्राफी करवाई जाए ताकि असामाजिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जा सके। सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह को बल देने वाले असामाजिक तत्वों को अभी से ही चिन्हित करने का निर्देश दिया गया ।निर्देश दिया गया कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से सामाजिक सौहार्द में खलल डालने वाले असामाजिक तत्वों को के विरुद्ध कठोर विधि सम्मत कठोर कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज करना सुनिश्चित करेंगे ।जिला आपदा प्रबंधन प्रशाखा सीतामढ़ी में दूरभाष संख्या 06226झ्र250316 पर एक नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा ।पुपरी एवं बेलसंड अनुमंडल के नियंत्रण कक्ष अनुमंडल अधिकारी पुपरी /बेलसंड के कार्यालय प्रकोष्ठ में उक्त अवधि के लिए कार्यरत रहेंगे जिसका दूरभाष संख्या पुपरी के लिए 06228झ्र295555

एसडीओ एवं एसडीपीओ जयनगर के नेतृत्व में मुहर्रम की पूर्व संध्या पर फ्लैग मार्च निकाला गया।

इस्लाम अंतिम समय तक जिंदा रहेगा ,: प्रवाचक सुलेमान अहमद,

वरिष्ठ संवाददाता
शकील हैदर

छपरा शहर के नई बाजार स्थित स्वर्गीय मुबारक हुसैन साहब के इमामबाड़े में बुधवार को कर्बला में शहीद हजरत इमाम हुसैन अ स का ताबूत और उनके छोटे भाई हजरत अब्बास का अलम ए मुबारक निकालकर 72 शहीदों को याद किया गया। इस अवसर पर दाउद अली ने कहा रसूल के प्यारे नवासे हजरत इमाम हुसैन अ स ० ने इस्लाम की खातिर तीन दिनों तक भूखे प्यासे रह कर अपनी शहादत दी। इस आयोजन के बारे में चर्चा करते हुए शकील हैदर ने कहा कि यदि फौज ने कर्बला में चारों तरफ से घेर हजरत इमाम हुसैन को तीरों से मार डाला शहीदों में हजरत इमाम हुसैन अ सलाम के साथ कर्बला में 72 शहीद हुए। श्री हैदर ने कहा की असुर के दिन रहते हैं मोहताज यहां तक, औलाद भी मर जाए तो पुरसा नहीं लेते। कर्बला की शहादत की याद दिलाता है मोहर्रम। परवाचक सुलेमान सब ने कहा की इंसानियत के अलमदार हजरत इमाम हुसैन के 72 शहीदों की याद में:

सिसवन ढाला के पास जल जमाव से आवागमन बाधित, लोग परेशान

संवाददाता

सीवान जिले के सिसवन ढाला पर रेलवे फाटक के ऊपर ब्रिज या अंडर पास नहीं होने के कारण प्रतिदिन लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ।वैसे यह एक अलग मुद्दा है।कि वर्षा ऋतु में वर्षा के कारण उपरोक्त ढाला के समीप जल निकासी ठीक ढंग से नहीं होने के कारण वहाँ भारी मात्रा में जलजमाव बना रहता है। उस मार्ग पर प्रतिदिन आवागमन करते वाहनों और यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वहाँ लगे जलजमाव तालाब में बदल गया है। सिसवन ढाला के समीप तिमोहानी से एक रास्ता सिवान के मजहरूल हक कॉलोनी से होते हुए छपरा सिवान मार्ग पर चांप ढाला के पास जाकर मिलता है, तो दूसरी तरफ यह सड़क सिवान रेलवे जंक्शन के तरफ से होते हुए आंदर ढाला पर बने ओवर ब्रिज से आंदर-सिवान मार्ग से जुड़ती है, वहीं दक्षिण में सिवान-सिसवन राज्यमार्ग से जुड़कर हुसैनगंज तथा हसनपुरा प्रखंड होते हुए सिसवन प्रखंड तक जाती है । रेलवे ढाला के पूरब में इस्लामिक कॉलेज है जहाँ सैकड़ों छात्र व छात्रायें पढ़ने जाते हैं। इतना ही नहीं सिसवन ढाला दिन में अधिकतर घंटों बंद होने के कारण स्थिति और भयावह हो जाती है ।जिला प्रशासन से इस समस्या से निदान के लिए लोगों ने गुहार लगाई है।

मधुबनी बिस्फी के गढ़िया मे शांतिपूर्ण 9 वीं मुहर्रम जुलुस सम्पन हुआ

संवाददाता
अबु बकर

मधुबनी बिस्फी प्रखंड मे शांति पूर्ण मनाया गया 9 वीं मुहर्रम सभी ने आपसी भाई चारा के साथ गढ़िया मे अपने अपने अखाड़ा खेला और चौकी का मिलान किया बता दें की गढ़िया रन पर लगभग 10 गाँव का जुलुस आता है वहीं पतौना थाना अध्यक्ष राज किशोर ने आपने दल बल के साथ रन मे विधि व्यवस्था बनाये रखने के साथ सभी से आपसी भाई चारा के साथ खेलने पर सभी को बधाई दी मौके पर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मोह्न चाँद कमरुल हुदा तमन्ना, मोह्न इमरान,जमील अख्तर चाँद उस्मानी सहित समाजसेवी जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे

मोहर्रम के अवसर पर बिजली बाधित रहेगी 16 जुलाई के मध्य रात्रि से और 17 जुलाई 12 बजे दिन से रात्रि तक

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल 16 जुलाई मंगलवार। गोपनीय शाखा सिवान ने एक आदेश जारी कर विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सिवान, महाराजगंज बिजली विभाग को निर्देश दिया है। मोहर्रम के ताजिया जुलूस को देखते हुए 16 जुलाई को 9 बजे रात्रि से सुबह तक और 17 जुलाई को 12 बजे दीन से रात्रि तक बिजली विभाग को विद्युत आपूर्ति बंद रखने का निर्देश जारी किया है। ताकी ताजिया जुलूस के दौरान विद्युत से कोई घटना न घट सके।

ब्रीफ न्यूज

शिक्षक के पुत्री ने जिले मे सीए की परीक्षा प्रथम प्रयास मे उत्तीर्ण कर नाम रौशन की

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल दारौंदा 16 जुलाई मंगलवार। उच्च माध्यमिक विद्यालय कोडारी कला के प्रधानाध्यापक मिथिलेश कुमार की पुत्री श्वेता कुमारी ने सीए की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर पूरे प्रखंड और जिला को गौरवान्वित किया है। श्वेता कुमारी के इस अद्वितीय उपलब्धि पर उनके परिवार व रिश्तेदारों में खुशी की लहर है। पिता उच्च माध्यमिक विद्यालय कोडारी कला के प्रधानाध्यापक मिथिलेश कुमार व गृहणी शोभा कुमारी की पुत्री है। श्वेता कुमारी ने बताया कि प्रथम प्रयास में 2024 में बेहतर सफल होने पर काफी आत्मविश्वास बढ़ा है। भाई सौरभ कुमार, बहन सुधा कुमारी, पिता मिथिलेश कुमार हमेशा सहयोग के बल पर सफलता प्राप्त किया है।

जीतन सहनी का हुआ अंतिम संस्कार, बेटे मुकेश ने दी मुखाग्नि, गम में डूबा पूरा गांव

संवाददाता

पटना:वीआईपी चीफ और बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी का अंतिम संस्कार कर दिया है। अपने पैतृक अफजला गांव जब मुकेश सहनी पहुंचे, तब अंतिम संस्कार का हुआ। सहनी ने पिता की अर्थी को कंधा दिया। और फिर मुखाग्नि दी। इस मौके पर यूपी-बिहार के कई मंत्री, विधायक और नेता मौजूद रहे। इसके अलावा मुकेश सहनी का पूरा परिवार, छोटे भाई संतोष सहनी भी मौजूद रहे। इससे पहले इस हत्याकांड में पुलिस ने अबतक दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जो सीसीटीवी में दिखे थे ।एडीजी जितेंद्र सिंह गंगवार ने बताया कि दरभंगा के 70 साल के जीतन सहनी अकेले रहते थे, रात में अज्ञात लोगों ने उनकी हत्या कर दी। घर के अंदर और बाहर मिले साक्ष्यों की जांच बहुत ही बारीकी से की जा रही है। जिसकी जांच जारी है। घर में तीन गिलास पाए गए हैं, उसमें किस तरह का पदार्थ है? घर में तीन बाइक पाई गई हैं। उसकी जांच की जा रही है। वो बाइकें किसकी है? घटनास्थल से कागजात और पैसे से भरी एक अलमीरा बरामद की गई है। इस मामले की जांच के लिए पटना से एसटीएफ की टीम रवाना की गई है। जो तकनीकी जांच, रेड और छापेमारी में मदद करेगी। पटना से दरभंगा एसपी ग्रामीण के नेतृत्व में एसआईटी को भेजा गया है। साथ ही सीसीटीवी और मोबाइल टावर का भी अवलोकन किया जा रहा है। आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हर एंगल की जांच हो रही है। जल्द ही इस हत्याकांड का खुलासा करेंगे। वहीं घटना पर अब तक बिहार के कई बड़े नेताओं का बयान आ चुका है। एकतरफ सरकार की नाकामी पर सवाल उठाए जा रहे हैं तो वहीं प्रशासन घटना के पीछे के कारणों को जानने में जुटी हुई है। इसके लिए बिहार सरकार ने तमाम तरह की टीमों को गठित करके जांच के लिए घटना स्थल पर भेजा हुआ है। विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक मुकेश सहनी की माता का निधन 10 साल पहले हो गया था। इस घटना पर सीएम नीतीश कुमार, दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने दुख प्रकट किया है। और कहा कि अपराधियों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। वहीं तेजस्वी यादव ने आतंकराज बताया है। और एनडीए सरकार पर हमला बोला है।

टायर्ड नेता और रिटायर्ड अफसर; मुकेश सहनी के पिता की हत्या पर तेजस्वी यादव बोले- ये आतंकराज है

संवाददाता

पटना:वीआईपी चीफ मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की घर में घुसकर निर्मम हत्या के मामले पर नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा ने बिहार की एनडीए सरकार पर हमला बोला है। और इस घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। तेजस्वी ने कहा कि अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वो राज्य में अब जब चाहे, जहां चाहे, जैसे चाहे, कैसे भी, किसी की भी हत्या कर सकते है ।तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि वीआईपी पार्टी के संरक्षक और बड़े भाई मुकेश सहनी के पिता जी की अपराधियों द्वारा निर्मम हत्या की दुःखद खबर सुन स्तब्ध एवं मर्माहत हूं। शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि इस दुख की घड़ी में परिजनों को दुख सहने की शक्ति एवं दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे ।प्रदेश में आतंकराज स्थापित हो चुका है। निरंतर कह रहा हूं, कि बिहार की डबल इंजन पावर्ड सरकार में सत्ता संपोषित, सत्ता संरक्षित और सत्ता प्रायोजित सरकारी अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ चुका है कि वो जब चाहे, जहां चाहे, जैसे चाहे, कैसे भी, किसी की भी हत्या कर सकते है ।ठ्ठ्रअ सरकार सच्चाई स्वीकारने की बजाय वही घिसा-पीटा डायलॉग दोहरती रहती है कि सुशासन का राज है जबकि प्रतिदिन सैकड़ों लोग आपराधिक घटनाओं में अकाल मौत मारे जा रहे है। हम तो क्राइम बुलेटिन भी जारी करते है लेकिन अहंकारी सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता। टायर्ड नेता और रिटायर्ड अधिकारी प्रदेश की विधि व्यवस्था सम्भालेंगे तो यही हश्र होगा ।इससे पहले भी तेजस्वी लगातार प्रदेश में हो रही आपराधिक घटनाओं को लेकर बिहार की एनडीए सरकार को घेरते आए हैं। और अब दरभंगा में जिस तरह मुकेश सहनी के पिता की घर में धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। उसने कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए है। और अब इस हत्याकांड पर सियासत भी तेज हो हुई है। वहीं पुलिस ने इस हत्याकांड में अब तक सीसीटीवी के आधार पर दो संदिग्धों को पकड़ा है।

पूर्व मंत्री सह वीआईपी पार्टी के संरक्षक मुकेश सहनी के पिता की हत्या अपराधी का बोलबाला : मनोज कुमार मिश्रा

मधुबनी जिला कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष मनोज कुमार मिश्रा एवं हेमांशु कुमार सिंह,

संवाददाता
अबु बकर

पटनाः राष्ट्रीय जनता दल मधुबनी के जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर वीआईपी पार्टी के संरक्षक मुकेश सहनी जी के पिता जी की अपराधियों द्वारा निर्मम हत्या की शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते कहा कि भाजपा और जदयू के राक्षसराज में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह वीआईपी पार्टी के संरक्षक मुकेश सहनी के पिता का हत्या पुलिस प्रशासन अपराधी नेताओ के गठजोड़ से चल रहे डबल इंजन के बिहार सरकार में कर दिया गया है। बिहार को जंगल राज कह कर मंगल राज मानने वाले भाजपा जदयू के शासन में बिहार में खुलेआम अपराधी हत्या, बलात्कार, लुट करते जा रहा है। फिर भी बिहार को डबल इंजन की सरकार और प्रशासन घटना रोकने में पूरी तरह से अक्षम हो चुका है। प्रदेश में आतंकराज स्थापित हो चुका है। बिहार की डबल इंजन सरकार में सत्ता संपोषित, सत्ता संरक्षित और सत्ता प्रायोजित सरकारी अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ चुका है कि वो जब चाहे, जहां चाहे, जैसे चाहे, कैसे भी, किसी की भी हत्या कर सकते है। ठब्ब सरकार सच्चाई स्वीकार ने की बजाव वही घिसा-पीटा बयान दोहराती रहती है कि सुशासन का राज है। जबकि प्रतिदिन सैकड़ों लोग आपराधिक घटनाओं में अकाल मौत मारे जा रहे है। बिहार में अपराध अपने चरम पर है। जिसे देखते हुए नीतीश सरकार को बर्खास्त कर बिहार में तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की है जरूरत है। गठबंधन के नेताओं ने नीतीश सरकार की जमकर आलोचना की, और वही नेता ने कहा कि इस सरकार में अपराध का ग्राफ दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है

सरकार पूरी तरह फेल नजर आ रही है अपराधी को लगाम लगाने में '

मुकेश सहनी के पिता की हत्या पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सहित वरिष्ठ नेताओं ने जताया शोक

संवाददाता

मुकेश सहनी के पिता के निधन पर मर्माहत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

बिहार में कानून का राज समाप्त हो चुका है : डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह

पटना, मंगलवार, 16 जुलाई 2024 पूर्व मंत्री और इंडिया ब्लॉक के नेता मुकेश सहनी के पिता की सोमवार देर रात्रि हत्या पर बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने शोक जाहिर की है। साथ ही उन्होंने राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा कि प्रदेश में अपराध का स्तर बता रहा है कि यहां सरकार का इकबाल अब बुलंद नहीं रहा है और अपराधियों का मन इतना बढ़ चुका है कि वें राज्य में जहां चाहे वहां हत्या और अपराध कर सकते हैं। इस घटना की उच्च स्तरीय जांच करने की मांग करते हुए उन्होंने कहा है कि दोषियों को अविलंब गिरफ्तार किया जाएं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि राज्य में कानून का राज खत्म है और पुलिस व्यवस्था पूरी तरीके से ध्वस्त है और प्रदेश में नीतीश सरकार ने गुंडाराज स्थापित कर दिया है। जहां देखो लुट कांड, डकैती, हत्या और पेपर लीक हो रहे हैं जबकि पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी हुई है। उन्होंने दोषियों पर अविलंब कार्रवाई करने की मांग की है।मुकेश सहनी के पिता की हत्या पर शोक जताने वालों में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के अलावे विधानमंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान, विधान परिषद में दल के नेता व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ मदन मोहन झा, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक , प्रेमचंद्र मिश्रा , निर्मल वर्मा , ब्रजेश पांडेय, ब्रजेश प्रसाद मुनन, मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, लाल बाबू लाल ,कुमार आशीष प्रमुख है।

मुकेश सहनी के पिता की हत्या दुखद व खेदजनक- सम्राट

सरकार ने किया एस आई टी का गठन

संवाददाता

पटना, 16-07-2024भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या पर गहरा दुख जताया है और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी पूरी संवेदना जताई है। श्री चौधरी ने कहा कि जीतन सहनी की हत्या अत्यंत दुखद और खेदजनक घटना है। उपमुख्यमंत्री श्री चौधरी ने पुलिस प्रशासन को फोन कर दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर एस आई टी का गठन कर दिया गया है। दरभंगा में विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा है कि अपराधी चाहे कोई भी हो, कानून के शिकंजे से वह बच नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की देर रात में हत्या की गयी थी। वो 70 साल के बुजुर्ग थे। फिलहाल स्थानीय पुलिस पूरी मुस्तैदी से मामले की जांच कर रही है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक

वरिष्ठसंवाददाता
शकील हैदर

सारण, छपरा/वरिष्ठ संवाददाता, 16 जुलाई, 2024 जिलाधिकारी श्री अमन समीर ने आज शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

यू-डायस पोर्टल पर प्रविष्टि के अनुसार नामांकित छात्रों की संख्या में 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में कमी दर्ज की गई है। जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को आगामी 15 दिनों में इसके कारक तत्वों को सूचीबद्ध करने का निदेश दिया।

जिलाधिकारी ने विद्यालयवार बच्चों के उपस्थिति की मासिक विवरणी तैयार करने को कहा। विद्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने वाले बच्चों की सूची विद्यालयवार तैयार करने को कहा गया। इसके लिये सभी संबंधित पदाधिकारियों को 15 अगस्त तक का समय दिया गया है। विद्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने वाले बच्चों की सूची संबंधित पंचायत के टोला सेवक को दी जायेगी। उनके द्वारा लगातार अनुपस्थित रहने वाले बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर बच्चे की अनुपस्थिति के कारण को दर्ज किया जायेगा। इस सर्वे के आधार पर आगे के लिये सुधारात्मक कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई की जायेगी।

बताया गया कि ई-शिक्षा कोष पर विद्यालय में नामांकित बच्चों की आधार सीडिंग के साथ प्रविष्टि की जा रही है। अद्यतन लगभग 3 लाख 80 हजार बच्चों की आधार सीडेड एंट्री की गई है, जो कुल नामांकित का लगभग 54 प्रतिशत है। जिलाधिकारी ने इस कार्य मे तेजी लाने का निदेश दिया। कुछ बच्चों का आधार नहीं होने/आधार में त्रुटि के कारण भी इस कार्य की प्रगति धीमी है। जिलाधिकारी ने सभी पंचायतों में बच्चों का आधार बनाने के लिये विशेष शिविर लगाने को कहा। जिलाधिकारी ने इस कार्य मे आ रही अन्य व्यवहारिक कठिनाइयों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने उप विकास आयुक्त को इसकी समीक्षा कर अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर शिक्षकों की उपस्थिति अद्यतन 81 प्रतिशत दर्ज की जा रही है। इसे शत प्रतिशत सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया।

भूमिहीन विद्यालयों के संबंध में बताया गया कि वर्तमान में जिला में 103 भूमिहीन विद्यालय हैं। इन सभी विद्यालयों की पंचायतवार सूची सभी अंचलाधिकारियों को पत्र के माध्यम से भेजते हुये 15 दिनों के अंतर्गत सरकारी जमीन की उपलब्धता से संबंधित रिपोर्ट प्राप्त किया जायेगा। यह सूची सभी संबंधित मुखिया एवं विधायक गण के साथ साझा करते हुये उनके स्तर से भी सरकारी जमीन की उपलब्धता नहीं होने की स्थिति में स्थानीय लोगों को भूमि दान करने हेतु प्रेरित कर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जायेगा।भूमि दान राज्यपाल के नाम से किया जाता है।विद्यालय हेतु दान की भूमि का निःशुल्क निबंधन किया जायेगा। भूमि विहीन विद्यालयों की पंचायतवार सूची , दान की प्रक्रिया एवं जमीन दानकर्ता के नाम से विद्यालय के नामकरण के प्रावधान की जानकारी जिला के वेबसाइट पर भी अपलोड किया जा रहा है। कोई भी व्यक्ति इस सूची एवं निर्धारित प्रक्रिया का अवलोकन कर सकते हैं।

सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को एक सप्ताह के अंतर्गत सभी चहारदीवारी विहीन विद्यालयों की सूची उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। चहारदीवारी विहीन उच्च विद्यालयों की चहारदीवारी निर्माण हेतु प्राक्कलन तैयार करने का निदेश दिया गया। उच्च विद्यालयों की चहारदीवारी का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराये जाने हेतु पहल की जायेगी।

बिहार के लिए मसीहा है नीतीश बाबू : वीरेंद्र प्रसाद सिंह कुशवाहा

संवाददाता
कफील एकबाल

मोतिहारी 16 जुलाई, आदापुर में पत्र- प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए पूर्व शिक्षा मंत्री वीरेंद्र प्रसाद सिंह कुशवाहा ने कहा की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी बिहार के लिए मसीहा बनकर आए हैं, ये जब राज्य की सत्ता संभाल रहे थे बिहार की स्थिति कुछ और थी सरकार बनते ही इन्होंने रोजगार और सड़कों पर विशेष ध्यान दिया ।सड़के बन जाने से गांव गांव से संपर्क बढ़ा रोजगार के अवसर बढ़े तथा जमीन की कीमत बढ़ी । आधुनिक खेती करने में सुविधा हुई और किसानो की स्थिति सुदृढ़ हुई। बेरोजगारो को रोजगार मिलने से उनकी दिशा बदल गई और वे अपनी ऊर्जा नए बिहार के निर्माण में लगाए। बिहार में अपराध कम हुआ, इतना ही नहीं नीतीश बाबू ने महिला शिक्षा पर जोर देकर उनके लिए शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया। लड़कियां शिक्षा के प्रति जागरूक हुई और बिहार में नारी शिक्षा का प्रतिशत काफी आगे बढ़ा। श्री कुशवाहा ने यह भी कहा कि जीविका दीदीयो को रोजगार मिला ,आशा वालों को भी काफी रोजगार मिला। नीतीश बाबू स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी को

नौकरी में 2% आरक्षण देकर देश के लिए एक उदाहरण बने। आयुर्वेदिक चिकित्सको को नौकरी देकर आयुर्वेद को बढ़ाया। पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ किया। हर क्षेत्र में इन्होंने ऐसा काम किया जिससे बिहार मॉडल बना और देश के कई प्रांतो ने इनका अनुसरण किया। जेपी सेनानियों को पेंशन देकर उन्होंने उनके जीवन को संवारा। पूर्व मंत्री एवं जदयू के वर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष श्री कुशवाहा ने यह भी कहा कि नितीश बाबू ने जितना काम किया है कार्यकर्ताओं को उसका व्यापक प्रचार प्रसार करना चाहिए, क्योंकि करता कोई है और झूठ की दुनिया में श्रेय कोई और लेने की कोशिश करता है, इसलिए कार्यकर्ताओं को आगे बढ़कर के नितीश बाबू के कार्यो को घर-घर में बताना होगा ताकि विपक्षी गुमराह नहीं कर सके। नीतीश बाबू ने जब भी कोई नया कदम उठाया बिहार के हक में उठाया । बिहार को विशेष राज्य का दर्जा के लिए उनकी लड़ाई लगातार जारी है और बदले हुए राजनीतिक माहौल में हम लोग ऐसी उम्मीद करते हैं कि केंद्र सरकार बिहार को जल्द ही विशेष राज्य का दर्जा देगी। 2025 में विधानसभा का चुनाव एनडीए गठबंधन लड़ेगी और इस बार काम के आधार पर जनता खुलकर वोट देगी। इस बार तो स्थिति ऐसी बनती जा रही है कि नीतीश बाबू एवं भाजपा के पक्ष में बिहार के वोटर बिल्कुल थोक रूप मे वोट देंगे क्योंकि अब वर्तमान समय वोटर बदल चुके हैं उनके अंदर जागरूकता आई है सही को सही और गलत को गलत कहने की उनके अंदर हिम्मत है। नीतीश बाबू ने जो कुछ बिहार के लिए किया है कुछ भी छुपा नहीं है सब कुछ स्पष्ट है सिर्फ इन बातों को सही ढंग से आम जनता को बताने की जरूरत है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पार्टी के सभी प्रदेश पदाधिकारी गण एवं सभी जिला अध्यक्षों की बैठक

संवाददाता

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के मुख्य प्रवक्ता डॉ राजेश भट्ट ने प्रेस को बताया कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक राजू तिवारी की अध्यक्षता में प्रदेश में बाढ़ की स्थिति पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पार्टी के सभी प्रदेश पदाधिकारी गण एवं सभी जिला अध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई ।पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री राजू तिवारी जी ने बैठक में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री चिराग पासवान जी के निर्देश है कि बिहार में जहां-जहां बाढ़ग्रस्त क्षेत्र जहां बाढ़ की स्थिति गंभीर होने की संभावना है या जहां नदियों में जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है, वहां जनमानस का जन जीवन प्रभावित हो रहा है, उन जिलों में पार्टी संगठन के जिला अध्यक्ष, अपने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ता साथियों के साथ स्थानीय समस्याओं के निदान को लेकर प्रखंड पदाधिकारी एवं जिला पदाधिकारी को लिखित रूप से अवगत करायें। और उसकी एक प्रति पार्टी के बिहार प्रदेश कार्यालय को प्रेषित करें ।जिससे प्रदेश कार्यालय राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय चिराग पासवान जी की ओर से बाढ़ को गंभीरता से लेते हुए बिहार के मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार से मिलकर अवगत कराया जा सके, जिससे आम जनमानस को सभी सरकारी सुविधा उपलब्ध कराने में सुविधा हो। इस तरह जिस जिला में सुखाड से लोग त्रस्त हैं, वहां भी पार्टी के जिला अध्यक्ष लिखित रूप से प्रदेश कार्यालय को अवगत कराये। बैठक को संबोधित करते हुए श्री तिवारी ने आगे कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आम जनमानस के लिए संघर्ष करते रहते हैं। बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के संकल्प आगे बढ़ाते रहना है। आज की बैठक में बिहार के सभी जिला अध्यक्ष एवं सभी जिला प्रभारी और सभी प्रदेश पदाधिकारी गण शामिल हुए।

युवाओं को रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देकर अग्रणी बिहार का निर्माण कर रही है एनडीए सरकार : अरविन्द सिंह

संवाददाता

पटना, 16 जुलाई : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि सरकारी नौकरियों से युवाओं के भविष्य संवारने में रिकॉर्ड बना रहा है एनडीए सरकार। आगामी समय में 12 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार। सिपाही भर्ती, दरोगा भर्ती के जरिए और स्वास्थ्य, बिजली, श्रम, जल संसाधन जैसे विभिन्न विभागों में युवाओं को सरकारी नौकरी देने के अपने वादे को पूरा करने का काम कर रही है एनडीए सरकार। 3 लाख से अधिक युवाओं का अगस्त में नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे।

श्री अरविन्द ने कहा कि बिहार में सुरक्षित माहौल देकर आईटी कंपनी एचसीएल और ब्रिटानिया की फूड प्रोसेसिंग यूनिट के जरिए बिहार में निवेश को बढ़ावा देकर उद्योग स्थापना को बढ़ावा दे रही है एनडीए सरकार।वहीं बिहार के हाजीपुर की कंपनी का 'मेड इन बिहार' जूते का रूस तक आयात होना प्रेरणादायक है। दुनिया के सबसे मजबूत सेना में से एक रूसी सेना को बिहार का प्रोडक्ट पहली पसंद भी है। ये गौरवान्वित महसूस कराता है।

ये सार्थक परिणाम आदरणीय पीएम मोदी जी के (मेक इन भारत) और (इंडस्ट्री इन बिहार) के संकल्प को साकार करेगा तथा स्वरोजगार से बिहार के लाखों-लाख कुशल, परिश्रमी और प्रतिभासंपन्न हाथों को काम भी देगा। मैं और भाजपा के तरफ से सकारात्मक बदलाव ला रहे उद्यमी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ। केन्द्र और बिहार की एनडीए सरकार स्वरोजगार लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

लेकिन यह सब विकास के कार्य नौकरी के बदले जमीन लेने वाले लोगों को कहां से दिखाई देगा। जिनके कुशासन के काल में बिहार के प्रतिभाशाली युवा नौकरी और रोजगार के अभाव में जंगलराज के कारण बिहार से पलायन करने को मजबूर हो गए थे। दुसरी ओर राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू यादव जी के जंगलराज के भय के कारण बिहार में कोई निवेश करने को तैयार नहीं था जिसके कारण राजद के शासनकाल में बिहार में उद्योग स्थापित नहीं हो सका और बिहार के विकास का पतन के साथ ही बिहार की युवाओं के प्रतिभा का भी दमन होता रहा था।

बिहार से सारे मेधावी डॉक्टर इंजीनियर व्यापारी दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर अपने को सुरक्षित महसूस करते थे। अपराध और अपराधी बिहार में बेलगाम थे और उनकी शासन चलती थी वही चारा घोटला वाले लोग अब अपराध पर प्रवचन कर रहे हैं। और दूसरी ओर जिस अंबानी, अडानी परिवार को गला फाड़ फाड़ करके कोसते थे श्री लालू प्रसाद और श्री तेजस्वी यादव, अब उनके घर बाल बच्चें समेत पूरा परिवार छक्क कर दावतें उड़ा रहें हैं। अंबानी परिवार के शादी समारोह में लालू परिवार को देखकर शर्म भी शर्मा जाए किस बेशर्मी से फोटो शूट करा रहे थे।

मधुबनी जिला में शांति एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मुहर्रम पर्व मनाने तथा इस अवसर पर विधिव्यवस्था के संधारण को लेकर डीएम-एसपी ने अपने संयुक्त आदेश

संवाददाता
अबु बकर

जिला में शांति एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मुहर्रम पर्व मनाने तथा इस अवसर पर विधिव्यवस्था के संधारण को लेकर डीएम-एसपी ने अपने संयुक्त आदेश के तहत सभी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील 413 स्थानों में 826 दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियो को किया प्रतिनियुक्ति।- जिला नियंत्रण कक्ष शुरू पल-पल की गतिविधियों रखी जा रही कड़ी नजर।-किसी भी प्रकार की सूचना या सहायता के लिए जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 06276-224425 पर करे संपर्क। सोशल मीडिया पर भड़काऊ,भ्रामक एवं अफवाह फैलाने वाले पोस्ट करने वालो को चिन्हित कर होगी करवाई।- सभी प्रखंडों के बीडीओ,सीओ एवम थानाध्यक्ष लगातार सभी महत्वपूर्ण एवम संवेदनशील स्थानो पर भ्रमणशील रहकर विधिव्यवस्था पर रखेंगे कड़ी नजर।-डीएम-एसपी स्वयं भ्रमणशील रहकर विधिव्यवस्था का लेंगे जायजा।जिला साइबर सेल एवं सूचना एवं जनसम्पर्क की सोशल मीडिया टीम को 24घंटे सक्रिय रहकर सोशल

मीडिया पर रख रही है कड़ी नजर, ---असामाजिक एवम उपद्रवी तत्वों के विरुद्ध सख्ती के साथ त्वरित करवाई का निर्देश। जिले में मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ,सौहाद्रपूर्ण एवम भाईचारे के वातावरण में मनाने को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रकार की आवश्यक एवम ऐतिहातन तैयारी की गई है। इस अवसर पर विधिव्यवस्था संधारण को लेकर जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा एवम पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार द्वारा संयुक्त आदेश जारी किया गया है। जिसके तहत जिले के 413 स्थानों पर 826 दंडाधिकारी एवम पुलिस पदाधिकारी के साथ साथ काफी संख्या में पुलिस के जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है। डीएम ने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को ससमय प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंच कर अपने दायित्व का निर्वहन करने का निर्देश दिया है। सभी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर उपस्थित होकर संयुक्त फोटो,जिला प्रशासन के व्हाट्सएप नम्बर पर भेजना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा है कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखें। शांति भंग करने वाले या कानून को हाथ में लेने वाले असमाजिक तत्वों पर तत्काल विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित है। अफवाह फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई करने से जरा भी नही हिचके। सादे लिबास में पुलिसकर्मी शरारती तत्वों पर नजर रखेंगे। सभी पदाधिकारियों को पूरी तरह से चौकस रहने का निर्देश दिया गया है। विधिव्यवस्था संधारण को लेकर वरीय अधिकारियों को जवाबदेही दी गई है,जो सीधे पल -पल की गतिविधियों से जिलाधिकारी को अवगत कराएंगे। सभी प्रखंडों के बीडीओ,सीओ एवम थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया है कि आपस मे समन्वय बनाकर लगातार सभी संवेदनशील एवम महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कर स्थिति पर कड़ी नजर रखेंगे।

BRIEF NEWS

मुखिया के घर व गाड़ी से 1.31 क्विंटल गांजा बरामद

CHAMPARAN : जिला पुलिस को मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान रविवार देर रात बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर गांजा तस्करी में शामिल एक मुखिया को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार तस्कर आदापुर थाना क्षेत्र के बखरी पंचायत का निर्वाचित मुखिया बताया जा रहा है। इसके घर और स्कार्पियो में रखे 1.31 क्विंटल गांजा आदापुर थाना पुलिस व एसएसबी 71वीं बटालियन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बरामद किया है। पुलिस के अनुसार मुखिया के मकान से 11 किलो व स्कार्पियो में लदे 1.21 क्विंटल गांजा जब्त किया गया है। पुलिस मुखिया से पूछताछ कर रही है।

ट्रेन से ग्रामीण विकास अधिकारी का अपहरण

PATNA : सोमवार को ग्रामीण विकास अधिकारी दीपक कुमार पाठक का कोसी एक्सप्रेस ट्रेन से अपहरण हो गया है। वो बरौनी से गया जा रहे थे। फोन से उन्होंने खुद परिवारवालों को अपने अपहरण की सूचना दी। खुसरुपुर स्टेशन की घटना बताई जा रही है। जहां से उनको किडनैप किया गया। ट्रेनिंग में शामिल होने के लिए ट्रेन से जा रहे थे। परिजनों से खुद उन्हें बेगूसराय के हाथीदह से ट्रेन में बैठाया था। लेकिन फिर कुछ घंटे बाद उनके अपहरण की सूचना मिली। आपको बता दें दीपक कुमार शादीशुदा हैं, उनके दो बच्चे हैं। इससे पहले लेखपाल के पद पर कार्यरत थे, फिर बीपीएससी से आरडीओ में उनका चयन हुआ। ट्रेनिंग में शामिल होने के लिए गया जा रहे थे, लेकिन उससे पहले ही उनका अपहरण कर लिया गया।

मटन नहीं पकाया तो पत्नी को मार डाला शराबी पति

MUZAFFARPUR : बिहार के मुजफ्फरपुर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां मटन नहीं बनाने पर पत्नी की हत्या कर दी गई। मामला जिले के बेनीबाद थाना क्षेत्र के कांटा रामनगर गांव का है। घटना के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई, जिसके बाद लोगों ने घटना की जानकारी मृतका के मायके पक्ष और पुलिस को दी। घटना के बाद से ससुराल पक्ष के लोग फरार हैं। महिला की पहचान रिंकी देवी के रूप में हुई है।

पानी भरे गड्ढे से मिले दो नाबालिगों के शव

PATNA : राजधानी पटना के बेऊर थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह पानी भरे गड्ढे से दो बच्चे का शव बरामद हुआ है। ये दोनों बच्चे पिछले दो दिनों से लापता थे। इनके शव मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। आक्रोशित लोगों ने इस घटना के विरोध में सड़क जाम कर दिया। मामले की सूचना मिलने पर पटना पुलिस के सीनियर अधिकारी समेत आस पास के कई थाने की पुलिस भी पहुंची है।

देसी कट्टा की नोक पर परिवार को बनाया बंधक, की मारपीट

सीतामढ़ी में किसान के घर डकैतों ने बोला धावा, ₹11.5 लाख की लूट

AGENCY SITAMARHI : बिहार के सीतामढ़ी में दर्जन भर डकैतों ने किसान के घर में धावा बोलकर करीब 11 लाख रुपये की लूट को अंजाम दिया। इसमें दो लाख रुपये नकद और करीब 9 लाख रुपये के गहनों को लूट हुई है। डकैती के दौरान विरोध करने पर घर के मालिक के छोटे बेटे सुधीर कुमार को कुल्हाड़ी से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घटना के बाद पीड़ित परिवार के घर जुटे ग्रामीण।

यह घटना सीतामढ़ी थाना क्षेत्र के कमलदह गांव के किसान भगवानलाल गुप्ता के घर में हुई है। बंदूक की नोक पर घटना को अंजाम देकर सभी डकैत फरार हो गए। बाद में पुलिस ने सर्च अभियान चलाया मगर किसी भी तरह की सफलता हाथ नहीं लगी। करीब 12 की संख्या में हाथों में देसी कट्टा, कुल्हाड़ी व रॉड लिए देर रात करीब एक बजे किसान के घर में घुसे डकैतों ने सब परिवार को हथियार के बल पर बंधक बनाकर लूटपाट की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। डकैतों के जाने के बाद गृहस्वामी ने स्थानीय पुलिस को सूचित की। इसके बाद दस मिनट के अंदर ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच की। वहीं डकैतों के भागने के दिशा में सर्च अभियान चलाया। हालांकि, पुलिस को कोई सफलता हाथ नही लगी। ग्रामीणों के अनुसार पुलिस को जांच के दौरान गांव के उत्तर मझौलिया सरेह में डकैतों का एक चाकू, एक टॉर्च व एक नकाब मिला। लूट में डकैत अपने साथ बांस की दो सीढ़ी लाये थे। बड़ी सीढ़ी के सहारे घर के पिछले भाग से घर के छत पर चढ़कर सीढ़ी को फिर अंदर खींच लिया। फिर उसी सीढ़ियों के सहारे घर के प्रथम तल्ला से आंगन में प्रवेश कर किया। पीड़ित भगवानलाल गुप्ता ने बताया कि डकैत नेपाली मैथिली भाषा में धमकी देते हुए मारने की धमकी दिया और किसान समेत अन्य परिजनों को बंधक बना लिया। जब उनके छोटे पुत्र सुधीर ने विरोध किया तो कुल्हाड़ी से मारकर घायल कर दिया। उसके बाद कमरे में रखे गोदरेज से दो लाख रुपए नगद और करीब साढ़े 9 लाख रुपए मूल्य के गहने लूट लिया। घटना को अंजाम देने के बाद सभी डकैत मझौलिया सरेह की ओर भाग गए। इस घटना में गुप्तवा गैंग के शागिर्दों के संलिप्त होने की बात भी कही जा रही है।

सिवान में बाप-बेटे पर 5 राउंड फायरिंग, बेटे की मौत

SIWAN : बिहार में एक बार फिर से अपराधियों का तांडव शुरू हो गया है। प्रतिदिन जिलों से गोलबारी की घटनाएं सामने आ रही है। ताजा मामला सिवान जिले से सामने आया है। जहां जमीन को लेकर हुए विवाद में फायरिंग कर दी गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि एक घायल हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार, शहर के मखदूम सराय थाना क्षेत्र के केजीएन कॉलोनी निवासी सादू मिया एवं उनके पिता एक जमीन मामले को लेकर दरौली थाना क्षेत्र के कनाइला गांव अपने नानी के यहां गए थे। जहां जमीन को लेकर दो पक्षों में बातचीत हो रही थी। आरोप है कि तभी एक पक्ष के आरोपी मनव्वर अंसारी उर्फ गोलू अंसारी सामने से बंदूक लेकर आया और ताबड़तोड़ गोलीबारी करने लगा, जिसमें दो लोगों को गोली लग गई। दोनों गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गए। मृतक की पहचान सीवान शहर के मखदूम सराय के केजीएन कॉलोनी निवासी सादू मिया के रूप में हुई है। वहीं, उसके पिता वसिहर अंसारी मिया गंभीर रूप से घायल है।

बीएसएफ ने तीन बांग्लादेशी घुसपैठियों को किया गिरफ्तार

बीएसएफ की गिरफ्त में बंग्लादेशी।

AGENCY KISHANGUNJ : भारत-बांग्लादेश सीमा पर तारबंदी के बावजूद अवैध तरीके से भारत में घुसपैठ की कोशिश बांग्लादेशी घुसपैठियों की तरफ से लगातार किया जा रहा है। इस क्रम में सोमवार अहले सुबह तीन बांग्लादेशी घुसपैठिए को बीएसएफ के जवानों ने अवैध तरीके से भारतीय सीमा से बंग्लादेश की सीमा में प्रवेश कर रहे तीन बंग्लादेशियों को गिरफ्तार कर लिया। किशनगंज सेक्टर के तहत 72वीं बटालियन बीएसएफ के बीओपी बोर्रा के सतर्क जवानों ने तीनों को उस वक्त गिरफ्तार किया जब वो भारतीय सीमा से बांग्लादेश में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार लोगो से जब पूछताछ की गई तो तीनो बांग्लादेशी नागरिक निकले। बीएसएफ महानिरीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि तीनों घुसपैठिए की पहचान रोबीउल पिता-अब्दुल रहीम, ग्राम-धुकुरिया, थाना-हरिपुर, जिला-ठाकुरगांव (बांग्लादेश), मो. फरीद पिता-अकबर अली, गांव-अमरगांवजामुन, थाना-हरिपुर, जिला-ठाकुरगांव बांग्लादेश और मो. सैमुल पिता-मो. शाह जमाल, गांव-अमजागांव खानपुर, थाना-हरिपुर, जिला- ठाकुरगांव बांग्लादेश के रूप में हुई है।

मुहर्रम से पहले गोपालगंज में पुलिस ने जब्त किया हथियार का जखीरा

AGENCY GOPALGUNJ : मुहर्रम से पहले गोपालगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने घातक हथियार बेचने वाली दुकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में हथियार जब्त किए हैं। नगर थाने की पुलिस ने थाना रोड में यह कार्रवाई की है। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर हथुआ, मीरगंज, मांझा, कटेया थाने समेत पूरे जिले की पुलिस इस समय छापेमारी कर रही है। पुलिस को इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है।

एसपी स्वर्ण प्रभात।

फिलिस्तीन का झंडा लहराने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

मुहर्रम को लेकर जिला प्रशासन के आदेश के अनुसार, त्योहार के दौरान घातक हथियार लेकर नहीं चलना चाहिए। इस संबंध में एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा है कि मुहर्रम जुलूस में फिलिस्तीन का झंडा लहराने या किसी धर्म विशेष के समर्थन में नारे लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि डीजे और घातक हथियारों के प्रदर्शन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

मांझा थाने की पुलिस ने भी मोहर्रम जुलूस से पहले धर्मपरसा बाजार में छापेमारी कर पांच धारदार हथियार जब्त किए हैं। मांझा थानेदार संग्राम सिंह को सूचना मिली थी कि कुछ लोग घातक हथियार लेकर घूम रहे हैं। जिसके बाद उन्होंने धर्मपरसा में छापेमारी कर पांच घातक हथियार, भाला और तलवार जब्त किए हैं। थानेदार ने बताया कि मोहर्रम को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

थाना प्रभारी संग्राम सिंह ने बताया कि मुहर्रम को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। उन्होंने बताया कि जुलूस में किसी भी तरह का घातक हथियार लेकर चलना और दूसरे देश का झंडा फहराना प्रतिबंधित है। पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी ने बताया कि मुहर्रम को लेकर निकाली गई सभी जुलूस की वीडियोग्राफी की जाएगी तथा ड्रोन से भी निगरानी रखी जाएगी। जुलूस में डीजे, घातक अस्त्र-शस्त्र, फिलिस्तीन का झंडा इत्यादि पर पूर्ण प्रतिबंध है। लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा लाइसेंस धारियों के ऊपर भी कार्रवाई की जाएगी।

मणिपुर में शहीद हुए बिहार के लाल का पार्थिव शरीर विमान से आएगा पटना

PATNA : मणिपुर के जिरीबाम जिले के मोंगबुंग गांव में कुकी उग्रवादियों के हमले में बिहार के मधुबनी जिले के मदनपुर प्रखंड के बांकीपुर गांव निवासी सीआरपीएफ जवान अजय कुमार झा का बलिदान हो गया। आज शहीद के पार्थिव शरीर को विशेष विमान से पटना लाया जाएगा।एयरपोर्ट से सीधे शहीद के पार्थिव शरीर को सड़क मार्ग से उनके पैतृक गांव ले जाया जाएगा। शहीद के माता-पिता मधुबनी गांव में रहते हैं जबकि उनके बच्चे एवं पत्नी मुजफ्फरपुर स्थित सीआरपीएफ कैंप में ही रहती हैं। जवान के परिजन से मिली जानकारी के अनुसार, अजय कुमार झा जल्दी ही गांव आने वाले थे लेकिन ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था। सीआरपीएफ जवान अजय मणिपुर के जिरीबाम जिले के मोंगबुंग गांव में कुकी उग्रवादियों के हमले में बलिदान हो गए।

पूर्व मंत्री समेत पांच अरेस्ट, वाहन से 57 गोलियां और राइफल बरामद

AGENCY BUXER : बिहार में बाहुबल एक बार फिर सिर उठाने लगा है। बक्सर में हथियार के बल पर विवाद सुलझाने आये एक पूर्व विधायक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बिहार के पूर्व मंत्री सह राजपुर के पूर्व विधायक छेदी राम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके साथ पूर्व मुखिया संजय राम समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बक्सर पुलिस ने पूर्व मंत्री को उनके चार अन्य सहयोगियों के साथ राजपुर के बसंतपुर छावनी से अरेस्ट किया है। उनके पास से दो राइफल और 57 कारतूस के अलावा एक खोखा और एक स्कॉर्पियो को भी पुलिस ने जब्त किया है। जानकारी के मुताबिक, बक्सर पुलिस ने जमीन कब्जा करने के

पुलिस गिरफ्त में पूर्व मंत्री छेदी राम व अन्य।

आरोप पर यह कार्रवाई की है। पूर्व मंत्री छेदी राम अपने कुछ लोगों के साथ विवादित जमीन पर कब्जा करने के लिए पहुंचे थे। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। घटना की प्राथमिकी करते हुए पुलिस जैसे ही घटनास्थल पर पहुंची तो पुलिस को देखते ही एक स्कॉर्पियो पर सवार कुछ लोग भागते नजर आए। करीब 10 किमी पीछा करने के बाद स्कॉर्पियो को पकड़ लिया गया। गाड़ी की तलाशी में दो राइफल और 57 कारतूस के अलावा एक खोखा बरामद किया गया। इस मामले में गाड़ी पर सवार पूर्व मंत्री सह राजपुर के पूर्व विधायक छेदी राम, पूर्व मुखिया संजय राम के अलावा पूर्व मंत्री के दो बॉडीगार्ड समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार करते हुए गाड़ी को जब्त कर लिया गया।

पति की मौत के चंद मिनट बाद ही पत्नी ने तोड़ा दम

AGENCY SAMASTIPUR : बिहार के समस्तीपुर में एक अटूट प्रेम कहानी देखने को मिली है. जहां मोहिउद्दी नगर में पति की मौत के महज कुछ मिनट के बाद ही पत्नी ने भी दम तोड़ दिया। मामला जिले के मोहिउद्दी नगर थाना अंतर्गत अन्दौर गांव का है।

मौत के बाद दोनों बुजुर्ग की एक साथ अर्थी उठी। एक ही दिन माता-पिता की मौत से बच्चे दुखी तो हैं लेकिन सुकून इस बात की है कि दोनों को मौत भी जुदा नहीं कर पाई। पति के बाद पत्नी ने भी तोड़ा दमः मोहिउद्दी नगर थाना क्षेत्र के अंदौर गांव में रहने वाले 75 वर्षीय परमानंद प्रसाद की मौत हार्ट अटैक से हो गई। वहीं उनकी मौत के महज कुछ देर बाद उनकी 70 वर्षीय पत्नी सुशीला देवी ने भी दम तोड़ दिया। मौत की ऐसी खबर सुनकर

मृतक के दरवाजे पर लोगों की भीड़ जुट गई। सभी हर तरफ इस बुजुर्ग दंपती की मौत को लेकर चर्चा कर रहे हैं। अटूट प्रेम की अलग कहानीः मृतक के करीबी रिश्तेदार सुकल प्रसाद के मुताबिक जिंदा रहते दोनो में अटूट प्रेम था, मौत तक इस बुजुर्ग दंपती का प्यार कायम रहा। उन्होंने बताया कि रविवार की देर शाम दोनों की अर्थी घर से एक साथ उठाई गई। जिसे देखने के लिए आसपास के लगों की भीड़ जमा हो गई। सभी इस प्रेमी जोड़े के प्यार की मिसाल दे रहे हैं।

निर्माणाधीन पुल का डायवर्सन बहा, कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क भंग

AGENCY AURANGABAD : बिहार के औरंगाबाद में निर्माणाधीन पुल का डायवर्सन बह गया। डायवर्सन के टूटने के कारण सोमवार को इस इलाके के कई गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से भंग हो गया है। डायवर्सन के पानी में बहने के बाद इलाके के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।देव प्रखंड के चट्टी बाजार स्थित अंबा-देव रोड में पुल का निर्माण कराया जा रहा है। आवागमन बाधित न हो इसको लेकर पुल के बगल में डायवर्सन बनाया गया है। पानी के तेज बहाव के कारण डायवर्सन पानी में बह गया और कई गांवों को संपर्क भंग हो गया है। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य में लगे एजेंसी के ऊपर लापरवाही का आरोप लगाया है। लोगों का कहना है कि निर्माण एजेंसी और ठेकेदार की

मिलीभगत से सरकार के पैसों का बंदरबांट किया जा रहा है। समाजसेवी संजीव कुशवाहा का कहना है कि अंबा से देव और बालूगंज से देव जाने के लिए यह एकमात्र सड़क है। अंबा-देव रोड में पुल का निर्माण कराया जा रहा है। इसकी वजह से यहां डायवर्सन बनाया गया था लेकिन तेज बारिश में यह बह गया। ऐसे में आवागमन तो बाधित हुआ ही है। साथ ही कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क भी टूट गया है। बताया कि अभी पुल निर्माण कार्य पूरा होने में काफी समय लगेगा। ऐसे में आवागमन सुचारु करने के लिए फिर से डायवर्सन बनवाने की जरूरत है। उन्होंने प्रशासन से डायवर्सन बनाने की मांग की है।

साइबर गैंग का मास्टरमाइंड नालंदा से हुआ गिरफ्तार

AGENCY MUZAFFARPUR : बिहार समेत कई राज्यों में साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोह के सरगना नालंदा जिले के हिलसा निवासी नीरज कुमार को मुजफ्फरपुर साइबर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसे रविवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। साइबर थाना में तैनात इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार ने रेकी करने के बाद नीरज को नालंदा से गिरफ्तार किया। जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र पुलिस की टीम कई बार उसकी तलाश में छापेमारी कर चुकी थी, लेकिन वह हर बार चकमा देकर फरार हो जा रहा था। नीरज ने अपने गिरोह में कई इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों को भी जोड़ रखा है। गिरोह से जुड़े एमआईटी छात्र गया निवासी फैजान अली, अरवल इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र राजकुमार और

- इंजीनियरिंग का छात्र है हिलसा निवासी नीरज कुमार
- मुजफ्फरपुर साइबर पुलिस को मिली कामयाबी

उसके साथी आकाश कुमार को नगर थाना के चतुर्भुज स्थान चौक स्थित सीएसपी से फ्रॉड की राशि निकासी का प्रयास करते हुए 23 दिसंबर 2023 को पकड़ा गया था। बिहार समेत कई राज्यों में साइबर फ्रॉड करने वाले गिरोह के सरगना नीरज कुमार से जुड़कर एमआईटी और अरवल इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र भी साइबर फ्रॉड करते थे।

पीएम उच्च शिक्षा अभियान को बिहार में लागू करने के प्रस्ताव को कैबिनेट की मंजूरी

600 करोड़ रुपये देगी मोदी सरकार

AGENCY PATNA : प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा अभियान (पीएम उषा) को बिहार में लागू करने के प्रस्ताव को नीतीश कुमार कैबिनेट की मंजूरी के साथ ही राज्य को उच्च शिक्षा के विकास में केंद्र से अगले दो सालों में 600 करोड़ रुपए मिलने का रास्ता साफ हो गया है। पीएम उषा को राष्ट्रीय स्तर पर जून, 2023 में ही शुरू किया गया था लेकिन इसे बिहार में अब स्वीकृति मिली है। पीएम उषा के तहत राज्य के विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों में आधारभूत संरचना, शिक्षण व्यवस्था, शोध, प्रशिक्षण आदि के विकास के लिए आर्थिक मदद मिलेगी। इसके तहत खर्च की राशि में केंद्र और राज्य का हिस्सा 60 और 40 फीसदी के अनुपात में होगा। पीएम उषा के तहत राज्य सरकार को राष्ट्रीय

शिक्षा नीति, 2020 के प्रावधानों को लागू करना है। उच्च शिक्षा के संस्थानों में आधारभूत संरचना के विकास, परीक्षा प्रणाली में सुधार आदि पीएम उषा के मुख्य उद्देश्य हैं। राज्यों में रोजगार क्षमता बढ़ाना भी इस अभियान का मकसद है। उच्च शिक्षा के विकास के लिए राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) को नये रूप में जून, 2023 में पीएम उषा के नाम से लागू किया गया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत रूसा की जगह पीएम उषा लागू हुआ है। अभियान के लिए राज्यों में राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद का गठन किया गया है। परिषद के माध्यम से रूसा के तहत राज्यों को आर्थिक मदद मिल रही थी। रूसा का दूसरा चरण 2018 में लागू हुआ। इन दोनों चरणों में मिलने वाली राशि में बिहार का 62 करोड़ का हिस्सा बकाया है। उषा कार्यक्रम लागू नहीं होने के कारण यह बकाया राशि केंद्र से नहीं मिल रही थी। बिहार सरकार अब बकाया राशि की मांग राज्य उच्च शिक्षा परिषद के माध्यम से करेगी। पीएम उषा विभिन्न राज्यों में वित्तीय वर्ष 2023-24 में ही लागू हो गया था। बिहार में यह देरी से इस साल लागू हो रहा है। योजना के तहत बिहार के 19 जिलों के कॉलेजों को विशेष मदद मिलेगी। पीएम उषा के तहत बिहार के 19 जिलों के कॉलेजों को मदद का प्रस्ताव है। इन जिलों में मधेपुरा, गया, किशनगंज, पूर्णियां, जमुई, औरंगाबाद, मुंगेर, लखीसराय, खगड़िया, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, सीतामढ़ी, सुपौल और अररिया शामिल हैं।

मुस्लिम समाज को लालू व तेजस्वी यादव पर नहीं है भरोसा :नीरज कुमार

PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के प्रदेश प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा है कि मुस्लिम समाज ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर भरोसा नहीं किया। पूर्णिया जिले की रुपौली विधानसभा सीट पर उप-चुनाव में राजद उम्मीदवार बीमा भारती की करारी हार को लेकर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए जेडीयू प्रवक्ता ने कहा कि रुपौली के आंकड़े बताते हैं कि मुस्लिम समाज ने राजद नेतृत्व पर भरोसा नहीं किया है। रुपौली सीट पर 10 जुलाई को हुए उप-चुनाव में चिराग पासवान की लोजपा-रामविलास के बागी और बाहुबली शंकर सिंह ने निर्दलीय जीत दर्ज की है। जेडीयू के कलाधर मंडल दूसरे और राजद की बीमा भारती तीसरे नंबर पर रहीं।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना अभी संभव नहीं : मांझी

AGENCY JAHANABAD : जेडीयू के सहयोग से केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। इस बीच पार्टी ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की अपनी चिर प्रतीक्षित मांग को तेज कर दिया है। पिछले दिनों नीतीश सरकार के मंत्री विजय चौधरी, अशोक चौधरी और श्रवण कुमार समेत कई नेता इसे लेकर भी मुहिम चला रहे हैं। दिल्ली में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज को लेकर प्रस्ताव पास किया गया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इसका समर्थन किया है। इस बीच केन्द्रीय सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री एवं हम पार्टी के सुप्रीमो जीतन राम मांझी ने ऐसा बयान दिया है जो जदयू की मुहिम

- विकास के लिए जो भी जरूरत होगी, उसे सरकार पूरा करेगी : जीतनराम

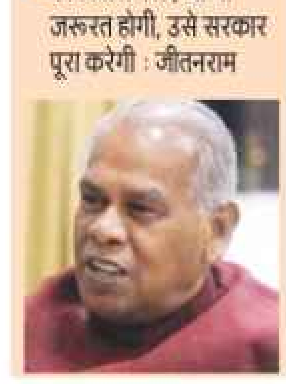

को हतोत्साहित करने वाला है। उन्होंने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा मिलना संभव नहीं है जहानाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए जीतनराम मांझी ने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा देना या नहीं देना नीति आयोग तय करता है। जो राज्य कमजोर हैं, उन राज्य को मजबूत बनाने के लिए एनडीए सरकार द्वारा विशेष व्यवस्था की जाएगी। लेकिन बिहार जैसे प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा मिलना संभव नहीं है। विकास के लिए जो भी जरूरत होगी उसे सरकार पूरा करेगी। कई राज्य विशेष राज्य का दर्जा की मांग उठा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने साफ कर दिया कि ऐसे में किसी एक राज्य को विशेष राज्य का दर्जा देना संभव नहीं है। इससे पहले हाजीपुर में एक कार्यक्रम में पहुंचे मांझी ने यहां तक कह दिया कि विशेष दर्जे की मांग करना पत्थर पर सिर पटकने जैसा है। इसकी मांग करने वालों के लिए कहा कि ये ठीक नहीं है। विशेष राज्य के दर्जे की मांग बेमानी है। मांझी ने कहा किया कि नीति आयोग ने ये साफ कर दिया है।

मानसून के मौसम में इन हैक्स की मदद से करें सफाई
क्लीन और स्मेल फ्री रहेगा घर

सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में घर की सफाई रखनी जरूरी होती है। खासतौर इसकी जरूरत बारिश में ज्यादा हो जाती है क्योंकि इस दौरान नमी की वजह घर से स्मेल आने लगती है।

मानसून और बारिश में घर को साफ-सुथरा रखना किसी चैलेंज से कम नहीं होता। बारिश के कारण घर में 24 घंटे नमी बनी रहती है जिसकी वजह से लकड़ी के फर्नीचर और कपड़ों में स्मेल और दीमक लगने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं बाहर से आने पर घर में पानी के साथ-साथ कीचड़-मिट्टी हो जाता है। हालांकि सही क्लीनिंग हैक्स की मदद से इससे निजात पा सकती हैं। इन हैक्स को अपनाकर आप कम मेहनत में अपने घर को क्लीन और स्मेल फ्री रख सकती हैं।

बारिश में घर को साफ करने के लिए अपनाएं ये हैक्स

आमतौर पर बारिश के मौसम में सफाई का काम कई गुना बढ़ जाता है। इस समय कम धूप और ज्यादातर बारिश होती रहती है जिसके कारण से सीलन और चिपचिपाहट बनी रहती है। बेशक ही तेज हवा और बारिश गर्मी से आराम दिलाता है लेकिन काम बढ़ा देता है। इस दौरान न सिर्फ कीचड़ घर के अंदर आता है बल्कि कीड़े-मकोड़े भी बढ़ जाते हैं।

पानी सोखने वाले डोरमैट का करें इस्तेमाल

डोरमैट का इस्तेमाल हम सभी पैरों और जूतों पर लगी मिट्टी को साफ करने के लिए करते है। इस मौसम में घर के दरवाजे पर ऐसा डोरमैट बिछाए जो पानी और गंदगी को आसानी से सोख लें। आज के समय लोग बाजार में मिलने वाले फैशनेबल मैट का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें पानी और गंदगी को साफ करना आसान तो होता है लेकिन इन्हें साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। बारिश में हल्का और नमी सोखने वाला डोरमैट इस्तेमाल करें। आप चाहें तो इसे घर पर पुराने कपड़े की मदद से बना सकती हैं। पायदान को दूसरे व तीसरे दिन में धोकर सुखा दें।

घर के अंदर आने वाले पानी को रोके

बारिश में घरों में सीलन आने की समस्या काफी आम बात है। लेकिन इससे होने वाली दिक्कत हर किसी को परेशान करती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले सीलन की समस्या का उपाय खोज लें। इसके लिए घर में बनी नालियों को साफ करें। दीवारों पर वाटरप्रूफ पेंट करें। दरार वाली जगहों को चेक कर सही कराएं।

अलमारी को बारिश से पहले करें साफ

वैसे तो हर मौसम में अपनी अलमारी को साफ करना जरूरी है। लेकिन अगर आपने अलमारी को दीवार से चिपकाकर रखा है तो उसकी नमी कपड़ों तक पहुंच जाती है। ऐसे में बारिश शुरू होने से पहले अलमारी को दीवार से हटाएं। इसके बाद अलमारी के अंदर बनी रैक पर पेपर बिछाकर कपड़ों को सही से व्यवस्थित करें। नमी आने के कारण अक्सर कपड़े बदबू करने लगते हैं। ऐसे में आप कपूर, दालचीनी और नीम की पत्तियों को बांधकर इसके बीच में रखें। ये सामग्री नमी को सोखने का काम कर उन्हें सुरक्षित रखता है।

मानसून में घर की दीवारों में आ जाती है नमी, तो आज से ही करें ये काम

मानसून आते ही मौसम में ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है, जिसके कारण घर की दीवारों का पेंट फूलने लगता है। इससे न सिर्फ दीवारें खराब होती है बल्कि इससे सटाकर रखी गई सामान भी बेकार हो जाती है।

मानसून का मौसम जल्द ही दस्तक देने वाला है। ऐसे में मौसम तो काफी सुहाना रहता है लेकिन इस दौरान अक्सर घरों में सीलन आने लगती है। दीवार पर मौजूद नमी धीरे-धीरे इससे सटे हुए सामान जैसे अलमारी, बेड आदि को खराब कर देता है। दरअसल, बारिश के मौसम में नमी का स्तर काफी बढ़ जाता है। ऐसे में घर की दीवारों को खास देखभाल करने की जरूरत होती है। ह्यूमिडिटी बढ़ने के कारण वॉल पर फफूंद के निशान और अजीब से दुर्गंध आने लगती है। अगर आप इस मानसून घर की दीवारों को खराब होने से बचाना चाहती है तो आज ही कर लें ये काम।

वाटरप्रूफ पेंट का करें इस्तेमाल

घर को सुंदर दिखाने में पेंट का अहम रोल होता है। ऐसे में पेंट करवाते समय वाटरप्रूफ कलर का इस्तेमाल करें। इस तरह से आप एक साथ दो काम कर सकते हैं पहला घर लंबे समय तक सुंदर और दूसरा बरसात से घर को सुरक्षित।

प्लम्बर से नल को कराएं चेक

घर में लगे पानी के टैप को समय-समय पर चेक करें। बारिश का पानी के बजाय कई बार पाइप कनेक्शन से रिसने वाले पानी के कारण दीवार में नमी आती है। ऐसे में दीवार में आने वाली नमी के कारण पेंट फूल कर गिरने लगता है, जिससे गंदगी और स्मेल दोनों बढ़ जाती है।

वेंटिलेशन का रखें ध्यान

बारिश होने के बाद घर की खिड़कियों को जरूर खोल दें। हल्की धूप निकलने पर घर के कपड़े से लेकर मैट परदे आदि को धूप दिखाएं। वेंटिलेशन का खास ख्याल रखें ऐसा करने से आप दीवारों को नमी से कुछ हद तक बचा सकते हैं।

पानी को निकलने वाली जगह को रखें क्लीन

घर में जहां पर पानी निकलने का सोर्स है उस जगह को हमेशा साफ रखें। कई बार नाली में जमी गंदगी व कचरे के कारण बारिश का पानी आसानी से बाहर नहीं निकल पाता। पानी एकत्र होने के कारण दीवार की मदद से वह ऊपर चढ़ने लगता है।

बरसाती कीड़ों से पाना है छुटकारा तो ऐसे करें घर की सफाई

बारिश के मौसम में बरसाती कीड़े के साथ ही घर में चींटी और काकरोच जैसी चीजें भी आने लगती है। ऐसे में अगर घर में छोटे बच्चे हैं तो आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। बारिश के मौसम में घर की सफाई करने के लिए आपको कुछ आसान हैक्स की मदद लेनी चाहिए।

दरार और छेद को बंद करें

घर की दीवारों, दरवाजों और खिड़कियों में मौजूद दरारों और छेदों को सीलेंट या प्लास्टर से बंद करें ताकि कीड़े घर के अंदर न आ सकें। ध्यान रखें कि मानसून के दिनों में घर की सफाई सही तरीके से करना चाहिए।

कूड़ेदान को साफ रखें

कूड़ेदान को रोजाना साफ करना चाहिए। अगर आप डेली कूड़ेदान को साफ नहीं करती है तो उसमें कीड़े लगने लगते है। कचरे को समय-समय पर बाहर निकाले। साथ ही आपको कूड़ेदान को भी धोते रहना चाहिए।

घर में जाली लगाएं

खिड़कियों और दरवाजों पर मानसून के महीने में जाली लगाएं ताकि कीड़े अंदर न आ सकें। साथ ही आपको रोजाना अपने घर को शाम के समय पोछा लगाना होगा।

गंदे बर्तन न छोड़ें

खाना खाने के बाद बर्तनों को तुरंत साफ करें। गंदे बर्तन लंबे समय तक छोड़ने के कारण बर्तन में कीड़े लगने लगते है। ऐसे में आपको ध्यान रखना है कि रात के समय भूलकर भी बर्तन को बेसिन में ना छोड़ें।

बरसात में आपका घर न लगे अस्त-व्यस्त, इसलिए उसे इस तरह से करें व्यवस्थित

मानसून अपने साथ राहत लेकर आता है, यह तो हमको मालूम ही है। मगर आपने ध्यान दिया होगा कि अक्सर बारिश होने की वजह से चीजें अस्त-व्यस्त रहती हैं। घरों में सीलन आदि होने लगती है और इसी के कारण बदबू भी होने लगती है।

जरूरी है कि मानसून में आप अपने साथ-साथ घर का भी पूरा ख्याल रखें। अपने घर को मेंटेन रखने के लिए आप क्या-क्या तरीके अपना सकती हैं, इसके बारे में आपने सोचा है? अगर नहीं, तो हम ऐसे ही कुछ खास तरीके आपको बताने वाले है, जिसके साथ आप अपने घर को व्यवस्थित कर सकती हैं और मानसून की टेंशन से दूर हो सकती हैं।

खुशबू का रखें ख्याल

मानसुन के कारण घरों में से एक अजीब से महक आना शुरू हो जाती है। वह दीवारों के गीले होने के कारण होती है। ऐसे में कभी आपके घर कोई मेहमान आ जाए तो आपको कितनी फजीहत होगी। ऐसा न हो इसके लिए हमेशा नियमित रूप से घर की साफ-सफाई करें। इसके अलावा अपने लिविंग रूम में एक पोटपोरी रखें, जिसमें एसेंशियल ऑयल डाला जाता है। इससे आपके कमरे खुशबू से महकते रहेंगे और गंदी बदबू से आपको छुटकारा मिलेगा।

इंडोर प्लांट्स लगाएं

अब इंडोर प्लांट्स तो आपके घर में होंगे ही, लेकिन ऐसे मौसम में उन पौधों को घर पर रखें, जो घर से ह्यूमिडिटी हटा सकें। साथ ही ऐसे पौधे भी लाएं, जो कम सनलाइट में भी बढ़ सकें। अगर किसी विशेष एरिया पर ज्यादा पौधे हैं, तो उन्हें हटाकर बालकनी की तरफ ले जाएं। मानसून में पौधों पर जल्दी कीड़े लगते हैं, इसका भी ध्यान रखें और उनकी देखभाल अच्छे से करें।

कारपेट्स को करें क्लीन

मानसून में सबसे ज्यादा गंदगी आपके कालीन पर होती है। ये जल्दी नम हो जाते हैं और उनमें धूल-मिट्टी भी चिपक जाती है। इस कारण कमरे में से गंदी बदबू आने लगती है। इसे हटाने के लिए कार्पेट को रोजाना वैक्यूम क्लीनर से क्लीन करें। हफ्ते में दो बार कार्पेट की डीप क्लीनिंग करें। वहीं, ऐसा बार-बार करना न चाहते हों, तो इस मौसम में कारपेट बिछाने से बचें। यह आप आपका वक्त भी बचाएगा और घर में गंदगी भी नहीं होगी।

लकड़ी के फर्नीचर का रखें खास ख्याल

हम सब जानते हैं कि मानसून में लकड़ी के फर्नीचर कितनी जल्दी खराब होते हैं। नमी के कारण लकड़ी फूल जाती है और दीमक की समस्या भी उत्पन्न होती है। इससे अपने फर्नीचर को बचाने के लिए नियमित रूप से वैक्सिंग का सहारा लें। अगर आपके दरवाजे, खिड़कियां फूली हुई लगें, तो सैंडपेपर की मदद से उन्हें साफ करें। ऐसे मौसम में किसी तरह का रेनोवेशन करवाने से भी बचना चाहिए। यह चीजों को और अस्त-व्यस्त कर सकता है।

किताबों की जगह बदलें

अगर आपके घर में सामान से ज्यादा किताबें रहती है, तो इस मौसम में उनका भी ख्याल रखें। अपने बुक शेल्फ को ऐसी जगहों से दूर कर दें, जहां नमी जल्दी पकड़ी हो। साथी ही उनके बीच कपूर की गोलियां डालना न भूलें। आप किताबों की आलमारी में सिलिका जेल के पाउच भी रख सकते हैं। इससे मॉइश्चर में कमी आती है और यह आसानी से बाजारों में उपलब्ध भी हो जाते हैं। इतना ही नहीं, घर की वायरिंग का भी खास ख्याल देना जरूरी है। मानसून में फ्लक्चुएशन बहुत होती है। शॉर्ट सर्किट न हो इसके लिए अपनी वायरिंग की जांच भी करवाएं।

लुक चेंज करने के लिए पहनें माहेश्वरी साड़ी

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन यह तभी अच्छी लगती हैं, जब आप सही कलर और डिजाइन को इवेंट के हिसाब से वियर करते हैं।

साड़ी स्टाइल करना हम सभी को पसंद होता है। इसलिए जब भी साड़ी किसी खास दिन पर पहनने की बात आती है तो हम अलग-अलग डिजाइन ऑप्शन को सर्च करते हैं, ताकि सबसे अलग नजर आ सके। वहीं कई सारे लोग ऐसे होते है, जो इवेंट के हिसाब से साड़ी खरीदते हैं। वहीं कुछ फैब्रिक देखकर उन्हें खरीदना और पहनना पसंद करते हैं। अगर आपको भी कुछ नए फैब्रिक को ट्राई करना है तो आप इसके लिए मध्य प्रदेश की फेमस माहेश्वरी साड़ी को वियर कर सकती हैं। यह सिल्क फैब्रिक से तैयार की जाती है। साथ ही, पहनने में कंफर्टेबल होती है।

माहेश्वरी गोल्डन जरी वर्क साड़ी

साड़ी डिजाइन में आप गोल्डन वर्क वाली जरी वाले पैटर्न को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी सॉफ्ट कपड़े से बनाई जाती है। इसलिए, इसे पहनना आसान होता है। वहीं इसमें जो वर्क किया जाता है वो बॉर्डर और पल्लू पर किया जाता है। इससे साड़ी और अच्छी लगती है। इसे हैवी टच देने के लिए छोटी-छोटी बूटी के डिजाइन को पूरी साड़ी में डिजाइन किया जाता है। साड़ी सिंपल भी लगती है। लेकिन जब एक्सेसरीज के साथ वियर की जाती है तो हैवी लुक देती है। आप इसे किसी भी इवेंट पर वियर कर सकती हैं। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी।

बाटिक प्रिंट साड़ी डिजाइन

साड़ी स्टाइल करना पसंद है, तो आप बाटिक प्रिंट साड़ी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी दिखने में सुंदर लगती है। साथ ही, कॉटन साड़ी जैसा लुक देती है। आप इस तरह की साड़ी को ऑफिस या डे पार्टी में अच्छी एक्सेसरीज के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आप सबसे अलग नजर आएंगी। इसमें आपको प्रिंट और डिजाइन अलग-अलग मिल जाएंगे, जिससे आपका लुक अच्छा लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 500 रुपये में मिल जाएगी।

कॉटन सिल्क माहेश्वरी साड़ी

आप फोटो में नजर आने वाली कॉटन माहेश्वरी सिल्क साड़ी को भी वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी डिजाइन डिफरेंट होते हैं। साथ ही, स्टाइल करने के बाद अच्छे लगते है। इसमें आपको डबल कलर के साथ बॉर्डर मिलेगा। साथ में गोल्डन जरी वर्क डिजाइन का पैटर्न मिलेगा। इससे साड़ी क्लासी नजर आएगी। आप इस साड़ी को किसी भी फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक अलग और सुंदर लगेगा। मार्केट में इस तरह की साड़ी आपको 1,000 से 2,000 रुपये में मिल जाएगी। मार्केट जाकर इस बार सिल्क या कॉटन नहीं बल्कि माहेश्वरी साड़ी को वियर करें। इसमें आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही आपको कुछ नया ट्राई करने को मिलेगा।

राज्यसभा में घटी भाजपा की ताकत, पर एक साथ मिलेंगी 8 सीटें?

नईदिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा से 4 मनोनीत सदस्य शनिवार को रिटायर हो गए। ये सभी सदस्य भाजपा के कोटे से थे और इनके सदन से विदा होने के साथ ही उसकी संख्या 86 ही रह गई है। एनडीए को मिलाकर देखें तो यह संख्या 101 है। हालांकि भाजपा को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में उसकी संख्या में इजाफा होगा। फिलहाल राज्यसभा में 19 सीटें खाली हैं और मौजूदा सदस्यों की संख्या 226 है। 19 सीटों में से 4 सीटें जम्मू-कश्मीर की हैं, जहां विधानसभा चुनाव होने के बाद ही राज्यसभा के इलेक्शन होंगे। इसके अलावा 4 सीटें नामित सदस्यों की खाली हैं। वहीं 11 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होना है, जो महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना, हरियाणा, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा और असम जैसे राज्यों की हैं।

मौजूदा समीकरणों के अनुसार इन 11 सीटों में से 8 पर एनडीए आसानी से जीत हासिल कर सकता है। इस तरह कुल संख्या 86 तक पहुंच जाएगी। इन 11 में से 10 राज्यसभा सीटें पिछले महीने ही खाली हुई हैं क्योंकि कई सदस्यों ने लोकसभा का चुनाव लड़ा था

और जीतने के बाद उच्च सदन से इस्तीफा दे दिया था। इनमें पीयूष गोयल और भूपेंद्र यादव जैसे नेता भी शामिल हैं। इसके अलावा एक सीट बीआरएस के राज्यसभा सांसद रहे के. केशव राव के इस्तीफे से खाली हुई है। वह अब कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। इस तरह आने वाले महीनों में एनडीए को 8 सीटों पर जीत मिलने के आसार हैं।

वहीं तीन सीटें विपक्षी INDIA गठबंधन को मिल सकती हैं। कांग्रेस को उम्मीद है कि उसकी संख्या भी तेलंगाना में जीत के चलते 27 तक पहुंच जाएगी। यह आंकड़ा विपक्ष के नेता का पद पाने के लिए जरूरी 25 से 2 सीट अधिक होगा। गौरतलब है कि एनडीए के पास भले ही अपने दम पर बहुमत नहीं है, लेकिन राज्यसभा में वाईएसआर कांग्रेस, बीजेडी, एआईएडीएमके जैसे दलों के समर्थन से वह जरूरी बिल पारित कराती रही है। शनिवार को मनोनीत सांसद राकेश सिन्हा, राम शकल, सोनल मानसिंह और महेश जेठमलानी का कार्यकाल समाप्त हो गया। इन लोगों ने संसद सदस्य बनने के बाद भाजपा की सदस्यता ले ली थी।

मनोनीत सांसदों में 7 किसी भी दल के नहीं, पर देते हैं भाजपा का साथ

राष्ट्रपति की ओर से कुल 12 सांसदों को मनोनीत किया जा सकता है। इन सांसदों में से 5 भाजपा के मेंबर हो गए थे, जबकि 7 सांसद किसी भी दल के सदस्य नहीं हैं। हालांकि ये सांसद बिल पारित होने के मौके पर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का ही समर्थन करते रहे हैं। भाजपा से जुड़े एक और मनोनीत सदस्य गुलाम अली हैं। वह सितंबर 2028 में रिटायर होने वाले हैं।

संक्षिप्त समाचार

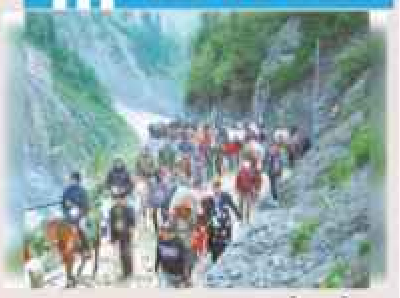

अमरनाथ यात्रा पर आने वाले भक्तों में उत्साह बरकरार, 16 दिन में 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए

जम्मू, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा पर आने वाले भक्तों में उत्साह बरकरार है। बीते 16 दिनों में तीन लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। वहीं 4,875 यात्रियों का एक और जत्था सोमवार को घाटी के लिए रवाना हुआ। दोनों यात्रा मार्गों पर रुक-रुक कर हो रही बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने के बावजूद रविवार को 15 हजार से ज्यादा उत्साही तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा के अंदर दर्शन किए।

अधिकारियों ने बताया कि 4,875 यात्रियों का एक और जत्था सोमवार को दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। पहला सुरक्षा काफिला सुबह 3:05 बजे 68 वाहनों में 1,918 यात्रियों को लेकर उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। जबकि दूसरा सुरक्षा काफिला सुबह 3:50 बजे 94 वाहनों में 2,957 यात्रियों को लेकर दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

दोनों सुरक्षा काफिले दोपहर तक घाटी में पहुंच जाते हैं। यह पवित्र गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं। श्रद्धालु या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार से पांच दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौट आते हैं। इस वर्ष की यात्रा 52 दिनों के बाद 29 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन त्योहार के साथ संपन्न होगी।

इंडी गठबंधन और कांग्रेस भारत में अमेरिका की तरह ही हिंसात्मक नैरेटिव चला रही है : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले के लिए सामने आ रहे कारणों का जिक्र करते हुए भाजपा ने आरोप लगाया है कि इंडी गठबंधन और कांग्रेस भारत में पीएम मोदी और भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ अमेरिका की तरह ही हिंसात्मक नैरेटिव चला रहे हैं। भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गोलियां चलाई गई, वह बाल-बाल बचे और सुरक्षित हैं लेकिन सवाल यह पैदा होता है कि अमेरिका जैसे लोकतंत्र में आखिर किन परिस्थितियों में यह राजनीतिक हिंसा हुई और इस तरह का घृणात्मक और हिंसात्मक माहौल कैसे बन गया।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के इसी स्क्रिप्ट को भारत में भी दोहराने का प्रयास किया जा रहा है। अमेरिका की तरह ही भारत में भी पीएम मोदी के खिलाफ घृणात्मक और हिंसात्मक माहौल बनाने का आरोप लगाते हुए शहजाद पूनावाला ने आगे कहा कि भारत में तो पूरा इंडी गठबंधन,खासकर कांग्रेस पार्टी और उसकी जमात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा कार्यकर्ताओं और भाजपा समर्थकों के खिलाफ अमेरिका की तरह ही हिंसात्मक भरा नैरेटिव चला रहे हैं। भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता ने आगे कहा कि विपक्षी दलों ने यह भ्रम फैलाया कि अगर भाजपा की सरकार आती है तो संविधान खत्म कर दिया जाएगा।

हुड्डा के कार्यकाल में था अपराध का बोलबाला, जनता को बताएं अपनी उपलब्धियां: सीएम सैनी

रोहतक, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली के पद ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। मोहनलाल बड़ोली के पद ग्रहण को लेकर सीएम सैनी ने कहा कि उनके प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद भारतीय जनता पार्टी और मजबूत होगी। मोहनलाल बड़ोली पार्टी के छोटे से कार्यकर्ता हैं और उन्हें बहुत अहम जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश में जिस तरह के काम भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार ने किया है, उसके आधार पर मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि सूबे में तीसरी बार भाजपा सरकार बनने जा रही है।

उन्होंने कांग्रेस के हरियाणा मांगे जवाब कार्यक्रम पर कहा कि कांग्रेस पार्टी लोगों से पूछने की बजाय जनता को यह बताए कि उन्होंने अपने दस साल के कार्यकाल में प्रदेश के लिए क्या काम किया? भूपेंद्र हुड्डा ने अपने घोषणापत्र में 24 घंटे बिजली देने का वादा किया था, जो वह अपने दस साल के कार्यकाल में पूरा नहीं कर पाए। भाजपा सरकार ने तो अपने दस साल के कार्यकाल में प्रदेश के हर वर्ग के लिए काम किया है। बदमाश काला खैरमपुर के थाईलैंड से प्रत्यर्पण पर नायब सैनी ने हरियाणा पुलिस को मुबारकबाद देते हुए कहा कि पुलिस अपराध रोकने के लिए हर बड़े कदम उठा रही है। उन्होंने बदमाशों को भी चेतावनी दी और कहा कि या तो वे बदमाशी छोड़ दें या फिर प्रदेश। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा के दस साल के कार्यकाल के दौरान अपराध इतना बढ़ा हुआ था कि लोगों की एफआईआर तक दर्ज नहीं होती थी। इसलिए भूपेंद्र सिंह हुड्डा बेवजह के आरोप न लगाएं। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी हरियाणा मांगे हिसाब कार्यक्रम के तहत घर घर जाकर जाकर बता रही है कि मौजूदा सरकार अपने दस साल के कार्यकाल में पूरी तरह विफल रही है।

हरियाणा मांगे हिसाब कार्यक्रम के तहत भाजपा सरकार का पर्दाफाश करेगी कांग्रेस: भूपेंद्र हुड्डा

रोहतक, एजेंसी। हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने नायब सिंह सैनी सरकार को घेरने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर बात की। उन्होंने कहा हरियाणा मांगे हिसाब कार्यक्रम इसी सोच के साथ तैयार किया गया है। दावा किया कि इसके जरिए जनता की राय एकत्रित की जाएगी। कांग्रेस दिग्गज ने प्रदेश सरकार पर रोजगार के अवसर मुहैया न करा पाने, युवाओं का शोषण करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने गए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। हुड्डा ने ये बातें अपने आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में कही।

इस दौरान उन्होंने हरियाणा सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, हमने युवाओं को खेल की तरफ ले जाने का काम किया था, ताकि युवा नशे से बच सकें। लेकिन मौजूदा सरकार युवाओं को खिलाड़ी नहीं नशेड़ी बना रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान बनी खेल नीति की वजह से प्रदेश के खिलाड़ियों को बड़े पैमाने पर लाभ मिला। मौजूदा सरकार ने उस खेल नीति में बदलाव कर खिलाड़ियों का कैश अवॉर्ड तक रोक दिया है। सरकार को चाहिए कि जिस भी खिलाड़ी का जो अवॉर्ड बनता है उसे वह दे दिया जाए। इसके साथ ही वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने हरियाणा मांगे हिसाब कार्यक्रम का भी जिक्र किया। कहा, कांग्रेस पार्टी हरियाणा मांगे हिसाब कार्यक्रम के तहत घर घर जाकर मौजूदा सरकार की 10 साल की विफलताओं को जनता के सामने रखेगी और कांग्रेस पार्टी के लिए गए संकल्प को जनता के पास लेकर जाएगी। इस दौरान कांग्रेस के घोषणापत्र के लिए जनता से राय ली जाएगी कि वह सरकार से क्या चाहते हैं। जल्द ही हरियाणा मांगे हिसाब कार्यक्रम का ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर तंज कसते हुए कहा कि 10 साल बाद उनको याद आया है कि हरियाणा में अपराध बढ़ रहा है, अब तक नायब सैनी या भाजपा की सरकार क्या कर रही थी? हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी का किसी दल के साथ गठबंधन के सवाल पर कहा कि इंडिया गठबंधन राष्ट्रीय स्तर पर था लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए फिलहाल किसी भी गठबंधन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। हरियाणा प्रदेश में सीधा मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच है। हम आगामी विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने जा रहे हैं।

अनंतनाग में 34 साल बाद खोला गया उमा भगवती का प्राचीन मंदिर, राजस्थान से मंगाई देवी की मूर्ति

अनंतनाग, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में रविवार को देवी उमा भारती का प्राचीन मंदिर भक्तों के लिए खोला गया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के ब्रेरियनगन में देवी उमा भगवती को समर्पित यह मंदिर लगभग 34 साल बाद खोला गया है। मंदिर में स्थापित की गई देवी की मूर्ति राजस्थान से मंगाई गई थी, जिसे गर्भगृह में स्थापित किया गया। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि मंदिर को लगभग 34 वर्षों के अंतराल के बाद फिर से खोला गया है। पुनः उद्घाटन समारोह के दौरान, राजस्थान से लाई गई देवी उमान की मूर्ति को गर्भगृह में रखा गया था। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार विकसित जम्मू-कश्मीर के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, केंद्रशासित प्रदेश की अपनी समन्वित संस्कृति जम्मू-कश्मीर को एक समृद्ध और शांतिपूर्ण क्षेत्र के रूप में विकसित करने में काफी मदद करेगी।

गाय को बचाने के दौरान बारातियों से भरी पिकअप पलटी, एक की मौत और 30 घायल

धौलपुर, एजेंसी। राजस्थान में शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। धौलपुर सैपऊ थाना क्षेत्र के गांव राजोरा खुर्द के पास रविवार रात 11 बजे बारातियों से भरी मैक्स पलट गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 30 लोग घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दो-तीन एंबुलेंस से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचवाया। हादसे की जानकारी होने पर घायलों के परिजन और परिचित अस्पताल पहुंचे।

रिपोर्ट के अनुसार, एक गाय रोड पर बैठी थी और एक साइड में बाइक सवार खड़ा था। दोनों को बचाने के चक्कर में यह हादसा हो गया। हादसे के बाद रोड पर लंबा जाम लग गया। पुलिस उपाधीक्षक आनंद राव ने टीम के साथ मिलकर एक घंटे की मशक्कत के बाद जाम खुलवाया।

बताया जा रहा है कि कुछ घायलों को उनके परिजन निजी वाहन से आगरा ले गए हैं। हादसे में बाइक पर बैठे तीन लोग भी मैक्स की चपेट में आने से घायल हुए हैं। अस्पताल प्रभारी डॉक्टर दिनेश नरुका ने बताया कि सभी घायलों को गंभीर चोट आई है। एक घायल की अस्पताल में मौत हो गई। मृतक का नाम चंद्रसेन (पुत्र हरि सिंह, निवासी बरिगमा खुर्द) बताया गया है। मैक्स पिकअप में 40 लोग सवार थे। बरिगमा खुर्द से सैपऊ इलाके के गांव फूलपुरा में भरत सिंह कुशवाह के बेटे प्रमोद और पुनीत की बारात मैक्स पिकअप से आई थी। बारात खाना खाकर गांव को लौट रही थी। तभी नेशनल हाईवे-123 पर रजोरा खुर्द के पास हादसा हुआ।

इस हादसे में मनोज कुशवाह, नेमीचंद, नरेश, कन्हैया, मुकेश, सौराज, जगबीर, श्री कृष्णा, लोकेश अभय, कन्हैया, दुर्गा, मनोज, सनी कुमार, चंद्रवीर, मुनेंद्र, जयकेश, मुकेश, हीरा सिंह, अचल सिंह, दुर्गा सिंह, कुशलवीर आदि घायल हो गए। वहीं बाइक सवार बैजो और रामदीन बुरी तरह घायल हुए हैं। एक घायल चंद्रसेन पुत्र हरि सिंह की मौत हो गई।

जोधपुर में एमबीबीएस स्टूडेंट्स ने लूटी मिल्क वैन, 3 मेडिकल स्टूडेंट्स को किया डिटेन

जोधपुर, एजेंसी। राजस्थान के जोधपुर में मथुरादास माथुर अस्पताल के नजदीक सरस दूध की मिल्क वैन को लूटने के मामले में पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के तीन छात्रों को शांति भंग के आरोप में डिटेन किया है। तीनों एमबीबीएस के छात्र हैं, जबकि दो जनों की अभी और तलाश है। थानाधिकारी देवेंद्र सिंह देवड़ा ने बताया कि सुखदेव विश्नोई ने रिपोर्ट में बताया कि उसकी गाड़ियां सरस डेयरी में दूध सप्लाई में लगी हुई है। रविवार सुबह 4:00 बजे मथुरादास माथुर अस्पताल के गेट नंबर 1 पर दूध सप्लाई के लिए मिल्क वैन लेकर गया तो वहां 5-6 लोग आए। जिनमें से दो लोगों ने उसे पकड़कर उसके साथ बदतमीजी की। तीन जने उसकी गाड़ी लेकर वहां से फरार हो गए।

थानाधिकारी ने बताया कि इस घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में नाकाबंदी करवाई गई। कुछ देर बाद पाल रोड पर गाड़ी लावारिस हालत में बरामद हुई। सुखदेव ने अपने गाड़ी से 24 लीटर दूध के दो कैरेट गायब होने और 4600 रुपए जो कलेक्शन के थे उनके भी लूटने का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस में रिपोर्ट पर लूट का मामला दर्ज किया और घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो उसमें मेडिकल कॉलेज के छात्रों की मौजूदगी सामने आई। इस पर पुलिस ने देर शाम को डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस फाइनल ईयर के धोरीमन्ना गांव लूखु 22 वर्षीय विकास विश्नोई, थर्ड ईयर के छात्र सेड़वा थाना क्षेत्र के ओगाला निवासी 23 वर्षीय ओमप्रकाश जाट, गुड़ामालानी के गांव डाबड़ निवासी थर्ड ईयर के छात्र 22 वर्षीय महेश विश्नोई को हिरासत में लिया। इनके साथ दो और लोग थे जिनमें एक एम्स मेडिकल कॉलेज का भी छात्र है।

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में बिन बुलाए बाराती भी, पुलिस ने 2 को धरा

मुंबई, एजेंसी। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में दो अनजान लोगों के घुसने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। कहा जा रहा है कि आरोपी शादी समारोह देखने के लिए यहां पहुंचे थे। खास बात है कि अंबानी परिवार के इस हाईप्रोफाइल कार्यक्रम में एंट्री के लिए क्यूआर कोड, रिस्टबैंड जैसी कई व्यवस्थाएं की गई थीं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बताया है कि बगैर निमंत्रण कार्यक्रम में घुसने की कोशिश करने वालों के नाम वेंकटेश नरासिया और एलएम शफी शेख हैं। एक ओर जहां 26 वर्षीय नरासिया यूट्यूबर है। वहीं, 28 साल का शेख खुद के बिजनेसमैन बता रहा है। सुरक्षा अधिकारियों ने दोनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। पुलिस ने नोटिस थमाकर और कानूनी कार्रवाई कर दोनों को जाने दिया।

क्यूआर कोड, कोड वाले रिस्टबैंड, आपातकालीन चिकित्सा

व्यक्तिगत मोबाइल फोन पर भेजे गए क्यूआर कोड

के आधार पर प्रवेश की व्यवस्था, विभिन्न क्षेत्रों में प्रवेश के लिए रंग आधारित कोड वाले पेपर रिस्टबैंड (कलाई पर बांधा जाने वाला), और राष्ट्राध्यक्षों के लिए आरक्षित आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था ने एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत और राधिका मर्चेंट की शादी के आयोजन को सफल बनाने में मदद की। मुंबई के बीकेसी में अंबानी परिवार के स्वामित्व वाले जियो वर्ल्ड सेंटर में शुक्रवार को हुई शादी में वैश्विक हस्तियां, व्यवसायी, क्रिकेटर, फिल्मस्टार और सभी तरह के राजनेता शामिल हुए। इसके अगले दिन दोस्तों और परिवार के सदस्यों के लिए शुभ आशीर्वाद नाम से आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया। रविवार को इसी स्थान पर मंगल उत्सव नामक एक अन्य रिसेप्शन के लिए कर्मचारियों से लेकर व्यावसायिक सहयोगियों तक कई तरह के मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। शादी और रिसेप्शन के लिए तीन अलग-अलग निमंत्रण भेजे गए थे। बेहद खास मेहमानों को एक बड़ा लाल बॉक्स भेजा गया था, जिसमें एक संदूक में भगवान गणेश, राधा-कृष्ण और देवी दुर्गा सहित विभिन्न हिंदू देवताओं की सोने की मूर्तियों वाला एक छोटा चांदी का मंदिर था। आमंत्रण में प्रत्येक विवाह समारोह के लिए अलग-अलग कार्ड दिखाए गए थे, जिसमें से एक चांदी से बना था और एक प्राचीन मंदिर के मुख्य द्वार जैसा दिखता था। इसमें कई यादगार चीजें शामिल थीं, जैसे एक नीला शॉल और उपहारों से भरा एक चांदी का बॉक्स। सबसे सरल निमंत्रण लैपटॉप के आकार के बॉक्स में था, जिसमें तीन देवताओं की चांदी की मूर्तियां और निमंत्रण कार्ड थे। मेहमानों से ईमेल या गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी उपस्थिति की पुष्टि करने के लिए कहा गया था। आने की पुष्टि करने वालों को क्यूआर कोड कार्यक्रम से छह घंटे पहले साझा किए गए। मोबाइल फोन पर भेजे गए क्यूआर कोड और ईमेल को स्कैन करके कार्यक्रम स्थल में प्रवेश की अनुमति दी गई। यहां सभी मेहमानों की कलाई पर अलग-अलग रंग के कागज के रिस्टबैंड बांधे गए।

संक्षिप्त समाचार

एसबीआई ने महंगा किया लोन

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने करोड़ों ग्राहकों को तगड़ा झटका दिया है। बैंक ने विभिन्न कर्ज को महंगा करने का ऐलान किया है। एसबीआई ने आज एमसीएलआर लोन दरों को बढ़ा दिया है। एमसीएलआर वह दर होती है जिससे कम ब्याज पर बैंक कस्टमर को लोन नहीं दे सकता। एसबीआई बैंक ने एमसीएलआर रेट को 0.10 फीसदी तक बढ़ाया है। एमसीएलआर की नई रिवाइज दरें आज 15 जुलाई 2024 से लागू हो गई हैं। एसबीआई की बेस लैंडिंग रेट एमसीएलआर अब 8.10 से 9 फीसदी तक है। ओवरनाइट एमसीएलआर रेट 8.20 फीसदी हो गई है। एसबीआई ने एमसीएलआर में 0.05 फीसदी से लेकर 0.10 फीसदी तक रेट बढ़ाया है।

वीटी मार्केट्स ने दक्षिण एशिया में पहला विज्ञापन जारी किया

मुंबई। पुरस्कार विजेता ब्रोकरेज कंपनी वीटी मार्केट्स ने दक्षिण एशिया में अपना पहला वीडियो विज्ञापन शुरू करने की घोषणा की। ट्रेडिंग आसान हो सकती हैए् शीर्षक वाला यह विज्ञापन परिचित स्थानीय दृश्यों के विपरीत सिडनी स्थित ब्रोकर के कई अलग.अलग लाभों को पेश करता है और यह फेसबुकए इंस्टाग्राम और हॉटस्टार सहित सभी ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर उपलब्ध होगा। यह लॉन्च ब्रोकर द्वारा इस वर्ष तेजी से बढ़ते दक्षिण एशियाई वित्तीय बाजार में प्रवेश करने का पहला प्रयास है। मल्टी.एसेट ब्रोकरेज इस पहल के हिस्से के रूप में दक्षिण एशियाई बाजार के लिए स्थानीयकरण में वृद्धि भी देखेगीए जिसमें स्थानीय भाषाओं के लिए अधिक समर्थन भी शामिल है। हमारी वैश्विक उपस्थिति के बावजूदए एएसआइसी, एफएससी और एफएससीए। द्वारा हमारे विनियमन ने हमें ग्राहकों की सुरक्षा और विश्वसनीयता को बढ़ावा देने के अर्थ की अच्छी समझ प्रदान की है वीटी मार्केट्स डम्ब्ल्ड के बिजनेस डेवलपमेंटए कुसाई जेओड ने कहाए ष्हम मानते हैं दक्षिण एशियाई बाजार इस समय मौजूदा वित्तीय प्लेटफार्मों से वंचित हैए जिनमें अपने ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए नियमों की कठोरता की कमी हैश्ए् भारत के विभिन्न हिस्सों में फिल्माया गयाए टेलीविजन विज्ञापन वीटी मार्केट्स के साथ व्यापार की आसानी को दर्शाता हैए जिसमें पात्रों को दिन के दौरान व्यापार करते हुए दिखाया गया है

बजट में किसानों के लिए हो सकते हैं कई बड़े ऐलान, बढ़ सकती है केसीसी लिमिट

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई 2024 (मंगलवार) को चालू वित्त वर्ष के लिए आम बजट पेश करेंगी। इस बजट से आम जनता के साथ-साथ देश के अन्नदाताओं यानी किसानों को भी काफी उम्मीदें हैं। माना जा रहा है कि इस आम बजट में देश के अन्नदाताओं को बड़ी सौगात मिल सकती है। सूत्रों की माने तो सरकार पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ा सकती है। साथ ही मोदी सरकार किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने और कृषि उपकरणों पर सब्सिडी बढ़ाने समेत कई रियायतों की भी घोषणा कर सकती है। दरअसल पार्टी से जुड़े संगठन और केंद्र सरकार को समर्थन दे रहे राजनीतिक दल भी चाहते हैं कि सरकार अन्नदाताओं के हित में बड़े फैसले ले। इससे देशभर के किसानों में यह साफ संदेश जाएगा कि सरकार कृषि को लेकर गंभीरता से काम कर रही है। आइए जानते हैं बजट 2024 को लेकर किसानों की सरकार से क्या-क्या उम्मीदें हैंः

क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने की उम्मीद

फिलहाल किसानों को क्रेडिट कार्ड पर 3 लाख रुपए का कृषि लोन 7 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर मिल रहा है, जिसमें सरकार 3 फीसदी की सब्सिडी देती है। यानी किसानों को यह लोन 4 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर मिलता है। वहीं बढ़ती महंगाई के साथ-साथ कृषि लागत में बढ़ोतरी को देखते हुए सरकार 3 लाख रुपए की सीमा को बढ़ाकर 4 से 5 लाख रुपए कर सकती है।

टैक्स दरों में कटौती संभव

बता दें कि केंद्र सरकार कृषि उपकरणों की खरीद पर जीएसटी लगाती है, जिसका किसान संगठन विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि सरकार कृषि उपकरणों पर जीएसटी हटाए या फिर किसानों को इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ दे। सूत्रों की माने तो मोदी सरकार बजट में कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरों में भी कटौती कर सकती है या फिर ज्यादा सब्सिडी देने का ऐलान कर सकती है। सूत्रों की माने तो आम बजट 2024 में सरकार पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ा सकती है। दरअसल मोदी सरकार पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को 6,000 रुपए दे रही है। लेकिन दावा किया जा रहा है कि लगातार बढ़ रही महंगाई और किसानों की बढ़ती लागत को देखते हुए इसे बढ़ाकर 8,000 रुपए कर सकती है। फिलहाल केंद्र सरकार किसानों के खाते में 2000 रुपए की 3 किस्त ट्रांसफर करती है। पिछले महीने सरकार ने पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त जारी की थी। मोदी सरकार की इस योजना का लाभ देशभर के 11 करोड़ से ज्यादा जरूरतमंद किसानों को मिल रहा है।

बजट 2024: नई-तकनीक का इस्तेमाल

देश में हर क्षेत्र में नई तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन कृषि क्षेत्र में अभी नई तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल नहीं हो रहा है। बजट में कृषि क्षेत्र में नई टेक्नोलॉजी को लेकर कोई घोषणा होने की संभावना है। किसानों को उम्मीद है कि सरकार कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए कोई नया प्रोग्राम शुरू कर सकती है। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने फरवरी में पेश अंतरिम बजट में चालू वित्त वर्ष के लिए कृषि मंत्रालय का बजट बढ़ाया था। केंद्र सरकार ने कृषि मंत्रालय के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए थे। ऐसे में 23 जुलाई को पेश होने वाले आम बजट में किसानों की माली हालत सुधारने के लिए सरकार की ओर से कुछ घोषणा हो सकती है।

बासमती चावल का निर्यात 13 फीसदी बढ़ा, दो महीने में विदेश से आए 103.7 करोड़ डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय बासमती चावल की मांग विदेश में लगातार बढ़ रही है। हालांकि, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में मामूली गिरावट देखने को मिली है। एग्रीकल्चरल एंड प्रॉसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (एपीडा) के आंकड़े के मुताबिक, भारत ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-मई अवधि में 103.7 करोड़ डॉलर के बासमती चावल का निर्यात किया। यह 2023-24 की समान अवधि के 91.7 करोड डॉलर की तुलना में 13.11 फीसदी अधिक है।

दरअसल, घरेलू बाजार में कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार की ओर से चावल के निर्यात पर लगाए प्रतिबंधों का असर अन्य किस्मों पर पड़ा है। यही वजह है कि अप्रैल-मई में गैर-बासमती चावल का निर्यात सालाना आधार पर 13.35 फीसदी घटकर 91.9 करोड़ डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-मई अवधि में कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात सालाना आधार पर मामूली 0.49 फीसदी घटकर 433.7 करोड़ डॉलर रह गया। 2023-24 की समान अवधि में निर्यात का यह आंकड़ा 435.8 करोड़ डॉलर रहा था।

अशोक लीलैंड को 2104 बसों का मिला बड़ा ऑर्डर, शेयर खरीदने की मची लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। घरेलू वाहन निर्माता अशोक लीलैंड लिमिटेड के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 2 प्रतिशत तक चढ़ गए। अशोक लीलैंड के शेयर आज बीएसई पर 228.50 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। कमर्शियल वाहन मैन्युफैक्चरर कंपनी अशोक लेलैंड लिमिटेड को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम से पूर्णतः निर्मित 2,104 बसों का ऑर्डर मिला है। दरअसल, अशोक लीलैंड ने एक्सचेंजों को सूचित किया कि उसे महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) ने वाइकिंग पैसेंजर बस की 2,104 यूनिट्स का ऑर्डर मिला है। इसकी कीमत 982 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

हिंदुजा समूह की भारतीय प्रमुख कंपनी ने कहा कि ऑर्डर जीतने से बस सेगमेंट में उसकी प्रमुख स्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी। कंपनी बयान के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) से मिला यह अभी तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। इन वाइकिंग यात्री बसों का निर्माण अशोक लेलैंड के विशेष 'बस बॉडी' प्लांट्स में किया जाएगा। अशोक लेलैंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी शेनू अग्रवाल ने कहा कि यह नया ठेका एमएसआरटीसी के साथ कंपनी की दीर्घकालिक साझेदारी का एक हिस्सा है। अग्रवाल ने कहा, '' यह ऑर्डर अत्यधिक कुशल तथा प्रौद्योगिकी रूप से उन्नत उत्पादों के उत्पादन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो देश में सार्वजनिक परिवहन की वृद्धि को बढ़ावा देगा।'' बसें नवीनतम सीएमवीआर मानकों के साथ बनाई जाएंगी, इसमें एआईएस 153 अनुरूप बॉडी होगी और अन्य सुविधाओं के साथ रियर एयर सस्पेंशन के साथ बीएस-6 अनुपालन भी होगा। इन बसों का निर्माण अत्याधुनिक तकनीक के साथ अशोक लीलैंड के विशेष बस बॉडी प्लांट में किया जाएगा और एमएसआरटीसी के लिए स्वामित्व की कुल लागत कम होगी। ऑर्डर को अगस्त 2024 और अगस्त 2025 के बीच 12 महीने की अवधि में एग्जिक्यूट किया जाना है। ऑर्डर जीतने के बाद अशोक लीलैंड के शेयरों में तेजी देखी गई,। स्टॉक इंट्रा डे में 2 प्रतिशत तक बढ़कर 228.50 पर कारोबार कर रहा था। 2024 में अब तक शेयरों में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि 12 महीने की अवधि में स्टॉक में 31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

बिलिनेयर क्लब में शामिल हुए जोमैटो के दीपिंदर गोयल

नईदिल्ली, एजेंसी। फूडटेक कंपनी जोमैटो का शेयर आज बाजार खुलते ही नए रेकॉर्ड पर पहुंच गया। बीएसई पर यह 4 प्रतिशत से ज्यादा की उछाल के साथ 232 रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में 300 प्रतिशत से ज्यादा तेजी आई है। पिछले साल जुलाई में इसकी कीमत 73 रुपये थी। कीमत में तेजी से कंपनी का मार्केट कैप भी दो लाख करोड़ रुपये के ऊपर पहुंच गया। इससे कंपनी के फाउंडर और सीईओ दीपिंदर गोयल की नेटवर्थ में भी काफी उछाल देखने को मिली। इसके साथ ही वह बिलिनेयर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। उनके पास कंपनी के 36.95 करोड़ शेयर यानी करीब 4.24 फीसदी हिस्सेदारी है। फोर्ब्स के मुताबिक गोयल की नेटवर्थ में 2.51 प्रतिशत की उछाल आई और यह 1.4 अरब डॉलर यानी करीब 1,17,00 करोड़ रुपये पहुंच गई है।

जोमैटो ने दिल्ली और बेंगलुरु में अपने प्लेटफॉर्म की फीस प्रति ऑर्डर बढ़ाकर छह रुपये कर दी है। यही कारण है कि आज कंपनी के शेयरों में भारी तेजी आई और मार्केट खुलते ही यह चार फीसदी से अधिक तेजी के साथ ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। पिछले एक हफ्ते में कंपनी के शेयरों में 12 फीसदी तेजी आई है जबकि इस दौरान बेंचमार्क इंडेक्स केवल एक फीसदी चढ़ा है। पिछले महीने चार जून को यह 146.85 रुपये पर था और तबसे इसमें 58 फीसदी तेजी आई है। इस साल अब तक यह 88 प्रतिशत चढ़ा है जबकि इस दौरान बीएसई सेंसेक्स में करीब 12 प्रतिशत तेजी आई है। जोमैटो दिसंबर 2022 में लिस्ट हुई और ऐसा करने वाली देश की पहली यूनिकॉर्न कंपनी थी। मिडिल क्लास फैमिली से आने वाले दीपिंदर गोयल ने साल 2006 में आईआईटी करने के बाद 'बेन एंड कंपनी' में नौकरी की। उ कंपनी का शेयर अपने इश्यू प्राइस से 53 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ था। पहले ही दिन यह देश की टॉप 100 कंपनियों में शामिल हो गई थी।

2 के शेयर में तूफानी तेजी, खरीदने की मची लूट, कंपनी ने किया बड़ा ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड के शेयर कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर अपने पिछले बंद प्राइस 2.25 रुपये से 1.3 प्रतिशत बढ़कर 2.28 रुपये प्रति शेयर हो गए। बता दें कि यह इसका 52 वीक का नया हाई भी है। जबकि इसका 52-सप्ताह का निचला स्तर 0.98 रुपये है। शेयरों में आज की तेजी के पीछे कंपनी का ऐलान है। दरअसल, श्रेष्ठ फिनवेस्ट ने एक्सचेंज को सूचित किया कि कंपनी ने मेसर्स के साथ एक फैसिलिटी एग्रीमेंट किया है। श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड ने विकास को बढ़ावा देने के लिए फेलिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (फेलिक्स) के साथ अपनी साझेदारी का विस्तार किया है। दोनों कंपनियों ने एक फैसिलिटी एग्रीमेंट के जरिए अपने सहयोग को औपचारिक रूप दिया। यह समझौता उनके मौजूदा व्यापारिक संबंधों पर आधारित है और इसका उद्देश्य रिन्यूएबल एनर्जी और वाटर कंजर्वेशन में निवेश में तेजी लाना है।

निर्यात ने लगाई छलांग, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल बोले- वैश्विक चुनौतियों के बीच पांच फीसदी का इजाफा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने अप्रैल-मई में निर्यात क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। भारत के निर्यात में इस अवधि में पांच फीसदी का इजाफा हुआ है। इसे लेकर वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि अप्रैल-मई के बाद जून में भी निर्यात के आंकड़े सकारात्मक रहे हैं। सबसे ज्यादा सर्विस सेक्टर में इजाफा हुआ है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि रूस-यूक्रेन, इजराइल-हमास युद्ध, लाल सागर संकट और कंटेनर की कमी के बीच भारत का निर्यात सकारात्मक रहा। इसमें सर्विस सेक्टर एक्सपोर्ट में अधिक वृद्धि हुई है। गोयल ने कहा कि मई के बाद भी जून का आंकड़ा बेहद अच्छा है। कुल मिलाकर पहली तिमाही में एक्सपोर्ट बेहतर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय 15 जुलाई को जून महीने के निर्यात का आधिकारिक डाटा जारी करेगा। उन्होंने बताया कि मई में भारत का बिजनेस एक्सपोर्ट 9.1 फीसदी बढ़ा और 38.13 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। वहीं चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-मई में आउट बाउंड शिपमेंट 5.1 फीसदी बढ़कर 73.12 अरब डालर रहा। उन्होंने बताया कि डिजिटल इंडिया मिशन और 4जी और 5जी के चलते सर्विस सेक्टर में निर्यात को बढ़ावा मिला है। इससे साफ है कि वैश्विक चुनौती के बाद इस वर्ष भारत माल और सेवा क्षेत्र में निर्यात के 800 अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य को पार कर लेगा। 2023-24 में भारत का निर्यात 778.2 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था।

एफडीआई को लेकर वाणिज्य मंत्री ने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंदी के हालात में सुधार होगा तो इसमें भी बढ़ोतरी होगी। वैसे लगातार भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हो रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और अन्य विकसित देशों में ब्याज दरें ज्यादा हैं, ऐसे में यहां निवेश करना फायदे का सौदा होगा।

उद्योग और आंतरिक संवर्धन विभाग के आंकड़ों के अनुसार भारत में एफडीआई में 2023-24 में 3.49 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। यह 44.42 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। मगर जनवरी-मार्च 2024 में एफडीआई 33.4 फीसदी बढ़कर 12.38 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। यह 2023 में 9.28 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) में निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। जून में भारत ने 26,565 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त किया।

श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड ने नवीकरणीय ऊर्जा को आगे बढ़ाने के लिए फेलिक्स इंडस्ट्रीज के साथ नए समझौते पर हस्ताक्षर किए

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्तीय समाधानों में अग्रणी श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड ने घोषणा की है कि श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड (श्रेष्ठ) और फेलिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (फेलिक्स) के बीच मौजूदा व्यापार व्यवस्था को जारी रखते हुए एक सुविधा समझौते पर हस्ताक्षर करके एक बार फिर हाथ मिलाया है। नवीकरणीय ऊर्जा और स्थिरता पहलों को आगे बढ़ाते हुए, जहां श्रेष्ठ सतत विकास के उद्देश्य से नवीकरणीय ऊर्जा और स्वच्छ जल से संबंधित परियोजनाओं में ऋण देने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इस नए समझौते के माध्यम से, फेलिक्स नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ पानी और जल रीसाइक्लिंग से संबंधित परियोजना के लिए फेलिक्स द्वारा आरती इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ खरीदे गए ऑर्डर के लिए संयंत्र स्थापना के पूंजीगत कार्य के लिए लगभग रु. दो चरणों में कुल मिलाकर 50 मिलियन का वित्तपोषण किया जाएगा। नवीकरणीय ऊर्जा और जल क्षेत्र में विविध क्षेत्रों को मजबूत वित्तीय सहायता प्रदान करने, स्थिरता को बढ़ावा देने और हरित पर्यावरण और टिकाऊ परियोजनाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने के उद्देश्य से यह व्यवस्था फेलिक्स को वित्तीय सहायता को मजबूत करेगी। इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि उसने नवीकरणीय ऊर्जा और स्थिरता पहल को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक सुविधा समझौते पर हस्ताक्षर के माध्यम से फेलिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (फेलिक्स) के साथ हाथ मिलाया है। उक्त समझौते पर हस्ताक्षर करने से श्रेष्ठा के लिए सतत विकास के उद्देश्य से नवीकरणीय ऊर्जा और स्वच्छ जल से संबंधित परियोजनाओं में ऋण देने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस समझौते के माध्यम से, फेलिक्स अपनी नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ जल और जल पुनर्चक्रण संबंधी परियोजनाओं के लिए धन सुरक्षित करने की अच्छी स्थिति में है। सुविधा समझौते में नवीकरणीय ऊर्जा और स्थिरता संबंधी परियोजनाओं के लिए समर्थन बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रावधान शामिल हैं। श्रेष्ठा रुपये का वित्तपोषण करेगी। अगले 1-2 वर्षों में उपरोक्त मिशन को लक्षित करने के लिए 250 मिलियन और नई प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अपने पदचिह्न का विस्तार भी करेगा।

इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए शानदार कमाई की घोषणा की थी। 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, कंपनी ने परिचालन से राजस्व रु. 391.85 लाख, सालाना 462.36 प्रतिशत की वृद्धि। पीएटी रुपये पर सूचित किया गया था. 506 लाख , और शुद्ध पीएटी (कुल व्यापक आय) रु. 1767.74 लाख 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने परिचालन से अपने राजस्व में 269 प्रतिशत की शानदार वृद्धि देखी, जो रुपये से बढ़ रही है। 274.56 लाख से रु. 1013.01 लाख । पीएटी रुपये पर आया. 173.86 लाख (वित्तीय वर्ष 24), जबकि शुद्ध पीएटी (कुल व्यापक आय) रु. 2404 लाख श्रेष्ठ फिनवेस्ट लिमिटेड वित्तीय समाधान के क्षेत्र में अग्रणी है, जो व्यक्तियों और व्यवसायों दोनों के लिए व्यापक समाधान पेश करता है। भारतीय वित्तीय परिदृश्य में जो मुख्य रूप से पारंपरिक वित्तपोषण मार्गों पर निर्भर है, श्रेष्ठ फिनवेस्ट इस क्षेत्र में विशेष खिलाड़ियों की कमी के कारण पैदा होने वाली कमियों को पहचानता है।

समानता के बगैर लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं...

अरुण कुमार दीक्षित

भारत वासियों के सपनों को हर हाल में पूरा करने के लिए संसद की गरिमा को बचाए रखने के लिए विचार मंथन करना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। विपक्ष को चाहिए कि राष्ट्र की मूलभूत समस्याओं को लोकसभा में रखें। लगातार सरकार के कामकाज पर दृष्टि रखें। किसी भी तरह से लोगों का अहित न होने पाए । लोकहित के प्रश्नों को सदन में रखना चर्चा करना, सरकार की रचनात्मक आलोचना करना, नए कानून या संशोधन में अपनी राय देना जैसे महत्वपूर्ण कार्य होते हैं।

भारतीय राजनीतिक चिंतन की परंपरा पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन से अधिक पुरानी है। भारत में राजतंत्र और गणतंत्र शासन व्यवस्था प्राचीन हैं। कौटिल्य ने राज्य को अपने आप में साध्य मानते हुए, समाज में सर्वोच्च स्थान दिया है। उन्होंने राजा के कार्य क्षेत्र को अत्यंत विस्तृत बताया है। कौटिल्य ने राज्य की संपूर्ण संस्थाओं को मनुष्य के आध्यात्मिक सांस्कृतिक और आर्थिक कल्याण का साधन बताया है। सुझाव दिया है कि राजा को आग, बाढ़, महामारी, अकाल और भूकंप जैसी दैवीय विपत्तियों का निवारण करना चाहिए। राजा को चाहिए कि प्रजा के प्रति पुत्रवत आचरण करे। राज्य में अपराधियों के लिए दंड, बाहरी शत्रुओं से रक्षा, राज्य की आंतरिक व्यवस्था एवं न्याय की रक्षा प्रमुख बताया है।

18वीं लोकसभा का गठन कुछ दिन पूर्व हुआ है। भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिकगठबंधन तीसरी बार केंद्र की सत्ता में आया है। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पिछले दिनों पूरे देश के लोगों ने संचार माध्यमों के जरिए देखी। संसद के भीतर के दृश्य काफी निराशाजनक रहे। प्रत्येक लोकसभा और राज्यसभा सदस्य का यह कर्तव्य है कि वह भारतीय संविधान की उद्देशिका में वर्णित तथ्यों के अनुसार आचरण करें। उद्देशिका में कहा गया है कि हम भारत के लोग भारत को (एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को ,सामाजिक,आर्थिक , राजनैतिक न्याय, विचार ,अभिव्यक्ति, विश्वास,धर्म और स्वतंत्रता प्रतिष्ठा के अवसर की समता राष्ट्र की एकता और अखंडता बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर अधिनियमित आत्मार्पित करते हैं ।

भारत के संविधान के अनुसार सदन के सदस्यों का आचरण होना ही मर्यादा है । बीते कुछ समय से ऐसा नहीं हो रहा है । भारी भरकम धनराशि खर्च कर चलने वाले लोकसभा सदन में हंगामा है । शोर शराबा की स्थिति बढ़ी है। यहां तक की शपथ ग्रहण के अवसर पर विभिन्न सांसदों ने शपथ की निर्धारित शब्दावली के अतिरिक्त विशेष विचार धारा से जुड़े हुए नारे लगाए। जो संविधान सम्मत नहीं कहे जा सकते। इस पर सदन को विचार करना होगा। संसद का सदन सुचारू रूप से चले, इसकी जिम्मेदारी सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की बराबर होती है । मगर सत्ता पक्ष और विपक्ष में सकारात्मक चर्चा का अभाव देखा जा रहा है । लोकतंत्र में सशक्त विपक्ष का होना शुभ माना जाता है । होना यह चाहिए कि पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर राष्ट्र के लोगों को समता समृद्धि के अवसर बगैर दलीय,जातीय,पंथिक

पूर्वाग्रह के उपलब्ध कराने की कार्रवाई करें । राष्ट्र को शक्तिशाली समृद्धशाली बनाने में कोताही न बरतें ।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं को लेकर की गई टिप्पणी से संसद की गरिमा को ठेस पहुंची है । अब यह कहा जा रहा है कि उन्होंने भाजपा के लोगों को लक्ष्य कर ऐसी टिप्पणी की है।संपूर्ण हिंदुओं पर नहीं की। लोकसभा भारत का हृदय स्थल है। किसी भी दल के लोकसभा व राज्यसभा के सदस्यों द्वारा भारत को आहत करने वाली टिप्पणियों को क्या जायज ठहराया जा सकता है ? उत्तर होगा नहीं। मगर ऐसा प्राय-होता आ रहा है। इतना ही नहीं, आंध्र प्रदेश के लोकसभा सदस्य असदुद्दीन ओवैसी द्वारा एक अन्य देश का नाम लेकर लोकसभा सदन में जिंदाबाद कहा गया । यह और शर्मनाक घटना है और सीधे-सीधे भारत की संप्रभुता पर हमला है । लोकसभा के भीतर और बाहर कुछ भी बोलने के विरुद्ध आचार संहिता को कठोर बनाया जाना चाहिए ,अन्यथा की स्थिति में यह भारत विरोधी कार्रवाई रुकने वाली नहीं है।

यह भी उल्लेखनीय है कि राष्ट्र के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा से पीछे हटना भी देश के लोग देख रहे हैं। यह आरोप विपक्ष पर सत्ता पक्ष और सत्ता पक्ष पर विपक्ष लगा रहा है। संविधान विशेषज्ञों द्वारा इस पर चिंता व्यक्त की जा रही है। देश की जनता जिन महानुभावों को अपने जनप्रतिनिधि बनाकर लोकसभा में भेजा है। वह भारत का स्व नहीं देख पा रहे हैं। जो समाज राष्ट्र अपना स्व भूल जाता है, वहां खतरनाक स्थिति हो जाती है । वह मात्र चुनाव में सफल होने को ही बड़ा अधिकार और कर्तव्य मान रहे हैं जबकि संविधान में अधिकारों के साथ कर्तव्य भी साथ-साथ अधिष्ठापित हैं । राजनीतिक दलों को चाहिए कि वह अपने चुने हुए जनप्रतिनिधियों को राष्ट्र के प्रति निष्ठा कर्तव्य अधिकार जनता के प्रति मजबूत जवाबदेही, स्वास्थ्य ,शिक्षा,जीवन रक्षा ,राष्ट्रीय सुरक्षा, नैतिक शिक्षा,पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, नदियां, पहाड़, जंगल, पौराणिक धार्मिक पंथिक आस्थाओं एवं राजनीतिक प्रशिक्षण के उपाय पर विचार करें।

पं.जवाहरलाल नेहरू संसदीय लोकतंत्र के सिद्धांत और व्यवहार के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने लोकतंत्र के सिद्धांत को महात्मा गांधी के नैतिकता के सिद्धांत के साथ मिलकर नया रूप देने की कोशिश की । उनकी दृष्टि में लोकतंत्र अपने आप में साध्य नहीं था, बल्कि वह भारत के लाखों-करोड़ों लोगों के दुख-दर्द और गरीबी दूर करने का साधन मात्र था। (ओपी गाबा की पुस्तक राजनीति राजनीति-चिंतन की रूपरेखा पेज संख्या 344)

पं.नेहरू ने सन 1936 में लार्ड लोथियन को लिखे गए एक पत्र में कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से राजनीतिक लोकतंत्र को केवल इस आशा से स्वीकार करने के लिए तैयार हूं कि उसका परिणाम सामाजिक लोकतंत्र होगा । नेहरू ने लोकतंत्र के साथ स्वतंत्रता और समानता के अटूट संबंधों को भी स्वीकार किया है । समानता के बगैर स्वतंत्रता और लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं है । डॉ.आंबेडकर के समानता को लेकर विचार है कि राजनीतिक क्षेत्र में तो हम एक व्यक्ति,एक वोट,एक मूल्य कर देंगे, परंतु हमारा सामाजिक आर्थिक ढांचा इससे नहीं बदल जाएगा,जिससे एक व्यक्ति,एक मूल्य के सिद्धांत को सार्थक किया जा सके। समानता का सिद्धांत सच्चे अर्थों में तभी सार्थक होगा,जब मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में राजनीतिक,सामाजिक और आर्थिक तीनों क्षेत्रों में प्रत्येक व्यक्ति की मूल्यवत्ता को साकार किया जा सके।

गांधी ,लोहिया और आंबेडकर चाहते थे कि लोकतंत्र के बगैर समानता के कोई अर्थ नहीं है। तब सभी महानुभावों को यह बात समझनी चाहिए कि लोकतांत्रिक व्यवस्था ही हमारे राष्ट्र जीवन में अच्छे परिवर्तन लाने वाली है । हमारा संविधान ही सर्वोत्तम है। संविधान से बड़ा कोई नहीं है । भारत के लोकतंत्र की विश्व में प्रतिष्ठा है। संविधान के प्रति निष्ठा अधिकतम आदर्श स्थिति तक ले जाती है। किसी विषय पर केंद्रित होकर सकारात्मक चर्चा नहीं हो पा रही है। हो सकता है कि कुछ राजनीतिक बिंदुओं पर विपक्ष और सत्ता पक्ष एक राय न हो। राष्ट्र की अस्मिता से जुड़े मुद्दों पर पक्ष -विपक्ष को राजनीति न कर राष्ट्रीय हितों के मुद्दों पर एक साथ होना चाहिए। गठबंधन सरकारें पहले भी रही हैं। अटल बिहारी वाजपेयी और नरसिम्हा राव की भी सरकारें गठबंधन से ही बनी थीं । इस बार भी गठबंधन सरकार है, मगर आज की स्थिति भिन्न है।

लगता है विरोध के स्थान पर शत्रु भाव बढ़ता जा रहा है। ऐसी कटुता संसदीय मर्यादा के लिए ठीक नहीं है। भारत वासियों के सपनों को हर हाल में पूरा करने के लिए संसद की गरिमा को बचाए रखने के लिए विचार मंथन करना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। विपक्ष को चाहिए कि राष्ट्र की मूलभूत समस्याओं को लोकसभा में रखें। लगातार सरकार के कामकाज पर दृष्टि रखें। किसी भी तरह से लोगों का अहित न होने पाए । लोकहित के प्रश्नों को सदन में रखना चर्चा करना, सरकार की रचनात्मक आलोचना करना, नए कानून या संशोधन में अपनी राय देना जैसे महत्वपूर्ण कार्य होते हैं । सवाल उठता है कि विपक्ष और सत्ता पक्ष मिलकर क्या जनहित के किसी विषय पर कोई आदर्श स्थिति बना सकते हैं। मगर विपक्ष अभी तक किस दिशा में जा रहा है, वह स्वयं नहीं तय कर पाया है। एक मजबूत विपक्ष की जिम्मेदारी होती है कि सदन के भीतर से लेकर बाहर तक यहां तक की गांव में भी सत्ता पक्ष द्वारा लिए जा रहे किसी निर्णय पर चर्चा कर सकता है। विपक्ष के दिशाहीन होने से बड़े नुकसान हो सकते हैं। भ्रामक प्रचार और सस्ती लोकप्रियता से काम चलने वाला नहीं है।

संपादकीय

चिंता का सबब

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला निश्चित रूप से चिंता का सबब है। 40 दिन पूर्व राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले ट्रंप पर एक चुनावी सभा में जानलेवा हमले से हर कोई हलकान है। वाकई ट्रंप को जो जीवनदान मिला है' वह भगवान की देन ही कही जाएगी। खुद ट्रंप ऐसा मानते हैं। दरअसल, अमेरिका में बंदूक संस्कृति की वजह से खून-खराबे का ऐसा माहौल बना है। कहते हैं कि वहां लोगों से ज्यादा बंदूकें हैं। हालांकि इस हमले को सियासी चश्मे से भी देखा और परखा जा रहा है। कई जानकार तो यहां तक दावा करने लगे हैं कि इस हमले के बाद ट्रंप की जीत की राह काफी आसान हो गई है। बहरहाल, ये सभी कयासबाजी मुकम्मल जांच के बाद ही साफ हो सकेंगी कि इसके पीछे किसकी साजिश है। प्रथम दृष्ट्या जो कुछ सार्वजनिक हुआ है' उसमें हमलावर की ट्रंप के प्रति नापसंदगी की बात है। चुनाव के ठीक पहले इस तरह के हमले को लेकर कई किंतु-परंतु होते हैं। यह लगभग हर देश में होता है। अमेरिका में भी इसे लेकर कई तरह की बातें हो रही हैं, मगर एक बात तो हर किसी को अपने जेहन में रखनी होगी कि हिंसा और खून बहाना किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए श्राप से कम नहीं। इस नाते किसी को भी इस मसले पर अपनी

त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचना चाहिए। विश्व के सबसे ताकतवर मुल्क के मुखिया के पद पर रहे शख्स को जान से मारने की नीयत से हमला करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। राष्ट्रपति जो बाइडन को तुरंत पूरे प्रकरण की ठोस जांच करानी चाहिए और इस बात का भरोसा विपक्षी दलों समेत देश की जनता को दिलाना चाहिए कि ऐसे कृत्य नाकाबिले बर्दाश्त हैं। इस बात की भी जांच पूरी पारदर्शिता से होनी चाहिए कि उनकी सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के एजेंट से कहां चूक हुई। निश्चित तौर पर ट्रंप पर हमला सामान्य घटना नहीं है। इससे अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव की पूरी दिशा ही बदल सकती है। ट्रंप फिलहाल बाइडन से प्रचार में बढ़त बनाए हुए हैं। बाइडन की उम्र और उम्र संबंधी दुश्वारियों की वजह से रिपब्लिन पार्टी फिलवक्त कमजोर दिखती है। अगर ट्रंप पर हमले की घटना आम अमेरिकियों के दिलो-दिमाग पर गहरे तक असर डालेगी तो वहां सत्ता में बदलाव हो सकता है। देखना है, रिपब्लिकन पार्टी पूरी घटना से खुद को कैसे उबार पाती है? आने वाला वक्त वाकई दिलचस्प होने वाला है।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है।

संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है!

आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता_ 23697भूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

सरकारी धन की लूट, रिश्वत और भ्रष्टाचार का साम्राज्य

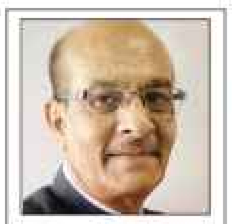

सनत कुमार

आम जनता अपना वोट देकर नेता चुनती है। अपने अधिकार नेताजी को सौंप देती है। नेताजी और अधिकारी मिलकर आम जनता के विश्वास को धोखा देते हैं। फाइलों में गरीबों के नाम पर बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाई जाती हैं। उन योजनाओं का लाभ गरीबों को आज भी नहीं मिल पा रहा है। भ्रष्टाचार को खत्म करने वाली सरकार के राज में अभी भी अधिकारी और नेता मिलकर आम आदमी की जमीनों पर कब्जा करते हैं। हर काम में दलाली करते हैं। गुंडों की फौज खड़ी कर लेते हैं, इस काम में न्यायपालिका का सहारा भी नेताओं और अधिकारियों के इस गठजोड़ द्वारा लिया जा रहा है। जिसके कारण आम जनता कराह रही है। कहने को सरकारी अधिकारी और कर्मचारी जनता के नौकर हैं। लेकिन अब जनता से मालिक की तरह व्यवहार कर रहे हैं। नेताओं के साथ मिलकर नौकरशाह आम जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। लुटता आम आदमी है, उसको कानूनों के मकड़जाल में फंसा दिया जाता है। भ्रष्टाचारी और रिश्वतखोरों के ऊपर कभी कोई कार्यवाही नहीं होती है। मध्यप्रदेश का व्यापमं घोटाला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की जमीन लूटने के लिए नेता और अधिकारियों के गठजोड़ ने नियमों और कानून का ऐसा जाल बना दिया। जिसमें आदिवासी फंसकर फड़फड़ाते रह गए। उनकी जमीनों पर बड़े-बड़े उद्योगपतियों का कब्जा हो गया। रक्षक ही अब भक्षक बन रहे हैं। न्यायपालिका द्वारा आंखों में पट्टी बांधकर समर्थ लोगों को ही न्याय दिया जा रहा है। गरीब आदमी सारे जीवन अदालतों के चक्कर लगाता है। वकीलों को पैसा देता है, उसके पास जो होता है, वह भी लुट जाता है। थक-हार के घर में बैठ जाता है, यही वर्तमान का सच है। खुलेआम अवैध शराब और मादक पदार्थ बिक रहे हैं। अतिक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। नगर पालिका, नगर निगम और अब ग्राम पंचायतें भी आम नागरिकों पर कुछ वर्षों में टैक्स और नए-नए शुल्क लगाए जा रहे हैं। सुविधा खत्म होती जा रही हैं। पार्षद, विधायक, सांसद और मंत्री बड़े-बड़े सपने दिखाकर चले जाते हैं। सरकारी खजाने से हर विभाग को जो राशि मिलती है। नेता और अधिकारी फाइलों पर जनहित की योजनाओं की राशि खर्च कर आपस में बंटवारा कर लेते हैं। अनाज भी अब फर्जी तरीके से बांटा जा रहा है। सरकार कहती है, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देते हैं। लेकिन आधे से अधिक राशन नेताओं और सरकारी अधिकारियों के भ्रष्टाचार और मिली भगत के कारण लूट लिया जाता है। पिछले 30-40 वर्षों में नेता और अधिकारी देवताओं की तरह पूजे जा रहे हैं। विरोध करने या अधिकार मांगने पर जेल का रास्ता दिखाया जा रहा है। हमारे नेताओं और सरकारी अधिकारियों का यह चरित्र बन गया है। शहरों में हाहाकार मचा है, पानी नहीं मिलता है। समय पर सफाई नहीं होती है। बिजली की कटौती कई बार होती है। अनाप-शनाप बिल भेजे जाते हैं। नेता और सरकारी अधिकारी मिलकर पहले झुग्गी बस्ती बसाते हैं। पुनर्वास के नाम पर करोड़ों रुपए की योजना बनाते हैं। गरीबों को घर नहीं मिलते, नेताओं और अधिकारियों के दलाल उस पर कब्जा कर लेते हैं, किराए पर या बेचकर लाखों करोड़ों रुपए कमा लेते हैं। कई वर्षों से यह धंधा अनवरत रूप से चला आ रहा है। फर्जी वोटर कार्ड, फर्जी राशन कार्ड, फर्जी जमीन के पट्टों, फर्जी संस्थाएं जहां देखो, वहीं घपले-घोटाले खुलेआम कर रही हैं। जांच के नाम पर वर्षों तक गड़बड़ियों और घोटालों को दबाकर रखा जाता है। जब लोग भूल जाते हैं, तो जांच में जिम्मेदार व्यक्ति निर्दोष करार कर दिए जाते हैं। अभी बरसात शुरू हुई है। हर शहर नदी नालों में तब्दील हो गए हैं। थोड़ी सी बारिश में जगह-जगह पानी भर जाता है। रोड गड्ढों में बदल गई है। सूचना अधिकार कानून में अब जानकारी मिलना बंद हो गई है। संविधान में लोकतंत्र की जो परिभाषा लिखी है। वर्तमान में वह परिभाषा पूरी तरह से बदल गई है। जनता का राज होगा। विधायिका और कार्यपालिका ने मिलकर मलिक को नौकर की तरह बंधक बनाकर रखा है। आम जनता से नौकरों की तरह व्यवहार किया जा रहा है। हर स्तर पर चौथ वसूली हो रही है। अब ऐसे संगठित गिरोह हो गए हैं, जो सैकड़ों की संख्या में एकजुट होकर जनता को धमकाते और डराते हैं। शासन-प्रशासन और राजनेताओं का चौथ-वसूली में संरक्षण होता है। राजाओं के शासनकाल में राजा के सैनिक गांव-गांव में जाकर लूटमार करते थे। लगभग वही स्थिति अब बन गई है। ऐसा लगता है कि सुधार के सभी मार्ग बंद हो चुके हैं। न्यायपालिका भी अब शासन के अधीन होकर रह गई है। न्यायपालिका से अब न्याय नहीं मिल पा रहा है। न्यायालय सरकार और सरकारी अधिकारियों के पक्ष में काम करते हुए नजर आ रही है। आम जनता में नाराजी और मायूसी देखने को मिल रही है। यह स्थिति धीरे-धीरे बगावत को जन्म देती है। वर्तमान शासन-प्रशासन की व्यवस्था शक्तिशाली लोगों के हाथ में केंद्रित होकर रह गई है। न्यायपालिका भी इन्हीं के प्रभाव में काम कर रही है। महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक बदहाली, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार ने आम जनता का जीना दूभर कर दिया है। ऐसी स्थिति में जनता को अपनी रक्षा करने के लिए स्वयं सामने आना पड़ेगा। इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। सरकार कहती है, यदि लोगों को कष्ट होता, तो जनता सड़कों पर आती। सरकार को ऐसा लगता है, जनता के पास बहुत पैसा है। जनता पैसा खर्च कर रही है, मतलब उसके पास पैसा है। महंगाई और बेरोजगारी का कोई असर नहीं है। सरकार का मानना है, जनता को जिस दिन कष्ट होगा। वह सड़कों पर आएगी, सरकार के खिलाफ मतदान करेगी। जनता ऐसा नहीं कर रही है इसका मतलब है, सब चंगा है। चुनाव जीतना और सरकार में बने रहना ही सफलता की निशानी है। चुनाव अब जनता के वोट से नहीं प्रबंधन से जीते जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में जनता की यही दुर्दशा होनी थी। जनतंत्र से एक बार फिर हम राजतंत्र की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यही वर्तमान का सच है।

केजरीवाल को जमानत के निहितार्थ

सुरेश हिंदुस्तानी

देश की राजधानी दिल्ली में शराब घोटाले को लेकर चल रही राजनीति ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को सर्वोच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत देकर जांच एजेंसी पर उठे संदेह के घेरे को और बड़ा कर दिया है। अरविन्द केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी ने इसे भारतीय जनता पार्टी की साजिश का पर्दाफाश बताया है। यहां एक सवाल यह उठ रहा है कि क्या न्याय व्यवस्था में जमानत मिलना विजय का पर्याय है, क्योंकि आम आदमी पार्टी इसे अपनी विजय और सरकारी एजेंसी की साजिश करार दे रही है। उल्लेखनीय है कि जमानत मिलने के बाद भी आरोप समाप्त नहीं हो जाता। प्रकरण चलता रहता है। अभी शराब घोटाले में न्यायालय का निर्णय नहीं आया है, लेकिन आम आदमी पार्टी की राजनीति इसे निर्णय मानकर चल रही है। आम आदमी पार्टी का यह कदम वास्तव में न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करने जैसा ही माना जाएगा। आम आदमी पार्टी की ओर से प्रारम्भ से ही यह बताने की कवायद की जा रही है कि शराब मामले में कोई घोटाला हुआ ही नहीं है। उनका तर्क है कि अगर घोटाला हुआ है तो उस घोटाले की राशि भी जब्त की जानी चाहिए, जबकि प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि इससे जो राशि प्राप्त हुई उसे गोवा के चुनाव में व्यय किया गया। दोनों में कौन सच बोल रहा है और कौन झूंठ, यह आने वाला समय ही बता पाएगा। लेकिन इसी मामले में आम आदमी पार्टी के अन्य नेता भी आरोपी हैं, उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिल सकी है। इसलिए यह नहीं माना जा सकता कि घोटाला हुआ ही नहीं। हो सकता है कि यह घोटाला बहुत चतुराई के साथ किया हो, क्योंकि प्रमाण पर्याप्त नहीं हैं। केजरीवाल को जमानत दिए जाने पर आम आदमी पार्टी भले ही खुशियाँ मना ले, लेकिन यह सत्य है कि न्यायालय ने उनके मुख्यमंत्री के अधिकार सीमित कर दिए हैं। उनको न तो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने का अधिकार है और न ही किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

किसी भी घोटाले की जांच के लिए जांच एजेंसी कार्य करती हैं। लेकिन शराब घोटाले के मामले में जांच एजेंसी पर संदेह के बादल भी उमड़ रहे हैं। हो सकता है कि जांच एजेंसियां अपनी भूमिका को लेकर एकदम सही हो, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसी को विलेन के रूप में प्रचारित करने का अभियान सा चलता दिखाई दिया। यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। जांच एजेंसियों पर पहले भी सत्ता के इशारे पर कार्य करने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि जांच एजेंसियां केंद्र सरकार के अधीन कार्य करती हैं, लेकिन जांच एजेंसियों पर यह आरोप लगाना न्याय संगत नहीं कहा जा सकता कि केंद्र सरकार के इशारे पर कार्य कर रही हैं। दूसरी बड़ी बात यह है कि आम आदमी पार्टी अपने नेता अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी की साजिश करने में जांच एजेंसी से अधिक भाजपा को निशाने पर लेने की राजनीति कर रही है। ऐसा नहीं है कि केवल आम आदमी पार्टी ही राजनीति कर रही है, बल्कि भाजपा भी कम नहीं है, वह भी इस मामले में बयान देने से पीछे नहीं है।

जहाँ तक भाजपा की बात है तो वह केंद्र में सत्ता संभालने के बाद पहले ही कह चुकी है कि न खाऊँगा और न खाने दूंगा। इस बात को ध्यान में रखकर यही कहा जा सकता है कि भाजपा की केंद्र सरकार भ्रष्टाचार के विरोध में कार्यवाही करना चाहती है, लेकिन विपक्ष के राजनीतिक दल इसमें टांग अड़ाने की राजनीति कर रहे हैं। इसका एक कारण यह भी माना जा रहा है कि विपक्ष के अधिकांश बड़े नेता किसी न किसी आरोप में जमानत पर बाहर हैं। कई नेताओं पर गंभीर आरोप हैं और कई जेल में हैं। इसलिए विपक्ष और खास कर आम आदमी पार्टी के कदम को सरकार पर दबाव बनाने की राजनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। हम जानते ही हैं कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव भ्रष्टाचार के मामले में सजायाफ्ता हैं। लेकिन इसके बाद भी वे बिहार और देश की सक्रिय राजनीति में दखल दे रहे हैं। आज हालांकि लालू प्रसाद यादव चुनाव नहीं लड़ सकते, क्योंकि सजा प्राप्त कोई भी व्यक्ति चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो जाता है। सवाल यह है कि क्या ऐसा व्यक्ति राजनीति कर सकता है। नहीं करना चाहिए, लेकिन लालू ऐसा कर रहे हैं। लालू प्रसाद यादव ने केवल राजनीति ही नहीं की, बल्कि विपक्ष के साथ कंधे से कन्धा मिलाकर खड़े दिखाई दिए। इस प्रकार की राजनीति करना किसी भी दल के लिए भी ठीक नहीं और देश के लिए भी ठीक नहीं मानी जा सकती। भ्रष्टाचार किसी भी स्तर का हो, जिसने भी किया है, उसके विरोध में कार्यवाही होना ही चाहिए। आम आदमी पार्टी भी यही कहकर दिल्ली की सत्ता पर विराजमान हुई थी। जो अब अपने सिद्धांत से परे जाती हुई दिखाई दे रही है।

हम जानते हैं कि आम आदमी पार्टी के नेताओं ने राजनीति प्रारम्भ करने से पूर्व अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उस समय कांग्रेस की केंद्र सरकार के भ्रष्टाचार के कारण पूरा देश उबाल में था। इसी कारण अन्ना हजारे के आंदोलन को व्यापक रूप से सफलता मिली। इसके बाद एक ईमानदार राजनीतिक दल के रूप में आम आदमी पार्टी की स्थापना की गई। बड़े बड़े वादे करके आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त करके सरकार बना ली। लेकिन इसके बाद क्या हुआ। जब इनको सत्ता की चासनी चखने को मिली तो यह बौरा गए और फिर वही खेल शुरू हो गया जो चलता आया है। आम आदमी पार्टी पर भ्रष्टाचार करने के जो आरोप लगे हैं, वह अभी जांच की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। जांच होने के बाद यह तय हो जाएगा कि कौन कितने पानी में है।

दिल्ली के शराब घोटाले में जिस प्रकार से साजिश की बात कही जा रही है, उससे यह तो कहा जा सकता है कि इसमें साजिश हो सकती है। क्योंकि अगर मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल शराब घोटाले के मुख्य सूत्रधार साबित होते हैं तो यह भी एक साजिश ही मानी जाएगी, लेकिन अगर अरविन्द केजरीवाल को फंसाया गया है तो यह गंभीर साजिश ही कही जाएगी। फिलहाल इस मामले में जल्दबाजी करना ठीक नहीं होगा, क्योंकि अब यह मामला बहुत ही गंभीर हो गया है। जिसकी परतें उघड़ना बाकी हैं। अंदर क्या निकलता है, इसे देखने के लिए प्रतीक्षा करनी होगी।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

कंबोडिया गृहयुद्ध पर फिल्म बनाएंगे सिद्धार्थ आनंद

अयोध्या विवाद का हल निकालने के लिए पहल करके आखिरी बार सुर्खियों में आए आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर अब अपनी इंटरनेशनल ब्रांडिंग को फिर से चमकाने जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने खुद को केंद्र में रखकर एक हिंदी कमर्शियल फिल्म बनाने का फैसला किया है। कहानी कंबोडिया के गृहयुद्ध की पृष्ठभूमि में है और इसके निर्देशन करने का जिम्मा मिला है 'वॉर' और 'पठान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद को। सिद्धार्थ आनंद की पिछली फिल्म 'फाइटर' इस साल 25 जनवरी को रिलीज हुई थी और अपनी लागत के अनुरूप कारोबार करने में सफल नहीं हो पाई थी। इस फिल्म को बनाने के लिए सिद्धार्थ ने अपनी खुद की कंपनी मारफ्लिक्स की स्थापना भी की थी। लेकिन, ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की बड़े परदे पर पहली बार जोड़ी बनाने में सफल रहे सिद्धार्थ इस फिल्म को सफल बनाने में कामयाब नही रहे।

जनवरी के बाद से सिद्धार्थ आनंद को लेकर कोई खोज खबर नही रही है। यशराज स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों पर नजर रखने वालों का भी यही कहना रहा कि फिल्म 'पठान' के हिट होने के बाद उनके जैसे भी तेवर रहे हैं, उसी के चलते उनकी इस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'टाइगर वर्सेज पठान' की मेकिंग आगे खिसकी। उनकी खुद की हिट फिल्म 'पठान' का सीक्वल यशराज फिल्म्स में रहते हुए 'टाइगर जिंदा है', 'सुल्तान' और 'भारत' जैसी ब्लॉकबस्टर दे चुके अली अब्बास जफर करने जा रहे हैं।

सिद्धार्थ आनंद की अगली फिल्म इस बीच शनिवार को घोषित हुई। केंद्र की एनडीए सरकार में अच्छी पकड़ रखने वाले फिल्म निर्माता महावीर जैन इस फिल्म के रचयिता माने जा रहे हैं और जानकारी के मुताबिक सिद्धार्थ की ये फिल्म एक अंतर्राष्ट्रीय थ्रिलर के रूप में बनेगी। ये फिल्म आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के जीवन की एक सच्ची घटना से प्रेरित होगी। फिल्म के निर्माण से वाकिफ लोगों का कहना है कि इस फिल्म में श्री श्री रविशंकर भी परदे पर दिखेंगे या नहीं, ये तो अभी स्पष्ट नहीं है लेकिन ये कहानी कंबोडिया के गृहयुद्ध पर आधारित है जिसे खत्म कराने में श्री श्री रविशंकर की बड़ी भूमिका होने का दावा किया जाता रहा है। श्री श्री रविशंकर के एक अनुयायी बताते हैं कि उनके गुरु ने ही कंबोडिया की इस समस्या का अंत बिना एक भी गोली चले करा दिया था। लैटिन अमेरिकी पृष्ठभूमि पर बनने वाली इस फिल्म का नाम अभी तक तय नहीं हुआ है, हालांकि इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों की खोज शुरू हो चुकी है।

रवि तेजा के साथ रोमांस करेंगी उर्वशी रौतेला!

बॉलीवुड की हॉट और खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक है उर्वशी रौतेला। ज्यादातर फिल्मों में साइड रोल्स निभा चुकी उर्वशी के हाथ अब एक साउथ की बड़ी फिल्म लगी है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार उर्वशी फिल्म प्रजाला मनीषी में रवि तेजा की नायिका बनेंगी। लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ज्यादातर सिजलिंग हॉट स्पेशल डांस नंबर्स में नजर आती हैं। मेगास्टार चिरंजीवी की फिल्म वाल्टेयर विरय्या में बोसु वेयर इज द पार्टी गाने से तहलका मचाने के बाद, उर्वशी ने पवन कल्याण की बीआरओ और राम की स्कंद में भी जलवे बिखेर चुकी हैं। अब उर्वशी, साउथ सुपरस्टार रवि तेजा के साथ फिल्म प्रजाला मनीषी में नजर आएंगी। प्रजाला मनीषी एक हाई-वोल्टेज मास एक्शन एंटरटेनर फिल्म होगी। उर्वशी ने टॉलीवुड में मुख्य अभिनेत्री के रूप में एक और प्रोजेक्ट साइन किया है, जिसका पूरा श्रेय उनके वाल्टेयर विरय्या और एनबीके109 के निर्देशक बॉबी को जाता है। बॉबी ने उर्वशी को युवा तेलुगु अभिनेत्री डिंपल हयाती के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुन लिया है। प्रमुख प्रोडक्शन हाउस, पीपल मीडिया फैक्ट्री, इस प्रोजेक्ट का निर्माण करेगा। प्रजाला मनीषी अगले साल रिलीज हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ सुपरस्टार रवि तेजा एक बार फिर के एस रविंद्र के साथ काम करेंगे, क्योंकि उनकी पहली फिल्म पॉवर बॉक्स-ऑफिस पर हिट रही थी। इस फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू हो सकती है। यह फिल्म एक दमदार मास एंटरटेनर होगी और इसका नाम प्रजाला मनीषी है। यह फिल्म का वर्किंग टाइटल है और टीम सही समय पर टाइटल की घोषणा करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रवि तेजा की आगामी फिल्म प्रजाला मनीषी में उनके अपोजिट उर्वशी रौतेला और डिंपल हयाती मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। बड़े बैगन पर बनने वाली इस फिल्म को मीडिया फैक्ट्री निर्माण करेगी। इस फिल्म को बहुत बड़े बजट पर बनाया जाएगा। रवि तेजा, हरीश शंकर की मिस्टर बच्चन और भानु भोगवरपु द्वारा निर्देशित अपनी अनाम 75वीं फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। वे इस साल इन दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी कर लेंगे। इसके बाद अगले साल फिल्म प्रजाला मनीषी की शूटिंग शुरू होगी।

शाहरुख-सुहाना की किंग के लिए खोजा जा रहा विलेन! दक्षिण भारतीय अभिनेता को लाने का है प्लान!

पिछले साल पठान और जवान से शानदार वापसी करने वाले शाहरुख खान अब अपनी नई फिल्म को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम किंग है। खास बात यह है कि इसमें उनकी बेटी सुहाना खान भी अभिनय करती हुई दिखाई देंगी। अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। आजकल बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कलाकार एक साथ मिलकर खूब काम कर रहे हैं। पिछली कई फिल्मों से इस चलन में तेजी देखने को मिली है। शाहरुख खान की किंग फिल्म को लेकर भी इसी तरह की खबर आ रही है। तेलुगु 123 की एक रिपोर्ट के अनुसार, किंग के निर्माता इस फिल्म में विलेन के रोल के लिए किसी दक्षिण भारतीय अभिनेता को शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। शाहरुख खान की फिल्म जवान में विलेन के रोल में दक्षिण भारतीय अभिनेता विजय सेतुपति ने काम किया था। अब देखना होगा कि किंग के निर्माता इस फिल्म में किस अभिनेता को लेकर आएंगे। बता दें कि यह सुहाना खान की पहली फिल्म होगी, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उनकी डेब्यू फिल्म द आर्चीज ओटीटी पर रिलीज हुई थी। किंग का निर्देशन सुजॉय घोष करेंगे, जो इससे पहले कहानी, कहानी 2, जाने जान, बदला और तीन समेत कई फिल्में बना चुके हैं। कहा जा रहा है कि किंग में शाहरुख खान एक कुख्यात डॉन की भूमिका निभाने वाले है। यह फिल्म 2025 में रिलीज हो सकती है।

रिश्तों में सबसे महत्वपूर्ण चीज बातचीत है

एमटीवी का डेटिंग रियलिटी शो एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स5 - एक्सस्क्वीज मी प्लीज सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है। शो को एक्ट्रेस सनी लियोन होस्ट कर रही हैं। उन्होंने रिश्तों के हर पहलू पर काम करने वाले की फैक्टर को शेयर किया। शो के लेटेस्ट एपिसोड के दौरान, सनी ने कहा, रिश्तों में सबसे इम्पोर्टेन्ट चीज क्या होती है? कम्युनिकेशन। हमारे आइडियल मैच के लिए बेकेशन का समय आ गया है। शोडाउन के बाद, नायरा और दिग्विजय ने आइडियल मैच जीत लिया। बाद में, हर्ष ने खुलासा किया कि कशिश को छोड़ने का उसका फैसला एडी के दिमाग की उपज था। इससे कशिश हैरान और दुखी हो गई। एमटीवी स्प्लिट्सविला एक्स5 - एक्सस्क्वीज मी प्लीज एमटीवी और जियो सिनेमा पर उपलब्ध है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, सनी ने हाल ही में तमिल फिल्म कोटेशन गैंग का फर्स्ट लुक जारी किया, इसमें ग्लैमरस अवतार को छोड़ वह एक ग्रामीण माफिया सदस्य की भूमिका में नजर आ रही हैं। इस पोस्टर में उन्होंने एक्टर जैकी श्रॉफ की गर्दन पकड़ी हुई है। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ के अलावा द फैमिली मैन फेम प्रियामणि भी लीड रोल में हैं। इसके अलावा, सनी के पास लेखक अनुराग कश्यप की कैनेडी भी है। इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था और जल्द ही इसे सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा, वह हिमेश रेशमिया और प्रभुदेवा के साथ एक अनटाइटल फिल्म पर भी काम कर रही हैं। उनके अपकमिंग मलयालम प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

उनकी लाइफ की बात करें तो सनी लियोनी का जन्म 13 मई 1981 को कनाडा में पंजाबी परिवार में हुआ। उनका असली नाम करनजीत कौर वोहरा है। 2003 में पॉर्न इंडस्ट्री में आने से पहले सनी ने बेकरी और टैक्स एंड रिटायरमेंट फर्म में काम किया था। उन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस 5 में बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री ली। फिर डायरेक्टर महेश भट्ट ने उन्हें जिस्म 2 का ऑफर दिया। इस फिल्म में सनी के साथ रणदीप हुड्डा नजर आए। इसके बाद उन्हें बैक टू बैक फिल्में मिलती गई। उन्होंने जैकपॉट, रागिनी एमएमएस 2, एक पहेली लीला, कुछ-कुछ लोचा है, मस्तीजादे, वन नाइट स्टैंड (2016) जैसी कई फिल्मों में काम किया है। एक्टिंग से अलग, 2016 में सनी लियोनी ने अपना खुद का कॉस्मेटिक ब्रांड लॉन्च किया था।

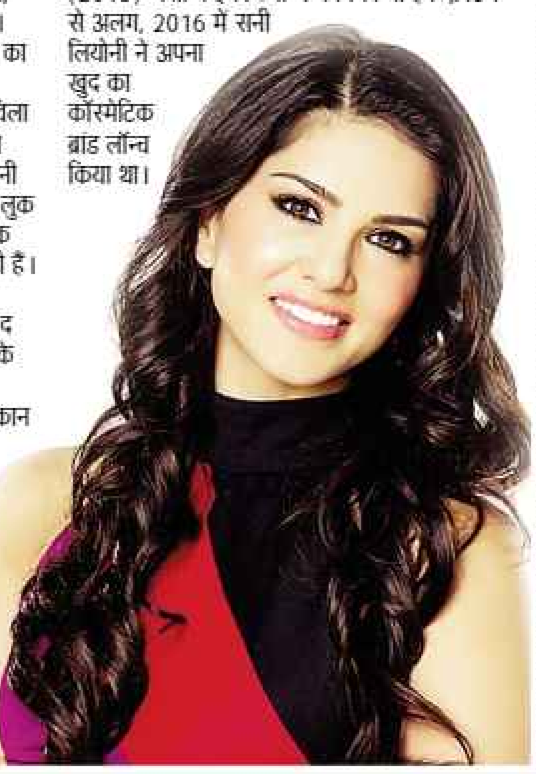

शुभावी चोकसी ने दिल को तुमसे प्यार हुआ में अपने किरदार का किया खुलासा

दिल को तुमसे प्यार हुआ में एक्ट्रेस शुभावी चोकसी खास किरदार में नजर आएंगी। वह चिराग की मां लावण्या मित्तल की भूमिका निभाएंगी। एक्ट्रेस ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। शुभावी ने कहा, मेरा किरदार लावण्या एक अलग जगह से है, जहां वह अपने किरदार के अनुभवों के चलते बाहरी दिखावे को महत्व देती है। मैं शो की लावण्या से बिल्कुल अलग हूं। उन्होंने कहा, हमारे कलाकार, क्रू और क्रिएटिव टीम शो दिल को तुमसे प्यार हुआ की कहानी में प्रामाणिकता लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। दिल को तुमसे प्यार हुआ में अदिति त्रिपाठी (दीपिका) और अक्षित सुखिजा (चिराग) मुख्य भूमिकाओं में हैं। राजस्थान की पृष्ठभूमि पर आधारित यह शो दीपिका और चिराग की कहानी है, जो अलग-अलग बैकग्राउंड से आते हैं, लेकिन उनकी सोच और जिंदगी को देखने का नजरिया एक जैसा है। प्रोमो में अदिति त्रिपाठी (दीपिका), अक्षित सुखिजा (चिराग) और उर्वशी परदेशी (जाह्नवी) को दिखाया गया है। दीपिका की सौतेली मां और सौतेली बहन उसके साथ बुरा बर्ताव करती हैं। इस बीच उसकी मुलाकात एक रक्तदान शिविर में चिराग से होती है, जो पेशे से डॉक्टर है। रक्तदान शिविर में दीपिका की दयालुता को देख चिराग उसे पसंद करने लगता है। बाद में चिराग का परिवार जान्हवी के लिए शादी का प्रस्ताव लेकर उनके घर जाता है, जहां चिराग जान्हवी के बजाय दीपिका से शादी करने की बात कहता है, जिसे सुन सभी हैरान रह जाते हैं। दिल को तुमसे प्यार हुआ स्टार प्लस पर 15 जुलाई से शाम 7 बजे प्रसारित होगा। वर्कफ्रंट की बात करें तो शुभावी को क्योंकि सास भी कभी बहू थी, जस्सी जैसी कोई नहीं, कहानी घर घर की, कसौटी जिंदगी की, बड़े अच्छे लगते हैं 2, तुझ संग प्रीत लगाई और अन्य शो में उनके काम के लिए जाना जाता है।

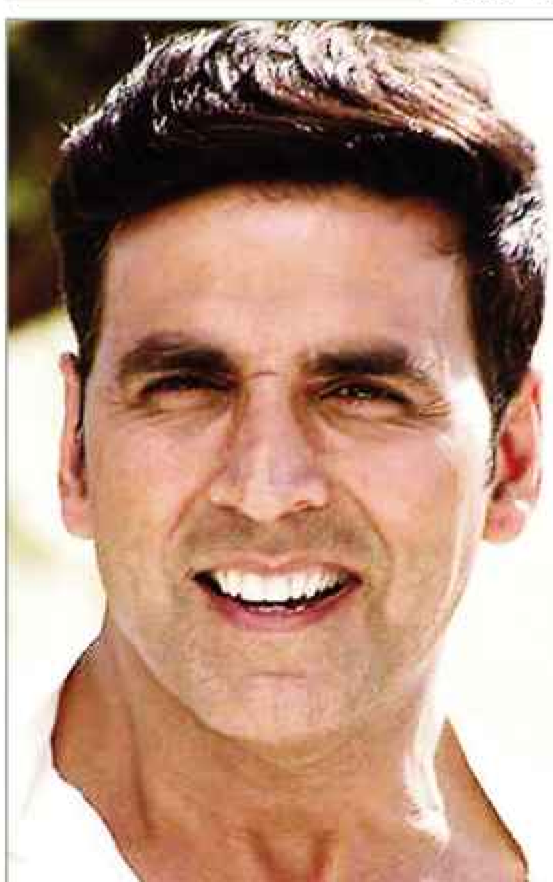

गरम मसाला को अक्षय कुमार ने बताया सबसे कठिन फिल्म

अक्षय कुमार हिंदी सिनेमा के मशहूर और लोकप्रिय अभिनेता हैं। उन्होंने बीते दिन दशक से भी ज्यादा समय से लगातार दर्शकों का मनोरंजन किया है। इस दौरान उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में दी हैं। अक्षय इंडस्ट्री में बतौर एक्शन हीरो आए और फिर उन्होंने कॉमेडी से लेकर गंभीर और वास्तविक किरदार भी निभाए। अपने पूरे करियर में उन्होंने अपनी फिल्मों के माध्यम से अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता का लोहा मनवाया है। इस बीच उन्होंने अपने करियर की सबसे कठिन फिल्म को लेकर बात की है। अक्षय इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'सरफिरा' को लेकर चर्चा में हैं। उनकी इस फिल्म को दर्शकों और आलोचकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस फिल्म का निर्देशन सुधा कोंगरा द्वारा किया गया है। यह फिल्म कम पैसों में यात्रा कराने वाली एयरलाइन सिंपलीफ्लाई डेक्कन के संस्थापक जीआर गोपीनाथ के जीवन से प्रेरित है। इसमें अभिनेता एक गंभीर किरदार में नजर आए है। इस फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने फिल्म 'गरम मसाला' को अपने करियर की सबसे कठिन फिल्म बताया है। एक्शन हीरो के तौर पर मशहूर अभिनेता ने इस फिल्म में एक गंभीर किरदार निभाया है। हालांकि, उन्होंने कई फिल्मों में अपनी कॉमेडी से भी दर्शकों का दिल जीता है। हाल में ही गलाटा प्लस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उनके लिए साल 2005 की हिट कॉमेडी 'गरम मसाला' सबसे मुश्किल फिल्म थी। इस दौरान अभिनेता ने बताया कि निर्देशक प्रियदर्शन उनसे लंबे-लंबे शॉट लेते थे,जिसको करते समय वह हांफने लगते थे। वह एक लड़की से बात कर रहे होते हैं, अचानक उन्हें दूसरी लड़की से बात करना पड़ जाता था । इस दौरान दूसरे से मिलते वक्त उनका किरदार भी बदलता जाता है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की शूटिंग उनके लिए किसी नाटक के जैसी थी, क्योंकि एक समय में कई किरदार एक साथ अभिनय करते थे। इस वजह से यह उनके लिए यह सबसे कठिन फिल्म लगती है।

बिग बॉस ओटीटी से कटा वड़ा पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित का पत्ता!

बिग बॉस ओटीटी धमाकेदार तरीके से आगे बढ़ रहा है। रियलिटी शो से लड़ाई-झगड़ों और ड्रामों का डबल डोज मिल रहा है। वहीं, अनिल कपूर के जरिए होस्ट किए जाने वाले इस शो से एक के बाद एक प्रतियोगी बाहर हो रहे हैं। इसी कड़ी में आज शो से बाहर होने वाले प्रतियोगी को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट की मानें तो वोटों की कमी के कारण चंद्रिका दीक्षित उर्फ वड़ा पाव गर्ल घर से बाहर हो गई हैं। इससे चंद्रिका और उनके प्रशंसकों को तगड़ा झटका लगा है।

विंबलडन

अल्कराज ने लगातार दूसरी बार जीता विंबलडन का खिताब

लंदन,एजेंसी। 21 साल के स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच को रविवार को खेले गए विंबलडन फाइनल में मात देकर दूसरी बार खिताब जीत लिया। विंबलडन में पिछले साल फाइनल में भी नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कराज आमने-सामने थे।

लगभग 5 घंटे तक चले रोमांचक मुकाबले में आखिरकार बाजी अल्कराज के हाथ लगी थी। इस बार भी अल्कराज ने पिछले विंबलडन के फाइनल का नतीजा दोहराते हुए जोकोविच को 6-2, 6-2, 7-6 से मात दी। यह अल्कराज के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले कार्लोस अल्कराज ने 2022 में यूएस ओपन जीता था। पिछले साल उन्होंने विंबलडन जीता था और इस साल फ्रेंच ओपन का खिताब जीता। इसके साथ ही 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच के लिए साल 2024 में खिताब का सूखा जारी है। गेम की शुरुआत से ही अल्कराज जोकोविच पर हावी दिखे और इस दौरान जोकोविच अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थे। यही स्थिति दूसरे सेट में भी जारी रही। हालांकि, जोकोविच ने तीसरे सेट में वापसी की कोशिश की और 4-5 से पिछड़ने के बाद अगला गेम जीतकर साबित कर दिया कि वे आसानी से हार नहीं मानने जा रहे हैं।

उ न्होंने तीसरे सेट का छठा गेम भी अपने नाम कर लिया, जिसके बाद तीसरा सेट टाई-ब्रेकर में चला गया। जोकोविच ने टाई-ब्रेकर में भी 3-3 से गेम को बराबर करके युवा अल्कराज को बहुत आसान जीत हासिल नहीं करने दी। हालांकि, तीनों सेट में अल्कराज की निरंतरता देखने लायक थी और उन्होंने टाई-ब्रेकर को 7-4 से जीतकर विंबलडन का दूसरा खिताब अपने नाम किया।

इस मैच में अल्कराज ने बैकहैंड का भी शानदार इस्तेमाल करते हुए पेस जेनरेट की और जोकोविच को लगातार बैकफुट पर रखा। नोवाक जोकोविच ने सात बार विंबलडन खिताब जीते हैं। लेकिन, आठवां खिताब जीतकर रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी करने से चूक गए। अगर जोकोविच यह खिताब जीत जाते तो विंबलडन के इतिहास में ऐसा करने वाले सबसे ज्यादा उम्र के खिलाड़ी भी बन जाते।

सचिन तेंदुलकर ने दी अल्काराज को खिताब जीतने पर बधाई, कहा- अब टेनिस पर एक ही राज करेगा..

टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट विंबलडन 2024 के पुरुष एकल मुकाबले में अल्काराज ने जोकोविच को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। अल्काराज की ऐतिहासिक जीत पर क्रिकेट के भगवान ने भी उन्हें बधाई दी।

अल्काराज को मिली कामयाबी

इस मुकाबले में अल्काराज ने सर्बियाई स्टार को सीधे सेटों में हरा दिया। उन्होंने अपने करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इसके अलावा अपने पिछले ग्रैंड स्लैम खिताब का बचाव किया। 36 वर्षीय सर्बियाई स्टार के पास अपनी पिछली हार का बदला लेने का सुनहरा मौका था। हालांकि, वह इसे भुना नहीं पाए और अल्काराज ग्रैंड स्लैम खिताब का बचाव करने में कामयाब रहे।

भारत के महान बल्लेबाज ने दी बधाई

अल्काराज को उनको ऐतिहासिक जीत के लिए सचिन तेंदुलकर ने बधाई दी। उन्होंने कहा, अबसे टेनिस पर एक ही राज करेगा, वो है अल्काराज।

विश्व स्तरीय प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सीधे सेटों में विंबलडन का फाइनल जीतना कोई मजाक नहीं है। उस तरह की गति, शक्ति, प्लेसमेंट और ऊर्जा के साथ, ऐसा लगता है कि आने वाले वर्षों में यह कार्लोस अल्काराज के लिए फायदेमंद होने वाला है।

स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया और चौथी बार जीता यूरो खिताब

बर्लिन, एजेंसी। सब्स्टीट्यूट मिकेल ओयारज़ाबल ने समय से चार मिनट पहले गोल करके स्पेन को रविवार को इंग्लैंड पर 2-1 की यूरो 2024 की जीत और रिकॉर्ड चौथी बार यूरोपीय खिताब दिलाया, जबकि गैरेथ साउथगेट की टीम लगातार दूसरे फाइनल में हार गई। ओयारज़ाबल ने मार्क कुकुरेला के साथ मिलकर विजयी गोल के लिए तेजी से जवाबी हमला किया, जिससे स्पेन को चैंपियन का ताज पहनाया गया, जिसने टूर्नामेंट में खेले गए सभी सात मैच जीते थे। पहला हाफ दोनों टीमों के प्रयासों के बावजूद गोलरहित रहा। मैच के तीनों गोल दूसरे हाफ में हुए।

बेहद सतर्क पहले हाफ के बाद जहां स्पेन के पास अधिक कब्ज़ा था और उनके विरोधियों को लक्ष्य पर एकमात्र शॉट मिला। दूसरे हाफ में खेल फिर से शुरू होने के बाद स्पेनियों को गतिरोध तोड़ने में केवल दो मिनट लगे। किशोर लेमिन यामल को दाहिनी ओर जगह मिली और साथी विंगर निको विलियम्स को क्रॉस दिया जिन्होंने गोल दागने में कोई गलती नहीं की जिससे इंग्लैंड लगातार चौथे मैच में पिछड़ गया।

इसके बाद स्पेन ने कई हमलों के साथ इंग्लैंड की पहले से ही मजबूत रक्षा पंक्ति को तोड़ दिया। इंग्लैंड के बॉस गैरेथ साउथगेट ने एक घंटे के बाद अप्रभावी हैरी केन के स्थान पर सेमीफाइनल के गोलस्कोरिंग स्थानापन्न नायक ओली वॉटकिंस को भेजकर प्रतिक्रिया व्यक्त की, पिछले महीने के उनके सबसे रचनात्मक खिलाड़ी कोल पामर 10 मिनट बाद उनके साथ शामिल हो गए।

इसका फ़ायदा लगभग तुरंत ही मिला जब जूड बेलिंगहैम ने गेंद को वापस पामर के रास्ते में डाल दिया और स्थानापन्न खिलाड़ी ने 73वें मिनट में 20 मीटर का एक सटीक शॉट लगाकर बराबरी का गोल दाग दिया। इंग्लैंड के प्रशंसकों की भीड़, जिनकी संख्या उनके प्रतिद्वंद्वियों से काफी अधिक थी, में विस्फोट हो गया और रात का पूरा माहौल बदल गया। हालाँकि, स्पेन ने तूफान का सामना किया और 68वें मिनट में आए ओयारज़ाबल ने हमला कर दिया।

दूसरे छोर पर अभी भी अधिक नाटक का समय था क्योंकि स्पेन के गोलकीपर उनाई साइमन ने एक कोने से डेक्लान राइस के हेडर को रोक दिया और दानी ओल्मो ने मार्क गुही के फॉलो-अप को लाइन पर रोक दिया। इंग्लैंड को बराबरी से मिली राहत ज्यादा देर तक टिकी नहीं रह सकी। स्थानापन्न मिकेल ओयारज़ाबल ने निर्धारित समय से चार मिनट पहले स्पेन के लिए विजयी गोल दाग कर इंग्लैंड की उम्मीदों को फिर तोड़ दिया।

इंग्लैंड और स्कॉटलैंड दौरे के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व कप विजेता कप्तान पैट कमिंस कार्यभार प्रबंधन के तहत ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के आगामी इंग्लैंड दौरे पर नहीं जाएंगे जबकि मिचेल स्टार्क टी20 श्रृंखला नहीं खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया को सितंबर में स्कॉटलैंड के खिलाफ तीन टी20 और इंग्लैंड के खिलाफ पांच वनडे मैच खेलने हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि यह पहले से तय था कि अगले साल होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी के मद्देनजर कार्यभार प्रबंधन के तहत कमिंस नहीं खेलेंगे। मिचेल मार्श टीम के कप्तान होंगे। युवा बल्लेबाज जैक फ्रेसर मैकगर्क को वनडे और टी20 दोनों टीमों में जगह मिली है। ऑस्ट्रेलिया 50 ओवरों के प्रारूप में विश्व कप चैम्पियन है और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप खिताब भी जीता है लेकिन टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंचा।

टी20 टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जैक फ्रेसर मैकगर्क, कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

वनडे टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कारी, नाथन एलिस, जैक फ्रेसर मैकगर्क, आरोन हार्डी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, एडम जम्पा।

शतरंज

सुपर यूनाइटेड रैपिड शतरंज करूआना रहे शीर्ष पर

जागरेब , क्रोसिया, एजेंसी। सुपर यूनाइटेड रैपिड शतरंज टूर्नामेंट के तीनों दिन के खेल के बाद यूएसए के विश्व नंबर 3, फबियानो करूआना, ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए कुल 15 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया।

इससे पहले रोमानिया क्लासिक का खिताब अपने नाम करने वाले करूआना इस समय जोरदार लय में नजर आ रहे हैं। तीसरे दिन करूआना ने अपने तीनों मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए किसी को कोई मौका नहीं दिया और रैपिड में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने दिन की शुरुआत भारत के डी गुकेश को मात देकर की और उसके बाद नीदरलैंड के अनीश गिरि और फ्रांस के मकसीम लागरेव को पराजित किया। अब देखना यह होगा कि क्या ब्लिट्ज शतरंज में भी वह अपना यह प्रदर्शन बरकरार रखते हुए एक और खिताब अपने नाम करेंगे। भारत के डी गुकेश ने रैपिड में 9 अंक बनाकर सातवां और विदित ने 4 अंक बनाकर नौवां स्थान प्राप्त किया।

इस शानदार प्रदर्शन के बाद, फबियानो करूआना अब ब्लिट्ज शतरंज में भी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह एक और खिताब अपने नाम करेंगे।

आईएचफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में भारत दोनों वर्गों में चैंपियन

● बांग्लादेश दोनों वर्ग में उपविजेता रही

जयपुर, एजेंसी। मेजबान भारत ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में रविवार को संपन्न आईएचफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में यूथ व जूनियर वर्ग का खिताब अपने नाम किया। यूथ वर्ग के खिताबी मुकाबले में भारत ने बांग्लादेश को 56-36 से हराया। मध्यांतर तक भारत ने 31-14 से बढ़त बना रखी थी। मालदीव को हरा नेपाल ने तीसरा स्थान हासिल किया।

जूनियर वर्ग के फाइनल ने भारत ने बांग्लादेश को 55-25 से हराया। हाफ टाइम तक भारत 31-16 से आगे था। नेपाल को हराकर मालदीव तीसरे स्थान पर रहा। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता व राजस्थान के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र राठौड़ थे। समारोह की अध्यक्षता हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने की। जबकि विशिष्ठ अतिथि दक्षिण एशियाई हैंडबॉल महासंघ के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पांडे, पीएचएल के ओनर अभिनव बाठिया, विज्ञान लोढ़ा, आईएचएफ़ के लेक्चरर ट्यूनीशिया से समीर मैक्लॉफ़ व कुवैत से डॉ. ख़ालिद अल्सारजी व टेबिल्टन इंडिया के निदेशक डॉ. सौरभ जैन थे। हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह ने बताया कि आईएचफ़ ट्रॉफी हैंडबॉल में यूथ व जूनियर वर्ग में चार देशों मेजबान भारत, नेपाल, मालदीव व बांग्लादेश की टीमों ने भाग लिया। जबकि निर्णायक कतर व कुवैत से आये थे। जबकि आईएचएफ़ के लेक्चरर ट्यूनीशिया से समीर मैक्लॉफ़ व कुवैत से डॉ. ख़ालिद अल्सारजी आये। सभी देशों के खिलाड़ी व ऑफिशियल्स ने इस पाँच दिवसीय टूर्नामेंट आयोजन की बहुत बहुत प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि यह जयपुर में चौथी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता थी। इससे पहले 1996 में पहली दक्षिण एशियाई हैंडबॉल चैंपियनशिप (पुरुष व महिला), 2011 में आईएचएफ़ इंटर कांटीनेंटल ट्रॉफी व 2019 में एशियन यूथ महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें दस देशों की टीमों ने भाग लिया था।

यूथ वर्ग में मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर भारत के नवदीप को अतिरिक्त कमिश्नर इनकम टैक्स राजेंद्र शेखावत पुरस्कार दिया। जूनियर वर्ग के मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर भारत के अनूप को हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला व पीएचएल के ओनर अभिनव बाठिया ने पुरस्कार दिया।

57वां बील इंटरनेशनल शतरंज

प्रज्ञानन्दा और वैशाली करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

बील, स्विट्जरलैंड, एजेंसी। बील शतरंज महोत्सव का 57वां संस्करण इस शनिवार से शुरू हो रहा है, जो दुनिया भर के शतरंज प्रेमियों को आकर्षित करेगा।

इस बार दो राउंड रॉबिन ग्रांड मास्टर्स टूर्नामेंट होंगे- जीएमटी-मास्टर्स और जीएमटी-चैलेंजर्स, जिनमें प्रत्येक में छह खिलाड़ी भाग लेंगे जो क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में मुकाबला करेंगे । इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ी और विश्व नंबर 8, प्रग्गनानंधा देश का नेतृत्व करेंगे साथ ही 2762 रेटिंग वाले प्रज्ञानन्दा टूर्नामेंट के टॉप सीड होंगे , इस टूर्नामेंट में प्रज्ञानन्दा के अलावा - विन्सेंट केमर (जर्मनी), लियम क्वांग ले (वियतनाम), जावोखिर सिंदारोव (उजबेकिस्तान), हाइक मार्टिरोस्यान (आर्मेनिया) और अभिमन्यु मिश्रा (यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका) भाग लेंगे।

वहीं प्रज्ञानन्दा की बहन और भारत की नंबर 3 महिला खिलाड़ी आर वैशाली चैलेंजर्स वर्ग में भाग लेंगी चैलेंजर्स वर्ग में जोनास ब्जेरे (डेनमार्क), अलेक्जेंडर डोंचेंको (जर्मनी), सलेम सालेह (यूएई), मार्क एंड्रिया मौरिजी (फ्रांस) ,इहोर सामुनेन्कोव (यूक्रेन) भी भाग लेंगे।

इंडिया वर्सेस जिम्बाब्वे टी-20

टीम इंडिया ने जिम्बावे से 4-1 से जीती टी-20 सीरीज

हरारे, एजेंसी। भारतीय टीम ने रविवार को हरारे के मैदान में खेले गए 5वें टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी से हरा दिया। इस जीत से इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज को 4-1 से जीत लिया। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी के लिए बुलाया, जहां संजू सैमसन और रियान पराग ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 65 रन की साझेदारी की। शिवम दुबे ने डेथ ओवर्स में बल्लेबाजी की और टीम का स्कोर 167 रन तक पहुंचाया। भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 168 रन का लक्ष्य देकर मुकेश कुमार और शिवम दुबे की शानदार गेंदबाजी से उन्हें 18.3 ओवर में 125 रन पर ऑलआउट कर दिया।

भारतीय टीम के पावरप्ले के 6 ओवर में 40 रन पर 3 विकेट गिर गए थे, लेकिन संजू और रियान ने फिर टीम को संभाला।

संक्षिप्त समाचार

दिलजीत दोसांझ ने जीता कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो का दिल, खुद देने पहुंच गए सरप्राइज़

टोरंटो, एजेंसी। एक्टर और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ अपने गानों से सभी को अपना दीवाना बना लेते है। दिलजीत के फैन्स भारत ही नहीं विदेशों में भी है, यही वजह है कि उनके विदेशों में हो रहे म्यूजिक टूर का जलवा फैन्स के सिर चढ़कर बोल रहा है। दिलजीत दोसांझ ने इस समय कनाडा के टोरंटो शहर में एक म्यूजिक कंसर्ट के लिए गए हुए है। कनाडा के रोजर्स सेंटर में परफॉर्म कर रहे दिलजीत से मिलने के लिए खुद वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पहुंच गए। दरअसल, प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो दिलजीत के कंसर्ट में सरप्राइज विजिट पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने सिंगर के साथ लाइट मूवमेंट शेयर किए और फोटो क्लिक करवाई। प्रधानमंत्री ट्रूडो और दिलजीत दोसांझ दोनों ने इस मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर शेयर की है। ट्रूडो ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, दिलजीत दोसांझ के शो से पहले उन्हें गुड लक कहने के लिए रॉजर्स सेंटर पहुंच गया। कनाडा एक महान देश है, जहां पंजाब से आया एक लड़का इतिहास बना सकता है और स्टेडियम सोल्ड आउट कर सकता है। विविधता सिर्फ हमारी शक्ति ही नहीं है, ये हमारा सुपर पावर है। बता दें कि दिलजीत ने कनाडा में इतिहास रच दिया है। वह रॉजर्स सेंटर में शो करने वाले पहले पंजाबी आर्टिस्ट बन गए है और इस स्टेडियम के टिकट सोल्ड आउट हो गए। दिलजीत दोसांझ अपनी सिंगिंग की शुरुआत पंजाब से करते हुए राष्ट्रीय और फिर पूरे विश्व में छाते जा रहे है। वहीं, ट्रूडो ने दिलजीत की टीम और क्रू से भी मुलाकात की। इस दौरान सभी पंजाबी आ गए ओए बोलते नजर आ रहे है।

सोमालिया में कैफे के बाहर विस्फोट में पांच लोगों की मौत

मोगादिशु, एजेंसी। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में रविवार को एक कैफे के बाहर हुए बम विस्फोट में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सोमाली पुलिस के प्रवक्ता मेजर अब्दिफिताह अदेन हस्सा ने बताया कि कुछ लोग कैफे के अंदर टीवी पर स्पेन और इंग्लैंड के बीच यूरोपियन चैंपियनशिप फुटबॉल मैच का फाइनल देख रहे थे तभी बाहर एक कार में विस्फोट हो गया। यह कार विस्फोटकों से भरी हुई थी। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि हमले में कम से कम 20 अन्य लोग घायल हुए है। घटनास्थल की बताई जा रही कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर आई हैं जिनमें विस्फोट के बाद कैफे के बाहर आग दिखाई दे रही है। चश्मदीद इस्माइल अदेन ने फोन पर बताया, कुछ दर्शक कैफे की दीवार फांदने की कोशिश करते हुए घायल हो गए जबकि कुछ भगदड़ में घायल हो गए। उन्होंने कहा कि विस्फोट के समय अधिकतर पीड़ित सड़क पर थे।

नेपाल में भूस्खलन की चपेट में आई दो बसें नदी में बह गईं, 7 शव बरामद; मृतकों में तीन भारतीय शामिल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में शुक्रवार को भूस्खलन के कारण राजमार्ग से दो बसें उफनती नदी में बह गई, जिसके बाद कम से कम 66 लोग लापता बताए जा रहे हैं। सोमवार को बचावकर्मियों ने नदी से कुल सात शव बरामद किए हैं। बचावकर्मी नदी के किनारे अलग-अलग स्थानों पर शवों को खोजने में जुटे हुए है, जबकि लापता बसों और उनमें सवार लोगों की तलाश जारी है। सरकारी प्रशासक खीमा नंदा भूसल ने बताया कि शवों की पहचान कर ली गई है और उनके रिश्तेदारों से संपर्क किया गया है। मृतकों में तीन भारतीय हैं और बाकी चार नेपाली नागरिक हैं। जानकारी के लिए बता दें कि ये बसें काठमांडू को देश के दक्षिणी भागों से जोड़ने वाले प्रमुख राजमार्ग पर थीं। शुक्रवार की सुबह काठमांडू से लगभग 120 किलोमीटर (75 मील) पश्चिम में सिमलताल के पास बस बह गई थी। बचाव प्रयासों में मदद के लिए अतिरिक्त बचाव दल और सुरक्षा बलों को इलाके में भेजा गया है।

दर्जनों कुत्तों का उत्पीड़न कर उन्हें मारने वाले शख्स को होगी 249 साल की सजा!

कैनबराझ, एजेंसी। ब्रिटेन के एक शख्स ने हैवानियत और क्रूरता की सभी हदें पार कर दी है। 43 साल के इस शख्स पर दर्जनों जानवरों के साथ यौन शोषण और दुर्व्यवहार का आरोप है। ऑस्ट्रेलिया की एक अदालत ने इसे 249 साल जेल की सजा सुनाई है। जानकारी के मुताबिक एडम ब्रिटन नाम के इस शख्स जानवरों के लिए दुनिया का सबसे क्रूर व्यक्ति भी बताया गया है। अदालत से उसे 40 से ज्यादा कुत्तों के साथ बलात्कार, उत्पीड़न और हत्या का दोषी पाया है।

द मिरर की रिपोर्ट के अनुसार मगरमच्छों के विशेषज्ञ एडम ब्रिटन को ऑस्ट्रेलिया में 249 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। एडम पेशे से एक जूलॉजिस्ट हैं। खबरों के मुताबिक ब्रिटन पर पिछले साल एक शिपिंग कंटेनर के अंदर जानवरों के साथ दुर्व्यवहार और यौन शोषण से संबंधित 60 आरोप हैं। एडम ब्रिटन का जन्म 1971 में वेस्ट यॉर्कशायर में हुआ था। उसने यूनिवर्सिटी ऑफ़ लीड्स में जूलॉजी की पढ़ाई की और बाद में यूनिवर्सिटी ऑफ़ ब्रिस्टल से पीएचडी पूरी की थी। इससे पहले डार्विन विश्वविद्यालय में सीनियर रिसर्चर के रूप में काम करते समय उस पर जानवरों के साथ क्रूरता और यौन शोषण जैसे का आरोप लगाए गए थे। इसके अलावा उस पर बच्चों के साथ शोषण करने वाली चीजें रखने और उनका इस्तेमाल करने का भी आरोप है। एडम पर अब तक क्रूरता के 37 मामलों पर इल्जाम सच साबित हो चुका है।

कई चैनलों के साथ काम कर चुका है शख्स

ऐसा नहीं है कि यह कोई अनपढ़ व्यक्ति था। बीबीसी और नेशनल ज्योग्राफिक के साथ काम कर चुका एडम ब्रिटन एक प्रमुख प्राणीविज्ञानी है। उसने पिछली साल ऑस्ट्रेलिया की एक अदालत में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। उसने बताया था कि दर्जनों कुत्तों को तब तक प्रताड़ित किया, जब तक वे मर नहीं गए।

सैकड़ों साल बिताने पड़ सकते हैं जेल में: उसने बताया था कि यह सब कैमरे में भी कैद किया था। इतना ही नहीं, ब्रिटन ने 60 आरोपों के बीच बाल शोषण सामग्री को ऑनलाइन एक्सेस करने की बात भी कबूल की थी। बता दें, एडम पर दुष्कर्म, यातना और दर्जनों कुत्तों की मौत का आरोप लगाया गया है। उसे 249 साल की जेल हो सकती है।

न्यायाधीश ने लोगों को बाहर जाने को कहा: स्थानीय

मीडिया के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट में जब मामले की सुनवाई हो रही थी, तो न्यायाधीश ने लोगों को बाहर जाने के लिए कहा। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि अपराधों का उल्लेख डरावना था। इससे किसी कमजोर दिल वाले को नुकसान पहुंच सकता था। उन्होंने इस पूरे कृत्य को जानवरों के प्रति भयावह क्रूरता करार दिया।

नई रिपोर्ट से हलचल: जब लोग अंतिम फैसले का इंतजार कर रहे थे, तभी एडम के वकील ने एक नई रिपोर्ट पेश करके हलचल पैदा कर दी। वकील ने न्यायाधीश से इस रिपोर्ट पर विचार करने का अनुरोध किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेल में मनोवैज्ञानिक द्वारा करीब 30 घंटे तक उनका इलाज किया गया। इसकी रिपोर्ट में उनकी मौजूदा मानसिक स्थिति के बारे में बात की गई है। अपने मुवक्किल की सजा में कमी करने का अनुरोध करते हुए वकील ने कहा, यह एक इंसान है जो बचपन से ही इस बीमारी से पीड़ित है ... यह उसकी गलती नहीं है। यह महत्वपूर्ण है न्यायाधीश, यह विशेष बीमारी समाजों में एक अजीब सी स्थिती पैदा कर देती है। समाज के लोग ऐसे लोगों को अपने बीच में जगह नहीं दे पाते हैं। मुझे उम्मीद है कि अदालत यह स्वीकार कर सकती है कि वयस्क होने तक इस बीमारी के साथ जीना और इसे संभालना बहुत मुश्किल रहा होगा।

इससे पहले, पिछले साल हुई सुनवाई के दौरान अभियोजकों ने कहा था कि ब्रिटन की साल 2014 से जानवरों में रुचि थी। उसने अपने पालतू जानवरों के साथ-साथ उन कुत्तों का भी शोषण किया, जिन्हें मालिकों द्वारा छोड़ दिया गया था।

शिकार करने के लिए ऐसे ढूंढता था कुत्तों को: अदालत को अभियोजकों ने बताया था कि एडम ऐसे लोगों की तलाश करता था, जो लोग काम में व्यस्त हो और अपने जानवरों को उसे दे दें। वह लोगों के सामने झूठी कहानी बताता था या पुराने मालिकों को उनके पालतू जानवरों पर अपडेट के लिए पहुंचने के लिए पुरानी तस्वीरें भेजता था।

टॉर्चर रूम: अदालत को बताया गया था कि उसने एक रूम बनाया था, जिसमें रिकॉर्डिंग टूल से जोड़कर रखा था। इसी रूम में वह जानवरों के साथ दुर्व्यवहार करता था। अभियोजकों ने इस रूम को टॉर्चर रूम कहकर बुलाया था।

पिछले साल किया था गिरफ्तार: बता दें, जूलॉजी में पीएचडी करने वाले और चार्ल्स डार्विन विश्वविद्यालय में अकादमिक पद पर काबिज एडम ब्रिटन को साल 2022 में उत्तरी क्षेत्र की पुलिस ने ऐसी ही एक घटना का वीडियो देखने के बाद उसे गिरफ्तार किया था। अपराधी को दिसंबर में सजा सुनाई जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरफ्तारी से पहले, 18 महीनों में उसने 42 कुत्तों को प्रताड़ित किया, जिनमें से 39 की मौत हो चुकी है।

पैराफिलिया से पीड़ित है शख्स: सुनवाई के दौरान ब्रिटन की बचाव टीम ने कहा है कि एडम ने जो कुछ भी किया वह उसके लिए पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं था। उसकी टीम ने दावा किया है कि वह पिछले दो साल की अवधि के दौरान पैराफिलिया से पीड़ित था। लेकिन यह बीमारी क्या है और किसी भी इंसान को जानवरों के साथ यौन शोषण के लिए कैसे जिम्मेदार है जानकारों के मुताबिक पैराफिलिया असामान्य यौन व्यवहार या बार बार तीव्र यौन कल्पनाओं और फैंटसीज से जुड़ी है। यह स्थिति किसी व्यक्ति को असामान्य चीजों, गतिविधियों या किसी भी स्थिति में यौन गतिविधियों में शामिल होने के लिए उत्तेजित कर सकती है। पैराफिलिया से जुड़े व्यवहार कई बार गंभीर भी हो सकते हैं।

एक लड़की के लिए सबसे अच्छे पिता...

ट्रंप की रैली में मारे जाने वाले शख्स की बेटी ने क्यों कही ये बात याद में लिखा भावुक पोस्ट

वॉशिंगटन। पेंसिल्वेनिया की रैली में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जानलेवा हमले में बाल-बाल बच गए। मगर, इस गोलीकांड में ट्रंप को सुनने आए एक दर्शक की मौत हो गई है। दर्शक की पहचान 50 साल के अग्निशमन कर्मी कोरी कॉम्पेरेटोरे के रूप में हुई है। कोरी दो बच्चों के पिता थे।

पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने मीडिया को एक बयान में कहा कि हमने कल पेंसिल्वेनिया के एक साथी कोरी कॉम्पेरेटोरे को खो दिया। मैंने अभी-अभी उनकी पत्नी और उनकी दो बेटियों से बात की है। उन्होंने कहा कि पीड़ित धार्मिक किस्म का फायर फाइटर और एक उत्साही ट्रंप समर्थक था।

पेंसिल्वेनिया और अमेरिका के लिए चौंकाने वाली घटना- गवर्नर

जोश शापिरो ने शनिवार की हुई गोलीबारी को पेंसिल्वेनिया और अमेरिका के लिए चौंकाने वाली घटना बताई। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर जानलेवा हमला करने वाले शूटर की पहचान 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में हुई है। सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर ने उसे मौके पर ही मार गिराया। हालांकि शूटर के अपराध के पीछे के मकसद के बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

कोरी की बेटी ने पिता के लिए लिखा भावुक फेसबुक पोस्ट

कोरी कॉम्पेरेटोरे की बेटी ने अपने पिता के लिए एक भावुक फेसबुक पोस्ट लिखी है। उसने लिखा, वह एक लड़की के लिए सबसे अच्छे पिता थे। साथ ही कहा कि मीडिया आपको यह नहीं बताएगा कि वह वास्तविक जीवन के सुपर हीरो की तरह मरे।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर आतंकवाद के 12 नए मामले दर्ज, न्यायिक राहत के बाद भी आगे की राह कठिन

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लगातार दो न्यायिक राहत मिलने के बावजूद उनकी मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। वह रविवार को भी जेल में ही रहे, क्योंकि अधिकारियों ने उन पर आतंकवाद के आरोपों सहित नए मामले दर्ज कर दिए हैं। खान को पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने रविवार को गत नौ मई को हुए दंगों से संबंधित आतंकवाद के 12 नए मामलों में गिरफ्तार कर लिया। ये दंगे पिछले साल भ्रष्टाचार के एक मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद भड़के थे। पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पंजाब पुलिस की एक टीम रविवार को रावलपिंडी की अदियाला जेल पहुंची और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान को आतंकवाद के 12 मामलों में गिरफ्तार कर लिया, जो मुख्य रूप से लाहौर में उनके खिलाफ दर्ज थे, जिनमें एक सैन्य अधिकारी के घर पर हमला भी शामिल है। उन्होंने कहा कि पुलिस सोमवार को लाहौर में आतंकवाद निरोधक अदालत से खान की हिरासत की मांग करेगी। जिला एवं सत्र अदालत ने शनिवार को गैर इस्लामी शादी मामले में इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की दोषसिद्धि खारिज कर दी थी। हालांकि उसके शीघ्र बाद उन्हें राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने गिरफ्तार कर लिया था। यह राहत सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक महत्वपूर्ण फैसले में यह घोषित करने के एक दिन बाद आई कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय और चार प्रांतीय विधानसभाओं में महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटों के लिए पात्र थी। पिछले हफ्ते, लाहौर के एटीसी ने 9 मई के दंगों के तीन मामलों में खान की गिरफ्तारी से पहले की जमानत खारिज कर दी और पुलिस को पूछताछ के लिए उसकी हिरासत की अनुमति दे दी। खान पर पिछले साल 9 मई को लाहौर कोर कमांडर हाउस, जिसे जिन्ना हाउस, अस्करी टॉवर और शादमान पुलिस स्टेशन के नाम से जाना जाता है।

ट्रंप पर हमला करने वाले थॉमस की ये है हिस्ट्री, स्कूल में मिल चुका है स्टार अवॉर्ड

पेन्सिलवेनिया, एजेंसी। पेन्सिलवेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला करने वाले हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रुक्स की तस्वीर सामने आई है। ट्रंप पर गोली चलाने के कुछ ही सेकंड बाद सीक्रेट सर्विस ने हमलावर के सिर पर गोली मारकर उसका नामोनिशान खत्म कर दिया। अब संघीय जांच ब्यूरो ने थॉमस की तस्वीर जारी की है।

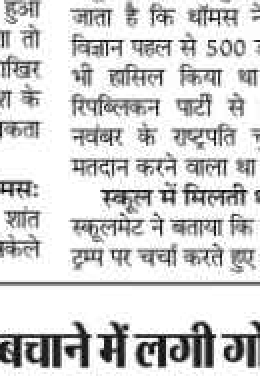

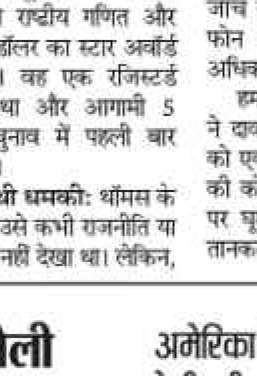

20 साल का युवा, आखों पर चशमा और कैमरे की तरफ देखकर मुस्कुराता हुआ चेहरा... इस तस्वीर को कोई भी देखेगा तो उसके जहन में बस यही आएगा की आखिर इतना मासूम सा दिखने वाला शख्स देश के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर गोली कैसे चला सकता है।

शांत और अकेले रहने वाला थॉमस: एजेंसी ने बताया कि थॉमस काफी शांत स्वभाव का इंसान था। वह काफी अकेले रहता था और 2022 में बेथेल पार्क हाई स्कूल से उसने ग्रेजुएशन पूरी की थी। बताया जाता है कि थॉमस ने राष्ट्रीय गणित और विज्ञान पहल से 500 डॉलर का स्टार अवॉर्ड भी हासिल किया था। वह एक रजिस्टर्ड रिपब्लिकन पार्टी से था और आगामी 5 नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में पहली बार मतदान करने वाला था।

स्कूल में मिलती थी धमकी: थॉमस के स्कूलमेट ने बताया कि उसे कभी राजनीति या ट्रम्प पर चर्चा करते हुए नहीं देखा था। लेकिन, उसे अक्सर स्कूल में धमकाया जाता था। एक छात्र ने स्थानीय अमेरिकी मीडिया को बताया कि वह शांत रहता था, लेकिन उसे धमकाया जाता था। उसे बहुत धमकाया जाता था।

ग्रेजुएशन होने के बाद, वह एक नर्सिंग होम में काम कर रहा था। हमले के बाद, उसकी कार के अंदर एक संदिग्ध उपकरण पाया गया, जिसकी अब बम तकनीशियनों द्वारा जांच की जा रही है। अधिकारी अब उसके फोन की भी जांच कर रहे हैं। सुरक्षा अधिकारियों को दी गई थी चेतावनी

हमले से पहले रैली में मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों को एक ऐसे व्यक्ति के बारे में चेतावनी देने की कोशिश की थी जो पास की छत से छत पर घूम रहा था और रैली की ओर बंदूक तानकर पेट के बल लेटा हुआ था।

ट्रंप की रैली में जान गंवाने वाला व्यक्ति था दमकलकर्मी, परिवार को बचाने में लगी गोली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले के दौरान हमलावर की गोली का शिकार हुए व्यक्ति की पहचान हो गई है। व्यक्ति का नाम कोरी कॉम्पेरेटोर था और वह पेशे से एक फायर फाइटर था। पीड़ित के परिवार का कहना है कि उन्हें बचाने के चक्कर में कोरी को गोली लगी। पेन्सिल्वेनिया के गवर्नर ने कोरी को हीरो बताया है।

पेन्सिल्वेनिया के गवर्नर ने कोरी को बताया हीरो: पेन्सिल्वेनिया के गवर्नर जोश शेपिरो ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बीती रात कोरी कॉम्पेरेटोर के रूप में हमने पेन्सिल्वेनिया के साथी को खो दिया है। मैंने अभी उनकी पत्नी और दो बेटियों से बात की है। गवर्नर ने बताया कि कोरी नियमित रूप से चर्च जाता था और पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा समर्थक था। वह अपने समुदाय और खासकर अपने परिवार से प्यार करता था। गवर्नर ने कोरी को हीरो बताया।

रैली के दौरान ट्रंप पर हुआ था हमला: रविवार को ट्रंप की रैली के दौरान हुई गोलीबारी में कोरी की मौत हो गई थी और दो अन्य लोग घायल हुए थे। घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। दोनों घायलों की पहचान अभी तक नहीं हुई है, लेकिन स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों स्थानीय लोग हैं। वहीं हमलावर की पहचान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में हुई है, जिसे हमले के तुरंत बाद सीक्रेट सर्विस स्नाइपर्स ने ढेर कर दिया था। हमले में ट्रंप बाल-बाल बच गए थे और गोली उनके कान को छूकर निकल गई।

परिवार को बचाने में गई जान: कोरी की बेटी एलिसन ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उसके पिता सबसे अच्छे थे और एक लड़की जैसा पिता चाहती है, वह वैसे ही थे। वह लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते थे और बहुत जल्दी लोगों को दोस्त बना लेते थे। एलिसन ने लिखा कि मीडिया आपको ये नहीं बताएगा कि वह एक सुपर हीरो की मौत मरे हैं। उन्होंने मुझे और मां को जमीन पर धक्का देकर गिरा दिया और खुद ढाल बनकर अपने सीने पर गोली खाई। कोरी के सम्मान में पेन्सिल्वेनिया के गवर्नर ने राज्य के झंडे को आधा झुकाने का आदेश दिया।

अमेरिका के बर्मिंघम नाइटक्लब में गोलीबारी, 4 लोगों की मौत, 13 घायल

बाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के बर्मिंघम, अलबामा में एक नाइटक्लब में हुई गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। बर्मिंघम के पुलिस अधिकारी ट्रूमैन फिट्जगेराल्ड ने बताया कि जांचकर्ताओं का मानना है कि कम से कम एक व्यक्ति ने 27वीं स्ट्रीट नॉर्थ पर स्थित नाइटक्लब में सड़क से गोलीबारी की। स्थानीय समयानुसार रात 11 बजे पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे तो उन्हें कई गोली लगने वाले लोग मिले। पुलिस ने बताया कि नाइटक्लब के अंदर दो महिलाओं और स्थल के पास फुटपाथ पर पाए गए एक पुरुष को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। फिट्जगेराल्ड के अनुसार, एक अन्य व्यक्ति की अस्पताल में मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि कई गोली लगने वाले लोग बाद में अस्पताल पहुंचे और रविवार की सुबह तक कम से कम नौ लोग अभी भी इलाज करवा रहे थे। पुलिस ने गोलीबारी में किसी भी संदिग्ध की पहचान नहीं की है और रविवार सुबह तक किसी की गिरफ्तारी की घोषणा नहीं की गई है।

भारत सरकार की पहल, 2024-25 के लिए अफगान छात्रों को 1,000 छात्रवृत्तियां की प्रदान

काबुल एजेंसी। भारत सरकार की पहल के तहत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए 1000 छात्रवृत्तियाँ घोषित करके अफगान छात्रों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार, ये छात्रवृत्तियाँ ई-विद्या भारती नेटवर्क परियोजना के माध्यम से ऑनलाइन स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए डिज़ाइन की गई हैं। अफगान नागरिकों के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना में व्यवसाय प्रशासन, वाणिज्य, कंप्यूटर विज्ञान, कला और अन्य सहित विभिन्न विषय शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य प्रतिष्ठित भारतीय केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों में उच्च शिक्षा के अवसरों का पीछा करने वाले अफगान छात्रों का समर्थन करना है।

आईलर्न पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 18 जुलाई 2024 को शुरू होगी। इच्छुक छात्रों को 24 जुलाई 2024 तक अपने आवेदन ऑनलाइन पूरे करने चाहिए। आवेदकों को सूचित

विकल्प बनाने के लिए टेली-एजुकेशन पोर्टल पर उपलब्ध कार्यक्रम/पाठ्यक्रम सूची को देखना चाहिए। आईलर्न पोर्टल छात्रवृत्ति आवेदनों के प्रबंधन और शैक्षणिक कार्यक्रमों और प्रवेश प्रक्रियाओं के बारे में आवश्यक जानकारी प्रसारित करने के लिए महत्वपूर्ण है। यह केंद्रीकृत दृष्टिकोण सभी संभावित अफगान विद्वानों के लिए पारदर्शिता और पहुँच सुनिश्चित करता है। सफल उम्मीदवारों को शैक्षणिक ट्यूशन और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत शैक्षणिक वातावरण के संपर्क से लाभ होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समग्र दृष्टिकोण का उद्देश्य अफगान छात्रों के बीच सीखने के अनुभव को समृद्ध करना और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करना है।

इस बीच, भारत ने पिछले साल इसी योजना के तहत अफ़गान छात्रों को 1,000 छात्रवृत्तियाँ भी दीं, जो अफ़गान शिक्षा के लिए उसके निरंतर समर्थन को दर्शाता है। ई-विद्याभारती नेटवर्क परियोजना के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा में परिवर्तन चुनौतीपूर्ण समय के बीच सुलभ शैक्षिक मार्गों को बनाए रखने के लिए भारत की लचीलापन और प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

ट्रंप पर हमले के लिए रूस ने बाइडन सरकार को ठहराया जिम्मेदार, कहा- हम जानते थे उनकी जान को खतरा है

मॉस्को, एजेंसी। ट्रंप पर हमले के कुछ घंटे बाद ही रूस ने इसके लिए बाइडन सरकार को जिम्मेदार ठहरा दिया। रूस का कहना है कि बाइडन सरकार ने ऐसा माहौल बना दिया है, जिसकी वजह से ट्रंप पर यह हमला हुआ। रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यह बाहर बैठे सभी समीक्षक जानते थे कि ट्रंप की जान को खतरा है। बता दें कि रविवार को पेन्सिल्वेनिया में एक रैली के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर हमला हुआ। हालांकि इस हमले में ट्रंप की जान बाल-बाल बच गई और उन पर चलाई गई गोली कान छूकर निकल गई। इस हमले में रैली में मौजूद एक शख्स की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। एफबीआई ने हमलावर की पहचान 20 साल के थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की है, जिसे मौके पर ही ढेर कर दिया गया। अभी तक हमले के पीछे की वजह का खुलासा नहीं हुआ है और इसकी जांच चल रही है। रूसी प्रवक्ता ने ट्रंप पर हुए हमले को लेकर कहा कि हम ये नहीं मानते कि ट्रंप पर जो हमला हुआ, उसके पीछे अमेरिका की मौजूदा सरकार है, लेकिन ये जरूर है कि मौजूदा सरकार ने ऐसा माहौल बना दिया है, जिसके चलते ट्रंप पर हमला हुआ और जिससे आज अमेरिका जूझ रहा है। पेसकोव ने कहा, ट्रंप को राजनीति से दूर करने के कई प्रयास हुए। पहले कानूनी औजारों का इस्तेमाल किया गया, फिर अदालतों का। ये स्वाभाविक था कि सभी बाहरी जानकार ऐसा मानते थे कि ट्रंप की जान को खतरा है। हालांकि राष्ट्रपति बाइडन ने ट्रंप पर हुए हमले की निंदा की और कहा कि अमेरिका में इस तरह की या किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

एएसआई ने पेट्रोल पंप कर्मचारी को कार से घसीटा, मुफ्त में भराना चाहता था पेट्रोल

-वीडियो वायरल होने के बाद हुआ सस्पेंड, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कन्नूर। मुफ्त में कोई चीज मिलने की बीमारी लगभग सभी में होती है। किसी को इसकी आदत पड़ जाती है। गाड़ी में मुफ्त का पेट्रोल लेने का चस्का सिर्फ पुलिसवालों को नहीं है। केरल के कन्नूर का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक गाड़ी पेट्रोल पंप कर्मचारी को कुचलने की कोशिश कर रही है। बताया जाता है कि पेट्रोल के पैसे मांगने पर पंप कर्मचारी को गाड़ी से कुचलने की कोशिश करने वाला कन्नूर पुलिस का एएसआई है। गनीमत यह रही कि कर्मचारी कार के धक्के के बाद बोनट पर ही गिर गया। आरोप है कि एएसआई ने कर्मचारी को धक्का मारने के बाद गाड़ी नहीं रोकी और बोनट में फंसे युवक को लेकर हाइवे पर गाड़ी दौड़ाता रहा। अब आरोपी एएसआई के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आरोपी एएसआई को सस्पेंड कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक वायरल वीडियो रविवार का है। जब कन्नूर पुलिस का एएसआई के. संतोष कुमार (50) गाड़ी में पेट्रोल भरवाने पंप पर पहुंचा। वहां पेट्रोल पंप कर्मचारी अनिल ने गाड़ी में पेट्रोल भर दिया। जब पैसे मांगे तो एएसआई कार लेकर जाने लगा। पैसों को लेकर दोनों में कुछ देर बहस हुई। वीडियो में दिख रहा है कि अनिल ने गाड़ी के सामने आकर संतोष को रोकने की कोशिश की। एएसआई ने कार का इंजन चालू कर आगे बढ़ा दी, जिससे अनिल बोनट पर गिर गया। उसके हाथ में चोट लगी है। इसके बाद भी संतोष कुमार ने बोनट पर अटके अनिल को लेकर एक किलोमीटर गाड़ी चलाई। अनिल ने इसकी शिकायत पुलिस की सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद कन्नूर पुलिस ने एएसआई पर कार्रवाई की। कन्नूर शहर के पुलिस आयुक्त अजीत कुमार ने बताया कि आरोपी एएसआई के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कई धाराएं लगाई गई हैं और उसे निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

2023 में 6 लाख बच्चों को टीका नहीं लगाने वाला दुनिया का दूसरा देश बना भारत

नई दिल्ली। भारत में 2023 में एक भी बच्चे को कोई सा टीका नहीं लगा है। ऐसा करने वाला दुनिया का दूसरा देश भारत बन गया है। यहां 16 लाख बच्चे ऐसे हैं जिन्हें कोई भी टीका नहीं लगा है। पहले नंबर पर नाइजीरिया है जहां ऐसे बच्चों की संख्या 21 लाख है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ की एक रिपोर्ट से मिली है। इस रिपोर्ट में देशों की ओर से 1 जुलाई, 2024 तक दी गई जानकारी के आधार पर साल 2023 के लिए टीकाकरण कवरेज का अनुमान लगाया गया है। इस रिपोर्ट के लिए विश्व बैंक के 2024 के डेवलपमेंट इंडीकेटर्स और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या विभाग के 2024 के आंकड़ों का भी इस्तेमाल किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बिना किसी टीके वाले बच्चों की संख्या पिछले साल के मुकाबले थोड़ी बढ़ी है। अब ऐसे बच्चों की संख्या 1 करोड़ 39 लाख से बढ़कर 1 करोड़ 45 लाख हो गई है। यह संख्या साल 2019 के मुकाबले भी 17 लाख ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुछ बच्चों को पहला टीका लगाने के बाद तीसरा टीका नहीं लग पाता है। इस तरह बिना टीका या अधूरे टीके वाले बच्चों की कुल संख्या 2023 में 2 करोड़ 10 लाख हो गई है जो पहले के आंकड़े से 27 लाख ज्यादा है। भारत में बिना खसरा का टीका लगवाने वाले बच्चों की संख्या भी तीसरे नंबर पर है। ऐसे बच्चों की संख्या 16 लाख है। पहले और दूसरे नंबर पर नाइजीरिया (28 लाख) और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (20 लाख) हैं।

पाकिस्तान की गोद में बैठा हिजबुल मुजाहिद्दीन का आतंकी, कश्मीर पर उगल रहा जहर

नई दिल्ली। हिजबुल मुजाहिदीन का मकसद कश्मीर में एक इस्लामी राज्य बनाना है और जम्मू-कश्मीर का पाकिस्तान में विलय करना है। इस आतंकी संगठन ने कश्मीर में खूब खून-खराबे किए हैं। 1990 के दशक में कई आतंकी हमलों और नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की हत्याओं, बम विस्फोटों और राजनीतिक नेताओं की हत्याओं को अंजाम दे चुका है। इसके लिए आए दिन आतंकी कायराना हरकतें करते रहते हैं। कश्मीरियों को भड़काते हैं उन्हें लालच देते हैं और अपनी आतंक की दुकान चलाने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाते हैं। हिजबुल मुजाहिदीन जैसी आतंकवादी संगठनों के आतंकियों का यह इंटरव्यू दिखाता है कि कैसे पाकिस्तान चिकनी-चुपड़ी बातें करता है, मगर पीठ पीछे वह आतंकवाद को बढ़ावा देता है। पाकिस्तान या फिर उसके कब्जे वाले कश्मीर में बैठकर हिजबुल के कमांडर शमशीर खान ने एक डिजिटल चैनल को जेके बोल को अपना इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू में हिजबुल कमांडर शमशीर खान कश्मीर पर जहर उगल रहा है। अभी जगह कन्फर्म नहीं है। वह कहता है कि हिजबुल मुजाहिद्दीन का मकसद भारतीय सेना का डटकर मुकाबला करना है और उन्हें चैन से नहीं बैठने देना है। शमशीर खान ने उस बात का भी जिक्र किया कि कैसे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी बुरहान वानी को हीरो बताया था। बता दें कि हिजबुल मुजाहिदीन एक आतंकी संगठन है। इसे भारत समेत दुनिया के कई देश आतंकवादी संगठन घोषित कर चुके हैं। हिजबुल मुजाहिदीन के डिप्टी सुप्रीम कमांडर शमशीर खान का यह इंटरव्यू ऐसे वक्त में आया है, जब जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले तेज हो गए हैं। हाल ही में आतंकियों ने कठुआ में हमला किया था, जिसमें भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। इससे पहले माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही एक बस पर आतंकियों ने हमला कर दिया था। उस आतंकी हमले में नौ लोगों की मौत हो गई थी और 41 घायल हो गए थे।

बाबा पर लगा देवी कुंड को स्विमिंग पूल बनाने का आरोप

बागेश्वर। उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में सुंदरढुंगा में सरकारी जमीन हड़पने का एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक बाबा ने ग्लेशियर पर चोरी-छिपे मंदिर बना डाला। इस बाबा का नाम योगी चैतन्य आकाश है और उनका दावा है कि देवी भगवती उनके सपने में आई थीं और पहाड़ों पर 5,000 मीटर (16,500 फीट) से ज्यादा की ऊंचाई पर मंदिर बनाने का आदेश दिया था। योगी चैतन्य के इस दावे पर वहां पास के ही गांव में रहने वाले लोग भी सवाल उठाते हैं। इसी में एक महेंद्र सिंह धामी भी हैं, जिन्होंने बाबा पर देवी कुंड को अपवित्र करने का आरोप लगाया है। वहीं एक और शख्स प्रकाश कुमार कहते हैं, 'ये तो ईशनिंदा है। सदियों से हर 12 साल में नंदा राज यात्रा के दौरान देवी-देवता देवी कुंड में आते हैं। इस बाबा ने लोगों को गुमराह करके हमारी परंपराओं के खिलाफ ये मंदिर बना डाला है।' गांववालों की इन आपत्तियों के बाद अब प्रशासन की भी नींद खुली है और उन्होंने इस अवैध निर्माण की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, कपकोट के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट अनुराग आर्य ने बताया कि वन विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग के कुछ लोग जल्द ही देवी कुंड जाएंगे। अतिक्रमण हटाकर योगी चैतन्य के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बारे में अभी पता चला है।' वहीं ग्लेशियर रेंज के रेंजर एनडी पांडे ने बताया, 'हमें इस बारे में जानकारी मिली है।'

केरल में भारी बारिश से मची तबाही, दीवार गिरने से मां-बेटे की मौत

पलक्कड़। केरल में भारी बारिश से पलक्कड़ जिले में एक मकान की दीवार ढहने से मां और बेटे की मौत हो गई। मध्य और उत्तरी केरल के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण घर की दीवार गिरने से मां और बेटे की मौत हो गई है। इस बारिश ने राज्य में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। यह घटना पलक्कड़ जिले के वडक्कनचेरी थाना क्षेत्र के कोट्टेकड़ में हुई है।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान सुलोचना और उनके बेटे रंजीत के रूप में हुई है। यह घटना तब घटी जब मां और बेटा सो रहे थे तो उनके पुराने घर की दीवार उनके ऊपर गिर गई, जिसमें दोनों दब गए और उनकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह लोगों ने देखा तो दोनों की मौत हो चुकी थी। अधिकारियों ने बताया कि मध्य और उत्तरी जिलों के कई इलाकों में पेड़ उखड़ने और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। अधिकारियों ने कहा कि पानी छोड़ने के लिए मलंकारा और कल्लारकुट्टी बांधों के शटर खोल दिए गए हैं। इस वजह से पेरियार, मुवित्तपुझा, थोडुपुझा और मुवत्तुपुझा नदियों के तटों पर रहने वाले लोगों से सतर्क रहने को कहा गया है।

21 जुलाई को सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, राहुल हो सकते हैं शामिल, टीएमसी की दूरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। मोदी सरकार के लिए दोबारा सत्ता में आने के बाद यह पहली बड़ी परीक्षा होगी। यही कारण है कि केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू संसद के बजट सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई को सुबह 11 बजे मुख्य समिति कक्ष, संसदीय सौध, दिल्ली में होगी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा और सरकारी कामकाज की अत्यावश्यकताओं के अधीन, सत्र 12 अगस्त को समाप्त हो सकता है।

विशेष रूप से, यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की पहली अपेक्षित उपस्थिति है। बैठक का उद्देश्य आगामी सत्र के लिए प्रमुख एजेंडों और रणनीतियों पर चर्चा करना है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने पुष्टि की कि बैठक में पार्टी का प्रतिनिधित्व नहीं होगा। उन्होंने 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में उद्धृत किया, जो 1993 में कोलकाता पुलिस गोलीबारी की घटना के दौरान दुखद रूप से मारे गए 13 कांग्रेस समर्थकों की याद में हर साल मनाया जाता है। यह घटना पश्चिम बंगाल में सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार के तहत राज्य

सचिवालय, राइटर्स बिल्डिंग तक मार्च के दौरान हुई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला केंद्रीय बजट (2024-25) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में पेश करेंगी। संसद सत्र एक दिन पहले शुरू होगा और 12 अगस्त को समाप्त होगा। इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा था कि भारत के राष्ट्रपति ने, भारत सरकार की सिफारिश पर, 22 जुलाई, 2024 से 12 अगस्त, 2024 तक बजट सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय बजट 2024-25 23 जुलाई, 2024 को लोकसभा में पेश किया जाएगा।

पाकिस्तान कश्मीर में नहीं हुआ कामयाब...जम्मू में बढ़ा रहा आंतकी गतिविधि : पूर्व डीजीपी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी कुलदीप हुड्डा ने जम्मू में बढ़ती आतंकी घटनाओं को लेकर प्रतिक्रिया दी है। पूर्व डीजीपी हुड्डा ने कहा, पाकिस्तान का मिशन साफ है। वह अब जम्मू में गतिविधियों को बढ़ाना चाहता है, क्योंकि पाकिस्तान कश्मीर में कामयाब नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ऑल आउट के तहत कश्मीर में पाकिस्तान का सफाया हुआ और इसलिए अब वैसी जगह ढूंढ रहे हैं, जहां पर सुरक्षाबलों की कमी है। आमतौर पर जिन क्षेत्रों में शांति रही है, अब उन जगहों पर आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, जिससे सेना का ध्यान जम्मू में बढ़ रही आतंकी घटनाओं की ओर जाए, जिससे वे कश्मीर में फिर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे सके। पूर्व डीजीपी हुड्डा ने कहा कि बीते कुछ समय में घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं, इसलिए घुसपैठ को रोकने के लिए प्रयास किया जाए, चाहे तकनीकी या ह्यूमन सप्लीमेंट की जरूरत है, ऐसी सभी चीजों की मदद ली जाए। पाकिस्तान को डील करने के तरीकों में बदलाव लाने की जरूरत है, क्योंकि वह पिछली घटनाओं से सबक लेने के बाद भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा, उरी हमले के बाद भारत की ओर से सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी, जिसके बाद पाकिस्तान खामोश बैठ गया था। मगर अब आतंकियों ने अपना एजेंडा फिर शुरू किया है। इसलिए अब और भी जरूरी हो जाता है कि भारत उनके खिलाफ एक्शन ले। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने की जो कोशिश की जारी है, उन्हें नाकाम किया जाए।

फिर गरमाया कावेरी जल विवाद, नाराज सीएम स्टालिन ने की सर्वदलीय बैठक, कर्नाटक का है अपना दावा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु को कावेरी जल की कम मात्रा जारी करने पर कर्नाटक सरकार का रुख अत्यधिक निंदनीय है। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कावेरी जल विवाद पर आज सर्वदलीय बैठक की। एमके स्टालिन ने कहा कि इस सर्वदलीय बैठक में तमिलनाडु को कावेरी का पानी देने से इनकार करने पर कर्नाटक सरकार की कड़ी निंदा की गई। हम सीडब्ल्यूआरसी से आग्रह करते हैं कि वह कर्नाटक सरकार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश और सीडब्ल्यूएमए के आदेश के अनुसार तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़ने का आदेश दे।

15 जुलाई, 2024 तक, कर्नाटक के चार मुख्य बांधों में कुल भंडारण 75.586 टीएमसी फीट है, तमिलनाडु के मेट्टूर जलाशय में जल स्तर मात्र 13.808 टीएमसी फीट है। किसानों ने कर्नाटक सरकार से तमिलनाडु के लिए कावेरी जल छोड़ने की मांग को लेकर त्रिची, थिल्लई नगर में कर्नाटक बैंक के सामने विरोध प्रदर्शन किया। कावेरी के पानी के कारण 20 वर्षों से अधिक समय से मुकदमेबाजी चल रही है। यह एक राजनीतिक मुद्दा है जिस पर 150 वर्षों से अधिक समय से बहस चल रही है।

कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद पर बढ़ते तनाव के बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आपसी समझ की आवश्यकता पर जोर देते हुए बातचीत और सहयोग के लिए खुलापन व्यक्त किया है। शिवकुमार ने जल आवंटन पर चल रही चर्चा को संबोधित करते हुए कहा, 'तमिलनाडु को मिलने का पूरा अधिकार है, जैसे हम मिलते हैं। हम उनकी बैठक पर आपत्ति नहीं करते हैं। यह उनका कर्तव्य है।' उन्होंने तमिलनाडु की हालिया कार्रवाइयों पर सीधी टिप्पणी करने से परहेज किया लेकिन कावेरी क्षेत्र में जल प्रवाह में सकारात्मक विकास पर प्रकाश डाला।

इस बीच, बीजेपी नेता सीटी रवि ने कहा कि राज्य तभी पानी छोड़ सकता है, जब उसके पास होगा। उन्होंने कहा, 'सीडब्ल्यूआरसी (कावेरी जल विनियमन समिति) आमतौर पर अपना फैसला अगस्त में देती है, लेकिन इस साल जुलाई में दिया गया। पिछले साल सूखा पड़ा था और इस साल भी हमें 30 फीसदी बारिश की कमी के साथ ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। हम पानी तभी छोड़ सकते हैं जब हमारे पास पानी होगा। यह बारिश पर निर्भर करता है। अगर बारिश अच्छी होती है तो हम तमिलनाडु की मांग से ज्यादा पानी छोड़ सकते हैं।'

अब फिलिस्तीन की मदद को आगे आया भारत, 2.5 मिलियन डॉलर की भेजी पहली किस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में महीनों से हमास और इजराइल के बीच युद्ध जारी है जिसमें हजारों बेगुनाह फिलिस्तीनियों की जान जा चुकी है और लाखों बेघर हो गए हैं जो शिविरों में अपनी जिंदगी गुजारने पर मजबूर हैं। इजराइली हमलों के चलते उन तक मदद पहुंचा भी मुश्किल हो रही है। इसी बीच अब फिलिस्तीनी शरणार्थियों की मदद के लिए भारत ने संयुक्त राष्ट्र एजेंसी को 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पहली किस्त जारी कर दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार ने 2024-25 के लिए पांच मिलियन अमेरिकी डॉलर के अपने वार्षिक योगदान के हिस्से के रूप में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी को 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पहली किस्त भेज दी है। भारत ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी जिसने 1950 से फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए प्रत्यक्ष राहत के कार्यक्रम चलाए हैं। गाजा में इजरायल-हमास युद्ध के बीच अपने कामकाज को बनाए रखने के प्रयास कर रहा है।

पिछले कुछ सालों में फिलिस्तीनी शरणार्थियों और उनके कल्याण का समर्थन करने के अपने प्रयास में भारत ने शिक्षा, स्वास्थ्य, राहत और सामाजिक सेवाओं सहित संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के मुख्य कार्यक्रमों और सेवाओं के लिए 2023-24 तक 35 मिलियन अमरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता फिलिस्तीनी शरणार्थियों को प्रदान की है। हाल ही में न्यूयॉर्क में आयोजित यूएनआरडब्ल्यूए सम्मेलन में भारत ने कहा था कि वित्तीय मदद के अलावा वह एजेंसी के विशिष्ट अनुरोध के आधार पर यूएनआरडब्ल्यूए को दवाएं भी देगा और फिलिस्तीन के लोगों को एक सुरक्षित वक्त पर निरंतर मानवीय मदद की आपूर्ति के लिए अपने वादे को निभाएगा।

बच्चों में मौत का नया नाम... चांदीपुरा वायरस, सीधा मस्तिष्क पर हमला, दो दिन में मौत

उदयपुर (एजेंसी)। गुजरात के बाद अब राजस्थान में चांदीपुरा वायरस के मामले मिले हैं। उदयपुर के आदिवासी इलाके के कुल 2 बच्चों में यह लक्षण मिले थे। जिसमें से एक बच्चे की गुजरात के हिम्मतनगर के सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई। वहीं एक और 4 वर्षीय बच्चा वायरस की चपेट में है। हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक यह वायरस सीधा मस्तिष्क पर हमला करता है। सबसे पहले फ्लू के लक्षण दिखते हैं, फिर बच्चा कोमा में चला जाता है।

दो मामले सामने आने के बाद मेडिकल विभाग की टीम की ओर से उनके गांवों में जाकर अन्य बच्चों के सैंपल ले रही है। साथ ही परिवार के लोगों के भी सैंपल लेकर पुणे स्थित लैब में भेजे जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में स्वास्थ्य विभाग के हवाले से बताया गया है कि चांदीपुरा वायरस साल 1965 में महाराष्ट्र के चांदीपुरा गांव में फैला था। वहीं से इसका नाम चांदीपुरा वायरस पड़ा है। यह वायरस बारिश के वक्त

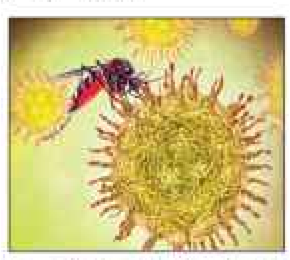

मच्छर और मक्खियों से फैलता है। ये दो मामले सामने आने के बाद मेडिकल विभाग ने गुजरात से सटे सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता दिखा रही है।

बता दें कि 27 जून को उदयपुर के आदिवासी अंचल के नयाखंड के पास बलीचा गांव के एक मासूम की मौत हुई थी। हालांकि तब इस मौत को गंभीरता से नहीं लिया गया। वहीं जब गुजरात में कुछ बच्चों की मौत हुई, तब उसमें चांदीपुरा वायरस के लक्षण पाए गए। इसके बाद जब उदयपुर में एक और बच्चे की मौत हुई तब सामने आया कि उसमें भी चांदीपुरा के लक्षण थे। चांदीपुरा वायरस से लगातार बढ़ रहे मौत के आंकड़ों ने आदिवासी अंचल में हड़कंप मचा गया है।

पंतनगर हो या इंद्रप्रस्थनगर, हर निवासी की सुरक्षा और संतुष्टि हमारी जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते एक माह से अपने सपनों के घर को तोड़े जाने की भ्रामक खबरों से परेशान पंतनगर, इन्द्रप्रस्थनगर एवं रहीमनगर आदि क्षेत्रों के लोगों की समस्या का समाधान कर दिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचे प्रभावित परिवारों के भय और भ्रम का समाधान करते हुए ने मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि पंतनगर हो या इंद्रप्रस्थ नगर, वहां निवासरत लोगों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण जीवन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। संबंधित प्रकरण में एनजीटी के आदेशों के क्रम में नदी के फ्लड प्लेन जोन का चिन्हांकन किया गया है। फ्लड प्लेन जोन में निजी भूमि भी सम्मिलित है। लेकिन निजी भूमि को खाली कराने की न तो वर्तमान में कोई आवश्यकता है और न ही कोई प्रस्ताव है। निजी भूमियों में बने निजी भवनों के ध्वस्तीकरण का कोई विषय विचाराधीन नहीं है। यही नहीं, उन्होंने कहा कि फ्लड प्लेन जोन चिन्हीकरण के दौरान भवन निर्माणों पर लगाये गये संकेतों से आम जन में भय और भ्रम फैला है, इसका कोई औचित्य नहीं था और इसके लिए जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने उक्त क्षेत्र में साफ-सफाई व जनसुविधाओं के विकास के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि तत्काल क्षेत्र में विजिट करें, लोगों से मिलें और उनका भय और भ्रम दूर किया जाए। प्रभावित परिवारों से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रिवर बेड विकसित करने में यदि कोई निजी भूमि पर बना भवन निर्माण आता है, जिसका प्रमाणित स्वामित्व किसी निजी व्यक्ति का है, उसे नियमानुसार समुचित मुआवजा देकर ही अधिग्रहीत किया जाएगा। मुख्यमंत्री से मिलने के बाद प्रसन्नचित परिवारों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया और 'योगी हैं तो यकीन है' के नारे भी लगाए।

बता दें कि कुकरैल नदी को प्रदूषण मुक्त एवं पुनर्जीवित करने के सम्बन्ध में सिंचाई विभाग द्वारा विगत दिनों एनजीटी के आदेशों के क्रम में नदी के फ्लड प्लेन जोन का चिन्हांकन किया गया है। नेशनल मिशन फार क्लीन गंगा (NMCG) की अधिसूचना-2016 के क्रम में उक्त कार्यवाही की जा रही है। कुकरैल नदी के दो प्लेन चिन्हित किये गये हैं। पहला, नदी तल और दूसरा फ्लड प्लेन जोन। रिवर बेड लगभग 35 मीटर चौड़ाई में तथा फ्लड प्लेन जोन नदी किनारे से 50 मीटर तक सिंचाई विभाग द्वारा चिन्हित किया गया है। कतिपय व्यक्तियों द्वारा फ्लड प्लेन जोन के चिन्हांकन के सम्बन्ध में कई मिथ्या तथ्यों को प्रचारित किया जा रहा था, जिसे लेकर स्थानीय जनता में भय और भ्रम का माहौल था।

'आप' को दफ्तर के लिए जगह दीजिए, दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र को दिया आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में अपने पार्टी कार्यालय के लिए सामान्य पूल से अस्थायी आधार पर एक आवास इकाई आवंटित करने के आम आदमी पार्टी (आप) के अनुरोध पर निर्णय लेने के लिए केंद्र को 25 जुलाई तक का समय दिया। 4 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने आप को राउज एवेन्यू में अपना कार्यालय 15 जून तक खाली करने के लिए कहा क्योंकि विचाराधीन भूमि न्यायिक बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए आवंटित की गई थी। 5 जून को उच्च न्यायालय ने केंद्र को छह सप्ताह के भीतर अस्थायी आवास के लिए पार्टी के अनुरोध पर निर्णय लेने का निर्देश दिया था।

भाजपा की हार का निकाला सार....संविधान बदलने, आरक्षण खत्म, अतिआत्मविश्वास और विदेशी ताकतों का हाथ

–सभी नेताओं ने माना ब्रांड मोदी का जलवा कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा की उम्मीदों से परे रहे। उसके बाद से ही पार्टी में मंथन का दौर जारी है। इस लेकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में अब तक मीटिंग्स हो चुकी हैं। इन बैठकों में कुछ दिलचस्प सवाल भी उठे हैं कि आखिर भाजपा को चुनाव में इसतरह के नतीजे क्यों देखने पड़े। बैठकों में राज्य के नेताओं के अलावा केंद्रीय स्तर से भी नेताओं को पर्यवेक्षक के तौर पर भेजा जा रहा है। यूपी में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद मौजूद थे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इन समीक्षा बैठकों में 7 बातें प्रमुखता से कही जा रही हैं।

बैठक में एक बात सभी ने कही कि विपक्ष की ओर से संविधान बदलने और उसके आधार पर आरक्षण खत्म करने की अफवाह फैलाई गई। इसका असर यूपी, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में दिखाई दिया, जहां ओबीसी और दलित वर्ग की अच्छी खासी आबादी है। इसके अलावा महाराष्ट्र में भी ऐसी ही चर्चा हुई। वहां सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि इन अफवाहों के चलते नतीजे खराब हुए हैं। सीएम शिंदे ने माना कि एनडीए विपक्ष की ओर से फैलाई गई इन अफवाहों की काट नहीं कर सका।

लेकिन भाजपा की मीटिंग्स में कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में विदेशी ताकतों का दखल था। राजस्थान में हुई समीक्षा बैठक में सवाल उठा था। वहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विनय सहस्रबुद्धे की मौजूदगी में हुई मीटिंग में कहा गया कि इन चुनावों में विदेशी हाथ था। विदेशी ताकतें चाहती हैं कि भारत से मोदी के शासन को खत्म कर दिया जाए। बता दें कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी ऐसा ही संकेत दिया।

सभी समीक्षा बैठकों में एकसुर से कहा गया कि कांग्रेस के 99 तक पहुंचने की वजह गठबंधन है। यूपी, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में गठबंधन का फायदा मिला है और सरकार के खिलाफ जाने वाला वोट जब एकजुट हुआ.....भाजपा को नुकसान हुआ और कांग्रेस फायदा ले गई।

क्या इन चुनाव नतीजों ने ब्रांड मोदी पर सवाल खड़े किए हैं? भाजपा में सभी नेता एकजुटता के साथ पीएम नरेंद्र मोदी का जलवा कायम रहने की बात कर रहे हैं। इन नेताओं का कहना है कि पार्टी ने आत्मविश्वास, आपसी कलह की वजह से नुकसान उठाया है, लेकिन पीएम मोदी का जलवा जनता के बीच पहले की तरह कायम है। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम के पद से इस्तीफा तक देने को कह दिया था और खराब नतीजों की जिम्मेदारी भी ली थी।

अतिआत्मविश्वास के चलते हार की बात भाजपा में लगातार कही जा रही है। योगी ने कहा कि हम लोग अतिआत्मविश्वास में आ गए। इसका नतीजा है कि चुनाव नतीजों के बाद अब जो विपक्ष कहीं कोने में बैठा था,

वह अब उछल रहा है।

वहीं भाजपा में आपसी कलह की बातें खूब कही जा रही हैं। पिछले दिनों संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी आए थे। तब कई नेताओं ने कहा कि आपसी कलह के चलते तमाम सीटें गंवा दीं। मुजफ्फरनगर जैसी हाईप्रोफाइल सीट की खूब चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि यहां संगीत सोम और संजीव बालियान के बीच आपसी कलह के चलते नतीजा खिलाफ आया है।